जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 292 प्रभात कोटा, रविवार 4 अगस्त, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ नया फ्रंट खोला, चुनाव में वोटिंग प्रतिशत में हेराफेरी का

कांग्रेस का आरोप है, लोकसभा चुनाव में भाजपा 79 सीटें मतदान प्रतिशत में हेराफेरी करके जीती है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। कांग्रेस पार्टी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर लोडेड मिसाइल दागी है और मतों में हेराफेरी करके फर्जी जीत हासिल करने का आरोप लगाया है।

यह आरोप लगाते हुए कि 2024 आम चुनावों में, कुल मतदान संख्या में हेराफेरी करके भाजपा ने 79 सीटों पर विजय हासिल की है, कांग्रेस ने आज भारतीय चुनाव आयोग से, प्रारंभिक तथा फाइनल मतदान आंकड़ों में बहुत अधिक अंतर के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है।

वोटर फॉर डैमॉक्रेसी (वी.एफ.डी.) की एक रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में कहा कि, चुनाव आयोग ने शुरु में जो कहा और अंत में जो आंकड़े दिए उसमें समग्र अंतर औसतन 4.7 प्रतिशत है, लेकिन पूरे राष्ट्र में मिलाकर ये 5 करोड़ वोट होते हैं।

- **कांग्रेस के अनुसार, 2019 में मतगणना प्रारम्भिक रूप से घोषित मतदान प्रतिशत व फाइनल वोटिंग परसैन्टेज में केवल एक प्रतिशत का फर्क था, पर, 2024 में प्रारम्भिक मतदान प्रतिशत व फाइनल घोषित मतदान प्रतिशत में औसतन 4.7 प्रतिशत का फर्क था, जो जायज नहीं लगता।**
- **कांग्रेस के अनुसार, ओडीशा व आंध्र, जहाँ भाजपा को मतदान प्रतिशत में अप्रत्याशित सफलता मिली है, वहाँ, प्रारम्भिक व फाइनल में, 12.5 प्रतिशत का फर्क है और लक्षद्वीप में तो यह फर्क 25 प्रतिशत है।**
- **कांग्रेस का यह भी कहना है कि मतदान के बाद चुनाव आयोग द्वारा परिणाम घोषित करने में इतना अधिक समय लगाना भी संदेह उत्पन्न करता है। क्योंकि, आधुनिक टैक्नोलॉजी से तो मतगणना के समय हर दो घंटे में वोटों की संख्या अपडेट होती है, पर, चुनाव के प्रथम चरण के वोटिंग के आंकड़े देने में चुनाव आयोग को 11 दिन लगे थे।**

वी.एफ.डी. रिपोर्ट का हवाला देते हुए दीक्षित ने खुलासा किया कि ओडीशा तथा आंध्र प्रदेश जैसे कुछ राज्य, जहाँ भाजपा व उसके सहयोगी दलों का प्रदर्शन अप्रत्याशित रूप से बहुत अच्छा रहा, प्रारंभिक तथा फाइनल मतदान आंकड़ों में अंतर 12.5 प्रतिशत का, जो कि बहुत बड़ा अंतर है तथा चुनाव आयोग को इसका, जवाब देना चाहिए।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कहा कि एक प्रतिशत का अंतर तो समझ में आता है, लेकिन 12.5 प्रतिशत का भारी अंतर तथा लक्ष्यद्वीप जैसी जगहों पर 25 प्रतिशत तक का अंतर गंभीर प्रश्नों को जन्म देता है।

रिपोर्ट का हवाला देते हुए दीक्षित ने कहा कि रिपोर्ट ने विशेष रूप से उन 79 निर्वाचन क्षेत्रों को चिन्हित किया है जहाँ भाजपा जीती है, वहाँ पर अंतिम मतदान प्रतिशत, चुनाव आयोग द्वारा दिए गए प्रारंभिक आंकड़ों से बहुत ज्यादा बढ़ गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

2023 में 2.16 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। कांग्रेस ने आज भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार पर भारतीयों द्वारा नागरिकता छोड़े जाने के मुद्दे पर कटाक्ष किया और कहा कि मौजूदा सरकार के तहत जो भय का माहौल बना है उसकी वजह से ऐसा हो रहा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि सरकार के अपने आंकड़े जो उसने राज्यसभा में जारी किए हैं, बताते हैं कि वर्ष 2023 में 2.10 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी है जोकि 2016 में 1.23 लाख भारतीयों का दोगुना है।

- **राज्यसभा में प्रस्तुत इस सरकारी आंकड़ें पर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा और कहा कि भय के माहौल व कर प्रणाली के कारण भारतीय नागरिकता छोड़ रहे हैं।**

उन्होंने दावा किया कि जिन भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी है वे कुशल एवं उच्च शिक्षित हैं और देश के कुशल श्रम आपूर्ति की कमी के समय इनके देश छोड़ने से भारत की अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

रमेश ने कहा कि इनमें से कई लोग आर्थिक रूप से सम्पन्न भी है। इस साल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वित्तीय बाज़ार में कमला हैरिस की बढ़ती साख ने ट्रम्प की चिंता बढ़ाई

मीडिया प्लेटफॉर्म ''ट्रुथ सोशल में ट्रम्प की भागीदारी की वैल्यू 900 मिलियन डॉलर घट गई है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ में डैमोक्रेटिक पार्टी की नई प्रत्याशी कमला हैरिस को वित्तीय बाजार बड़ी गंभीरता से ले रहे हैं। डॉनल्ड ट्रम्प के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''ट्रुथ सोशल'' की वैल्यू में आयी भारी कमी से इसका संकेत मिल सकता है।

ट्रुथ सोशल में ट्रम्प की भारीदारी की मार्केट कैपिटल में 900 मिलियन डॉलर तक की कमी आई है। बाइडन के कमला हैरिस के पक्ष में पीछे हटने से पहले तक ट्रम्प की भागादारी 4 अरब डॉलर तक थी अब यह घटकर 3.1 अरब डॉलर रह गई है।

ऐसा माना जाता है कि अगर ट्रम्प राष्ट्रपति बन गए तो यह मंच उनकी सोशल मीडिया पोस्टिंग का जरिया बन जाएगा और इसी वजह से इसकी वैल्यू बढ़ गई थी।

लेकिन कमला हैरिस के डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी के रुप में राष्ट्रपति पद की दौड़ में सामने आने के बाद से ट्रुथ सोशल के साथ ट्रम्प के जुड़े होने की वैल्यु वित्तीय बाजार में कम हो रही है। वो राष्ट्रपति पद के लिए जो बाइडन की तुलना में ज्यादा मजबूत उम्मीदवार के रुप में सामने आई हैं, यह बात ट्रम्प की जीत की संभावना के खिलाफ जा रही है।

- **जब से डैमोक्रैटिक प्रत्याशी के रूप में कमला हैरिस का नाम सामने आया है, वित्तीय बाजार में ट्रम्प की साख कम हो रही है।**
- **इससे ट्रम्प काफी हताश हो रहे हैं। हाल ही में अश्वेत पत्रकारों से वार्ता करते हुए ट्रम्प कई बार आपा खो बैठे, जिससे उनकी हताशा के संकेत मिल रहे हैं।**

कमला हैरिस ने डैमोक्रेटिक अभियान में और सभी प्रमुख डैमोक्रेटिक नेताओं में जोश भर दिया है। जो पहले हैरिस के खिलाफ थे वे भी उनके पक्ष में आ गए हैं। कुछ श्वेत समूह भी कमला हैरिस को समर्थन दे रहे हैं।

हैरिस को इन दिनों बड़ी सफलता मिली जब युनाइटेड ऑटो वर्कर्स, जो कि अमेरिका का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है, ने कमला हैरिस की दावेदारी का समर्थन किया।

अपने अभियान के लिए फंड जुटाने में भी हैरिस काफी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका में फंड जुटाने को प्रत्याशी की लोकप्रियता और जीत का पैमाना माना जाता है। इस सप्ताह के आरंभ में ट्रम्प ने अश्वेत पत्रकारों से बात करते हुए अपने चुनाव अभियान को लेकर हताशा के संकेत दिए। कई सवालों के जवाब में तो वे काफी गुस्सा हो गए थे।

मौजूदा प्रशासन के बारे में भी ट्रम्प ने अपने ही अंदाज में बोला।

रुस में अमेरिकन बंदियों की बहुप्रतीक्षित रिहाई की सफल वार्ता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र के चुनाव की गहमा-गहमी चरम पर पहुंची

उद्धव ठाकरे ने अमित शाह को टारगैट बनाते हुए कहा कि शाह, अहमद शाह अब्दाली के राजनैतिक उत्तराधिकारी हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। महाराष्ट्र में होने वाले आगामी चुनावी युद्ध की रेखाएं खिंच गई हैं, शिव सेना (यू.बी.टी.) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने आज गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अहमद शाह अब्दाली के 'राजनीतिक वंशज' हैं।

शिव सेना (यू.बी.टी.) ने आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह सत्ता में बने रहने के लिए 'राजनैति जिहाद'' में संलिप्त है तथा इसके लिए वह राजनीतिक दलों में तोड़फोड़ कर रही है।

पुणे में पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए ठाकरे ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर हमला बोला और उन्हें ''औरंगजेब फैन क्लब'' का अध्यक्ष बताया।

ठाकरे ने शाह की आलोचना की और शाह को ''अहमद शाह अब्दाली'' का 'राजनीतिक उत्तराधिकारी' बताया।

- **असल में अमित शाह ने कुछ अर्सा पूर्व ठाकरे को औरंगज़ेब फैन क्लब का प्रमुख कहा था, इसके जवाब में ठाकरे ने शाह को अब्दाली का वंशज बताया। अहमद शाह अब्दाली अफगान शासक था जिसने पानीपत के युद्ध में मराठों को हराया था।**
- **पुणे में शिव सेना कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा और कहा कि सत्ता के बने रहने के लिए भाजपा राजनैतिक ''जिहाद'' कर रही है और विभिन्न दलों को तोड़ रही है।**

अब्दाली अफगान शासक था, जिसने मराठों को पानीपत के युद्ध में हराया था।

ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार द्वारा क्रियान्वित की गईं 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' की आलोचना करते हुए कहा कि वह मतदाताओं में ''रेवड़ी'' बांटकर उन्हें रिश्वत देने का कार्य कर रही है।

ठाकरे ने कहा ''जब हमने मुस्लिमों को हमारे हिन्दुत्व के बारे में बताया तो वो हमारे साथ हो गए, इस पर (भाजपा ने) हमें औरंगजेब फैन क्लब कहा। तो जो आप कर रहे हो, वह सत्ता के लिए जिहाद है।''

21 जुलाई को जब शाह महाराष्ट्र के पुणे में भाजपा के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, उस समय उन्होंने महा विकास अघाड़ी गठबंधन को ''औरंगजेब फैन क्लब'' कह कर उसकी आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि ठाकरे इस क्लब के नेता हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कोचिंग इन्स्टिट्यूट्स की बढ़ती संख्या के लिए नीति बनाई जाए'

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3अगस्त। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि भारत में तेजी से बढ़ते हुए कोचिंग संस्थानों के लिए एक समग्र नीति समाधान लाने की जरूरत है और कहा पाठ्यक्रम की समीक्षा की जानी चाहिए तथा सभी परीक्षा आयोजकों के पास अधिक संसाधनों की आवश्यकता है और शिक्षा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए निवेश की जरूरत है।

- **कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वर्ष 2019 से 2024 के बीच कोचिंग संस्थाओं से होने वाली जी.एस.टी. वसूली 2,241 करोड़ रूपए से बढ़कर 5,517 करोड़ रूपए हो गई है। कोचिंग इन्स्टिट्यूट्स की बढ़ती संख्या के समाधान की जरूरत है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट के ''कोटा में कोटा'' देने वाले निर्णय से राजनैतिक वातावरण बहुत गर्माया

कुछ लोग कह रहे हैं कि इससे आरक्षण के माध्यम से सोशल जस्टिस करने के प्रयास पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3अगस्त। सर्वोच्च न्यायालय का वह निर्णय, जिसमें राज्यों को यह अनुमति दे दी गई है कि वे अनुसूचि जाति एवं अनुसूचित जनजाति की आरक्षित श्रेणियों में ''कोटा के अन्दर कोटा'' निर्धारित कर सकते हैं, ने एक बवाल खड़ा कर दिया है। एन.डी.ए. के दो घटक दलों ने इस सम्बन्ध में अपनी चिन्ताएं व्यक्त कर दी हैं। केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने घोषणा कर दी है कि उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) इस निर्णय पर पुनर्विचार के लिये सर्वोच्च न्यायालय में अपील करेगी। आर.पी.आई. नेता रामदास अठावले ने भी एस.सी./एस.टी. में क्रीमी लेयर की शर्त को लागू करने की कोशिशों का विरोध किया है। अठावले भी केन्द्रीय मंत्री है।

सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले को पसन्द करने वाले लोगों का कहना है कि क्रीमी लेयर को चिन्हित करके उसे आरक्षण से बाहर करने के दरवाजे खुल जाने से सामाजिक न्याय की मौजूदा नीतियों को एकदम सटीक बनाने के रास्ते की लम्बे समय से चली आ रही बाधायें दूर हो गई हैं। इससे भिन्न एक विचार यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय के परिणाम स्वरूप, एस.सी. और एस.टी. श्रेणियों के बीच एक राजनैतिक लड़ाई जन्म लेगी तथा एस.सी./एस.टी. के नौकरी में गारन्टीड आरक्षण राजनैतिक हितों की सनकों पर निर्भर हो जायेगा। एक ताकतवर विचार यह भी है कि इस आदेश के चलते, आरक्षण को पूरी तरह खत्म करने की प्रक्रिया की दिशा में एक शुरुआत हो जायेगी।

- **''कोटा में कोटा'' देने की शुरुआत सबसे पहले बिहार में नीतीश कुमार ने की थी, जब उन्होंने दलितों में ''महादलित'' वर्ग चिन्हित किया था।**
- **एन.डी.ए. के दो घटक दलों के नेताओं, चिराग पासवान और रामदास अठावले ने इस फैसले का विरोध किया व सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने की बात कही है। चिराग का कहना है कि सदियों से छूआछूत झेल रही जातियों के उत्थान का उद्देश्य इससे पूरा नहीं होगा।**
- **सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन करने वाले वर्ग का कहना है कि इससे सामाजिक हकदारों को सामाजिक न्याय उपलब्ध कराने की राह में जो भी बाधाएं हैं, सब दूर हो जाएंगी, क्योंकि क्रीमी लेयर आरक्षण से बाहर हो जाएगी और वास्तविक जरूरतमंद को ही आरक्षण को लाभ मिलेगा।**

प्रसंगवश बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अपनाई गई प्रतिक्रियाओं के अनुरूप हैं। नीतीश कुमार ने ''महादलित'' श्रेणी को चिन्हित करके, उसे दलित श्रेणी की तुलना में सकारात्मक कार्यवाही का कहीं ज्यादा पात्र बताया था। किन्तु कुछ पर्यवेक्षकों का विचार है कि इन मुद्दों का सम्बन्ध केवल नौकरी से ही नहीं है। ऐसा कहा जा रहा है कि इस फैसले के बाद, राज्य सरकारों के लिये यह सम्भव हो सकता है कि वे ''सफाई कर्मचारी'' वाली जातियों को क्रीमी लेयर श्रेणी में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

21 साल से कम उम्र और 40 फीसदी से कम अंक वालों की नियुक्ति पर रोक

जयपुर, 3 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 में उन अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है, जिनकी उम्र एक जनवरी, 2024 को 21 साल से कम थी। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को छोडकर उन अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति नहीं देने को कहा है, जिनके भर्ती की लिखित परीक्षा में चालीस फीसदी से कम अंक हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में प्रमुख

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती 2023 के संबंध में दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पश्चिमी देशों में भारतीय मूल के जाने-माने राजनीतिज्ञ, भारत के लिये खास मददगार साबित नहीं होते!

वे सदा भारी दबाव में रहते हैं, अपने नये ''घर'' (नये देश) के प्रति अपनी वफादारी साबित करते रहें और इस जिम्मेवारी में दबे हुए वे सबसे पहले अपने पुराने देश (मातृभूमि) के हितों का बलिदान करते रहते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। विदेशों में भारतीय मूल के राजनेताओं के उदय से वहां के भारतीय समुदाय के प्रभाव और सफलता का पता चलता है, लेकिन यह भारत को आवश्यक लाभ नहीं पहुंचाता। ये नेता अपने राजनीतिक सिस्टम के भीतर ही काम करते हैं और अपने नए देश के हितों को ही प्राथमिकता देते हैं। अपनी दोहरी पहचान के कारण इन नेताओं पर कड़ी नज़र रहती है, इसलिए ये भारतीय हितों की अपेक्षा अपने गृहीत देश की नीतियों का अधिक अनुसरण करने के बाद अपना रूख तय करते हैं।

कमला हैरिस का अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद तक आरोहण और अमेरिका के आगामी राष्ट्रपति चुनाव में डॉनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ उनका डैमोक्रेटिक पार्टी का प्रत्याशी बनना एक ऐतिहासिक क्षण है, जिसका भारतीय और भारतीय अमेरिकन, दोनों जश्न मना रहे हैं। भारतीय मां की पुत्री होने के नाते अमेरिका की राजनीति में उनकी यह उपलब्धि भारतीय अमेरिकियों के लिए एक मील का पत्थर है। तथापि, डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रगतिशील एजेण्डे के कारण बनी उनकी राजनीतिक स्थिति प्राय: भारतीय हितों के अनुकूल नहीं रही है।

उदाहरण के तौर पर, हैरिस की भतीजी मीना हैरिस ने भारत के कृषि कानूनों की आलोचना कर एक कूटनीतिक मुद्दा छेड़ दिया। सोशल मीडिया पर उनकी अलंकारिक भाषा, जिसका उद्देश्य संभवत: प्रगतिशील लोगों का समर्थन जुटाना था, ने उन लोगों को आलोचना की सामग्री प्रदान कर दी ,जो भारत में सुधारों का विरोध कर रहे थे। यहां तक कि अमेरिका की सरकार ने भी उक्त सुधारों का समर्थन किया था। इससे समझ में आता है कि उनके बयान को कमला हैरिस की स्वीकृति थी।

पश्चिमी देशों में भारतीय मूल के राजनेता अपने गृहीत देशों के हितों को नैसर्गिक रूप से प्राथमिकता देते हैं। आज के ध्रुवीकृत वैश्विक राजनीतिक माहौल में, वे अपने नए देशों के प्रति अपनी निष्ठा को साबित करने के लिए प्राय: स्वयं को बाध्य महसूस करते हैं और कभी-कभी तो ऐसा भारत के हितों की कीमत पर होता है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण है, अमेरिकी कांग्रेस की प्रमिला जयपाल द्वारा कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद व्यक्त किए गए विचार। भारत की

- **उदाहरण के लिये, आर्टिकल 370 को सस्पैंड करने के बाद, जब हिन्दुस्तान ने इन्टरनैट पर प्रतिबंध लगाया था, आंतकवादियों को संगठित होकर वारदातें करने से रोकने के लिये, तब अमेरिका की जानी-मानी भारतीय मूल की कांग्रेस मैन प्रमिला जयपाल ने वहाँ की संसद में प्रस्ताव पारित कराने की कोशिश की भारत के खिलाफ। शायद उनका मकसद अमेरिका के विदेश मंत्रालय को ''इम्प्रैस'' करना था।**
- **इसी तरह का आचरण निक्की हैली, प्रीत भरारा, बॉबी जिंदल व सुएला ब्रोवरमैन का रहा है। बॉबी जिंदल, पहले भारतीय-अमेरिकी थे, जो अमेरिका में गवर्नर बने, अपनी भारतीय विरासत से दूरी बनाकर, ईसाई धर्म अपनाया, अपनी अमेरिकी पहचान को और मजबूत करने के लिए और इसका उन्हें राजनीतिक लाभ भी मिला, रिपब्लिकन पार्टी में जल्दी से जल्दी एक के बाद एक उच्च पद व जिम्मेवारी पाने में।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मृत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति क्यों नहीं'

जयपुर, 3 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग के अधीन कार्यरत रहे कर्मचारियों के निधन के बाद उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने के दो अलग-अलग मामलों में प्रमुख शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र गुर्जर व राहुल गुप्ता की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाई कोर्ट ने शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की मृत्यु के बाद आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने के दो मामलों में प्रमुख शिक्षा सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक को नोटिस जारी किये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

धैर्य कडुवा होता है, पर उसका फल मीठा होता है। –रूसो

आयुर्वेदोक्त भोजन से जरा-व्याधि-मुक्त भारत की परिकल्पना साकार हो सकती है

आयुर्वेद में आहार का विज्ञान बहुत विशाल है जो, रसायन और औषधियों के साथ मिलकर, हमें स्वस्थ रखने और रोगों को दूर करने में मदद करता है। आधुनिक वैज्ञानिक शोध से अब यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि शरीर में फ्री-रेडिकल्स के बढ़ने से होने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, यह दो बाते हैं जो अंततः मानव शरीर के नाश का कारण बनती हैं। अतः यदि इन दोनों को नियंत्रित कर लें तो जरा व्याधि से मुक्ति मिल सकती है। शोध से यह भी सिद्ध हो चुका है कि आयुर्वेद-सम्मत भोजन और रसायन यही दोनों काम-एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटीइन्फ्लेमेटोरी कार्य-बेहद मज़बूत तरीके से करते हैं।

वर्ष 2016 का चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जापानी जीवविज्ञानी योशीनोरी ओहसुमी को जिस शोध के लिये मिला है उससे एक संभावना और उभरी है कि आयुर्वेदोक्त भोजन और रसायन, ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हमारे शरीर की कोशिकायें स्वयं को खाकर द्रव्यों का पुनर्चक्रण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया के बाधित होने पर पार्किनसन और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऑटोफैगी एक मौलिक प्रक्रिया है जिसका हमारे स्वास्थ्य एवं बीमारियों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है।

महर्षि चरक के अनुसार आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्य हैं (च.सं., सू.स्था., 30.26): स्वस्थस्य स्वास्थ्यरक्षणम् आतुरस्य विकारप्रशमनम्। अर्थात, स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और पीड़ित व्यक्ति के विकार का शमन। आचार्य सुश्रुत द्वारा दी गयी स्वास्थ्य की परिभाषा के अनुरूप उपयुक्त आहार हमारे शरीर के दोष, अग्नि, धातु, व मलक्रिया को सम करता है एवं प्रसन्नता प्रदान करता है: समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियः। प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थइत्यभिधीयते।। (सु.सं.,सू.स्था.,15.41)। जिस व्यक्ति के दोष, अग्नि, धातु, और मल-त्याग सन्तुलित हों, इन्द्रिय, आत्मा एवं मन प्रसन्न हो, वही स्वस्थ कहलाता है। आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है: आहारः प्रीणनः सद्योबलकृद्देहधारकः। आयुस्तेजःसमुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धनः।। (सु.सं., चि.स्था. 24.68)।

यहाँ भोजन से प्राप्त होने वाला ओज जीने के लिये बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि आचार्य चरक ने लिखा है (च.सं., सू.स्था., 17.73-74): बिभेति दुर्बलोऽभीक्ष्णं ध्यायति व्यथितेन्द्रियः। दुश्छायो दुर्मना रूक्षः क्षामश्चैवौजसः क्षये।। हृदि तिष्ठित यच्छुद्धं रक्तमीषत्सपीतकम्। ओजः शरीरे संख्यातं तन्नाशान्ना विनश्यति।। सार यह है कि ओजस के क्षय हो जाने से भय, दुर्बलता, चिंता, अकर्मण्यता, पीड़ा, निरुत्साह, निस्तेज इन्द्रियाँ, शरीर की चमक में फीकापन, मन में दुःख, चेहरे में शुष्कता, और दमदार आवाज में कमी आ जाती है। ओजस हृदय में पाया जाता है और ओजस का नाश होने से शरीर विनष्ट हो जाता है। तथाकथित-व्यंजनों के नाम पर बाज़ार में उपलब्ध कचरा-भोजन या जंक-फूडके भरोसे ओजस का सत्यानाश हो रहा है। साफ़ बात यह है कि यदि हम आयुर्वेद में दी गयी सलाह के अनुसार अपना भोजन लें तो ओजस को नष्ट होने और अंततः शरीर को नष्ट होने से बचा सकते हैं। इस दिशा में सात बातें महत्वपूर्ण हैं।

सबसे पहली बात यह है कि भोजन करने के पूर्व शरीर के समस्त आवेग शान्त हों। मन प्रसन्न व निर्मल हो। अपने स्वाभाविक भोजन-समय से बहुत पहले या बाद में भोजन करना अनुचित रहता है। रात में भोजन नहीं करना चाहिये। आधुनिक विज्ञान में हुये शोध, अनुभवजन्य ज्ञान एवं शास्त्रोक्त विचारों को एकीकृत करते हुये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह मान लेना उचित होगा कि ग्रीष्मकाल में रात्रि 8.00 बजे, शरदऋतु में 7.00 बजे एवं वर्षा ऋतु में सूर्यास्त के पूर्व ही भोजन करना हितकारी होगा। यथासंभव जमीन पर सुखासन या पालथी लगा कर, अपनों के साथ, प्रसन्न मन से संतुलित, पोषक और स्वादिष्ट भोजन करने का अपना आनंद है।

दूसरी बात यह है कि भोजन हितकारी, पोषक और संतुलित हो तथा अपनी पाचन शक्ति को देखते हुये ही ग्रहण किया जाये। भोजन में छः रसों–मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, व कसाय-का होना आवश्यक है। आहार की मात्रा व प्रकार, और इन दोनों के संदर्भ में शरीर की क्षमता, ये तीनों बहुत महत्वपूर्ण संकेतक हैं। उदाहरण के लिये, शालि व साठी चावल, मूंग आदि भले ही शीघ्र पचने वाले होते हैं परंतु इन्हें भी ठूँस-ठूँस कर खा लिया जाये तो पाचन में कठिनाई होती है। इसके विपरीत रोटी, पूड़ी, हलवा, गुड़, चीनी, दूध से बनी रबड़ी, खोवा, तिल, उड़द आदि स्वभाव से गरिष्ठ होते हैं, किन्तु समुचित या अल्प मात्रा में ग्रहण करने पर यह भी पच जाते हैं। लघु या हलके तथा सुपाच्य खाद्य पदार्थ वायु व अग्नि गुण प्रधान होने के कारण पाचकाग्नि को प्रदीप्त करने वाले स्वभाव के होते हैं और इन्हें तृप्तिपूर्वक खा लेने पर भी बहुत अधिक दोष उत्पन्न नहीं होते। किंतु गुरू या गरिष्ठ द्रव्य पृथ्वी तथा सोम गुण की अधिकता होने के कारण अग्नि को उदीप्त नहीं कर पाते, अतः जब तक कठोर व्यायाम से अग्नि-बल बढ़ा न लिया गया हो, तब तक इन्हें तृप्तिपूर्वक खाते ही दोष खड़े होने लगते हैं। अतः गरिष्ठ भोजन खाने से पूर्व अपने अग्नि-बल की हैसियत का खयाल रख लेना चाहिये। आचार्य चरक ने कहा है कि गरिष्ठ भोजन को पेट के आधे भाग की तृप्ति तक ही लेना चाहिये। लघु पदार्थों को भी उचित मात्रा में ही खाना चाहिये, क्योंकि समुचित मात्रा में किया गया भोजन ही हमें बल, वर्ण, सुख तथा आयु प्रदान करता है। पीठी की तरह गूंथे गये आटे व उड़द आदि की पीठी से बना हुआ भोजन भी गरिष्ठ होता है। अतः भोजन करने के पश्चात् पीठी से निर्मित व्यंजन, चावल या चेवड़ा आदि को अत्यल्प मात्रा में ही खाना चाहिये। असल में बहुत तेज भूखे होने पर ही इस प्रकार के खाद्य पदार्थों का लेना उचित रहता है। सुखाई हुई सब्जियाँ, कमल की जड़, कमल की नाल आदि भी गुरू द्रव्य हैं, अतः इनका सेवन भी निरंतर नहीं करना चाहिये। दही या छाछ के साथ दूध को पका कर या फटे हुये दूध से बनाये गये बनाये गये व्यंजन एवं छैना, दही, उड़द, ज़ई आदि को भी लगातार प्रतिदिन नहीं खाना चाहिये।

> **आयुर्वेदोक्त भोजन और रसायन, ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हमारे शरीर की कोशिकायें स्वयं को खाकर द्रव्यों का पुनर्चक्रण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया के बाधित होने पर पार्किनसन और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऑटोफैगी एक मौलिक प्रक्रिया है जिसका हमारे स्वास्थ्य एवं बीमारियों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है।**

तीसरी बात यह है कि आयुर्वेद में भोजन व्यक्ति-व्यक्ति की स्थिति, प्रकृति, एवं ऋतुओं के आधार पर तय होता है। उदाहरण के लिये, सूखे मेवे, आलू, टमाटर, सेब, मटर, चना आदि वात को कुपित करते हैं, इसलिये वात प्रकृति के लोगों को इन पदार्थों को कभी-कभार ही लेना चाहये। जबकि मीठे फल, जैसे अंगूर, केला, संतरा, नारियल, व लाल चावल वात प्रकृति के लोगों के लिये लाभकारी हैं। इसी प्रकार अधिक मसालेदार भोजन, मूंगफली का तेल, खट्टे फल, केला, पपीता, टमाटर, लहसुन आदि पित्त दोष को कुपित करते हैं। जबकि, आम, संतरा, नाशपाती, हरी सलाद आदि पित्त दोष को शान्त करते हैं। इसी प्रकार केला, नारियल, खजूर, पपीता, अनन्नास व विभिन्न दुग्ध-उत्पाद कफ को कुपित करते हैं, जबकि सूखे मेवे, अनार, सफ़ेद चावल, अंकुरित अनाज आदि कफ प्रकृति के लोगों के लिये उपयोगी रहते हैं।

चौथी बात, शालिधान्य, गेहूं, जौ, साठी चावल, वनों में मिलने वाले खाद्य, हरड़, आमला, दाख-मुनक्का, परवल, मूंग, खांड, घी, वर्षा का स्वच्छ जल, दूध, मधु, अनार, सैन्धव लवण, और आँखों की ताक़त बढ़ाने के लिये रात में मधु और घी के साथ त्रिफला का सेवन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही स्वास्थ्य की रक्षा के लिये या रोगों से मुक्ति के लिये जो भी उपयोगी आहार हो उसे लिया जा सकता है। अनुभव के अनुसार जिन पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य ना बिगड़े या कोई नया रोग उत्पन्न नहीं हो, उन्हें खाया जा सकता है। नियमित भोजन में ऐसे द्रव्यों को भी थोड़ी मात्रा में शामिल किया जा सकता है जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। विविध प्रकार व विविध रंगों के स्थानीय मौसमी फल, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गुड़, एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनका थोड़ा सेवन उपयोगी रहता है। वर्षा से संग्रहित किया हुआ साफ जल ही सबसे उत्तम माना जाता है। भोजन के अंत में पानी पीना हानिकारक है। जरूरी हो तो अत्यल्प मात्रा में ही लेना चाहिये।

पांचवीं बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ पकाने के बाद देर तक रख देने पर, बासी हो जाने पर या स्वरुप बदल जाने के बाद नहीं खाए जाने चाहिये। सूची तो बड़ी लम्बी है, पर सारांश में देखें तो ठंडा होने पर पुनः गर्म किया हुआ भोजन, सूख जाने के बाद पानी मिलाकर पुनः गीला किया हुआ भोजन, व कांसे के पात्र में कई दिनों तक रखा हुआ घी नहीं खाना चाहिये। अधपका, दुर्गन्धयुक्त, जला हुआ, स्वाभाविक रंग से भिन्न या रंग बदला हुये, पानी छोड़ चुके, बहुत नमक-युक्त, या बार-बार गरम किया हुआ बासी भोजन खाना हानिकारक है। गरम की हुई शहद, या शहद लेने के बाद गरम पानी पीना, रात्रि में दही या अधिक मिठाई, भोजन के अंत में मीठा और शुरुआत में तिक्त और कटु पदार्थ, गर्म पेय के तुरंत बाद ठंडा जल वर्जित हैं।

छठी बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं जो प्रायः एक दूसरे के साथ नहीं चलते। दही व छाछ के साथ केला; नमक के साथ दूध; गुड, पिप्पली, शहद व कालीमिर्च के साथ पूड़ी; उड़द की दाल के साथ मूली; दही व दूध के साथ मूली; बासी या सूखी मूली; खट्टे फलों के साथ दूध; खीर, खोया, मलाई, व दूध के साथ खिचड़ी और अल्कोहल; खीर के साथ छाछ; दही के साथ खजूर; कमल-ककडी के साथ अंकुरित अनाज; शहद के साथ खजूर और दारू; और बराबर मात्रा में घी को शहद के साथ, या शहद, घी, वसा, तेल और जल को एक साथ मिलाकर नहीं खाना चाहिये। शोध में पाया गया है कि ग्रीन चाय के साथ दूध, चाय के साथ लहसुन, अनार-रस के साथ अंगूर-रस, हरे टमाटर और आलू के साथ अल्कोहल नहीं लेना चाहिये।

और अंत में, आयुर्वेद के इतिहास में 5000 वर्षों के दौरान लिखे किये गये अनेकानेक ग्रंथों को खंगाल डालने पर कहीं भी पिज़्ज़ादिवर्ग, बर्गरादिवर्ग, कुर्कुरादिवर्ग, फिंगरचिप्सादिवर्ग, या मैग्यादिवर्ग जैसे आहार द्रव्यों का वर्णन नहीं प्राप्त होता। अतः आयुर्वेद के जन्मदाता समाज के मध्य इनका उपयोग वर्ष में एकाध दो बार स्वाद बदलने के लिये ही किया जाना हितकारी हो सकता है!

–अतिथि संपादक
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

खाद्य मिलावट के जहर से स्वास्थ्य पर कहर

अविनाश जोशी

खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर मुद्दा है जो पीढ़ियों से हमारे भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है। अब समय आ गया है कि इस प्रथा को समाप्त किया जाए और मांग की जाए कि हमारा भोजन हानिकारक प्रदार्थो से मुक्त हो। पिछले एक दशक में, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

खाद्य अपमिश्रण से आखों की रोशनी जाना, हृदय संबन्धित रोग, लीवर खराब होना, कुष्ठ रोग, आहार तंत्र के रोग, पक्षाघात व कैंसर जैसे हो सकते हैं। अनेक स्वार्थी उत्पादक एवं व्यापारी कम समय में अधिक लाभ कमाने के लिए खाद्य सामाठी में अनेक सस्ते अवयवों की मिलावट करते हैं, जो हमारे शरीर पर दुष्प्रभाव डालते हैं। नए रोगों के चलते डाक्टरों के यहां लगी रोगियों की लंबी कतारें काफी हद तक मिलावटी खाद्य पदार्थों का ही नतीजा हैं। सबसे विकट स्थिति उपभोक्ता के सामने होती है, जो ज्यादातर मामलों में असली सामान की पहचान करने की सलाहियत नहीं रखते।

हम सब अपने खाने-पीने को लेकर इतने सजग होते हैं कि भोजन में जरा भी गड़बड़ होने पर उसे छोड़ देना बेहतर समझते हैं। मगर इस बात का पता शायद ही हमें कभी चल पाता है कि बाजार में जितने भी खाद्य पदार्थ मिल रहे हैं, उनमें कितने मिलावटी हैं और वे हमारे शरीर को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं। मगर इस बीच आम लोगों के बीच मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर थोड़ी जागरूकता बढ़ी है।

भारत सरकार ने खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम सहित कई कानून बनाकर इस मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार किया है। हालाँकि, खाद्य अपमिश्रण की प्रकृति हर राज्य में अलग-अलग होती है, और बदलते पर्यावरणीय कारकों या बेहतर उत्पादन और खेती के तरीकों के परिणामस्वरूप नए मिलावटखोर पैदा हो सकते हैं। सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। दालें, अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। आज मिलावट का सबसे अधिक कुप्रभाव हमारी रोजमर्रा के जीवन में प्रयोग होने वाली जरूरत की वस्तुओं पर ही पड़ रहा है। शरीर के पोषण के लिए हमें खाद्य पदार्थों की प्रतिदिन आवश्यकता होती है। शरीर को स्वस्थ रखने हेतु प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन तथा खनिज लवण आदि की पर्याप्त मात्रा को आहार में शामिल करना आवश्यक है तथा ये सभी पोषक तत्व संतुलित आहार से ही प्राप्त किये जा सकते हैं। यह तभी संभव है, जब बाजार में मिलने वाली खाद्य सामठी, दालें, अनाज, दुग्ध उत्पाद, मसाले, तेल इत्यादि मिलावट रहित हों। खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता काफी कम हो जाती है। खाद्य पदार्थों में सस्ते रंग इत्यादि की मिलावट करने से उत्पाद तो आकर्षक दिखने लगता है, परंतु पोषकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

अब से तीन दशक पहले सुनने को मिलता था कि दूध सिंथेटिक हो सकता है। मगर काफी समय से यह यूरिया, अन्य रसायनों आदि के प्रस्ताव के बाद और जाने क्या-क्या मिलाकर तैयार किया जा रहा है। पनीर, केमिकल और पानी से और मावा मिल्क पाउडर से तैयार किया जा रहा है। हल्दी, लाल मिर्च, धनिया हींग, जीरा, काली मिर्च, सरसों का तेल, रिफाइंड तेल इसके अलावा अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की खबरें आम हो गई हैं, मगर इस पर नजर रखने वाले महकमे शायद तब तक नींद में रहते हैं, जब तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आ जाते है या फिर उसके बारे में लोगों को पता नहीं चल जाता।

मुश्किल यह है कि अगर कभी जांच-पड़ताल होती है और जिन दुकानदारों के खाद्य पदार्थों के नमूने फेल होते हैं, उनके मामले निचले स्तर के अधिकारियों या अदालतों में जाते हैं, जहां मामूली प्रक्रिया अपनाने के बाद उन्हें और बख्श दिया जाता है। जबकि केवल नकली मावे को ही देखें तो देश के कुछ इलाकों में यह कुटीर उद्योग का रूप ले चुका है।ऐसे कारोबारियों से केवल जुर्माना लेकर छोड़ देने से अब स्थिति संभलने वाली नहीं है। दरअसल, कड़ी कार्रवाई की जरूरत इसलिए भी है कि मिलावटी खाद्य पदार्थ को खाने की वजह से किसी व्यक्ति की सेहत खराब हो जा सकती है, बल्कि स्थिति बिगड़ने से मौत भी हो सकती है। इसलिए अगर मिलावटखोरों के खिलाफ हत्या के प्रयास से संबंधित कानूनी धारा का इस्तेमाल करने की मांग की जाती है तो इसमें कोई हैरानी बात नहीं है।

सामान्य रूप से किसी खाद्य पदार्थ में कोई बाहरी तत्व मिला दिया जाए या उसमें से कोई मूल्यवान पोषक तत्व निकाल लिया जाए या भोज्य पदार्थ को अनुचित ढंग से संग्रहीत किया जाए तो उसकी गुणवत्ता में कमी आ जाती है। इसलिए उस खाद्य सामग्री या भोज्य पदार्थ को मिलावटयुक्त कहा जाएगा। भारत सरकार द्वारा खाद्य सामग्री की मिलावट की रोकथाम तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध आहार उपलब्ध कराने के लिए सन् 1954 में खाद्य अपमिश्रण अधिनियम (पीएफए एक्ट 1954) लागू किया गया। उपभोक्ताओं के लिए शुद्ध खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की जिम्मेदारी है। इसको ध्यान में रखते हुए उपरोक्त खाद्य अपमिश्रण रोकथाम अधिनियम बनाया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य जहरीले एवं हानिकारक खाद्य पदार्थों से जनता की रक्षा करना,घटिया खाद्य पदार्थों की बिक्री की रोकथाम एवम धोखाधड़ी प्रथा को नष्ट करके उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना।

जब से कुछ लोगों ने इस पर गौर करना शुरू किया है, तब से कई हकीकतें उजागर होने लगी हैं। मिलावटखोरों ने ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं कि सही माल बेचने वाले दुकानदारों को भी लोग अब शक की नजर से देखने लगे हैं। हालांकि मिलावटखोर केवल खाद्य पदार्थों में ही नहीं, अन्य सामानों की ओर भी अपने पैर फैला चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि जब कभी कोई मामला सामने आता है, उसके बावजूद सरकार इस काम में लगे लोगों के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाती। जबकि जरूरत सख्त कार्रवाई करने की है।यों हमारे आसपास हर रोज दुकानदार से लेकर किसी खाद्य पदार्थ का कारोबार करने वाले लोगों को मिलावटी सामान बेचने में जरा भी हिचक नहीं होती कि इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों की सेहत पर इसका क्या असर पड़ेगा!

मसलन, रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले दूध की गुणवत्ता को लेकर अक्सर खबरें आती रहती हैं कि इसके सेवन से घातक रोग हो सकते हैं।

अव्वल तो इसे लेकर प्रशासन गंभीर नहीं होता और जब कभी संबंधित महकमों के लोग मिलावट की गतिविधियों में लगे लोगों को पकड़ते हैं, तब भी कोई बड़ी और याद रखने वाली कार्रवाई नहीं होती। फिर कुछ दिनों बाद ऐसा धंधा करने वाले कारोबारी बेफिक्र अपना कारोबार चलाते रहते हैं। किसी पर्व-त्योहार के मौके पर बाजार में खुले तौर पर मिलावटी सामान बिकते रहते हैं, मगर कोई ऐसा तंत्र नहीं दिखता जो इन पर लगाम लगा सके।कभी शिकायत होने पर या औचक निरीक्षण में ऐसे लोग पकड़े भी जाते हैं तो कार्रवाई किसी ठोस अंजाम तक नहीं पहुंचता, ताकि अन्य लोग मिलावटी खाद्य पदार्थ न बेचें। एक ओर खाद्य पदार्थों में मिलावट कई बार सेहत पर गहरा जोखिम पैदा करता है, दूसरी ओर खाद से लेकर आम उपयोग के ज्यादातर सामानों के नकली संस्करण बाजार में मौजूद होते हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नवजात शिशु दूध भी शुद्ध पी रहा है, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

व्यापारी वर्ग की भी जिम्मेदारी है कि वे उपभोक्ताओं के जीवन का खयाल रखने के लिए शुद्ध सामग्री की बिक्री करें। मिलावटखोरों के खिलाफ अगर खुद कारोबारियों की ओर से ही आवाज उठेगी, तब लोगों का भरोसा भी बाजार पर बढ़ेगा। अगर कारोबार-जगत से इस मसले पर सहयोग मिलता है और वे मिलावट के विरुद्ध ठोस जमीन तैयार करा पाते हैं, तो यह एक अच्छी बात होगी।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

अजीतगढ़ किले की दीवार गिरने का मंडराया खतरा, दरकने लगे दीवारों के पत्थर

तलवास के जागरुक युवाओं ने दीवारों के दरकते पत्थरों और पर्यटकों की सुरक्षा पर चिंता जताई

बून्दी, (निसं)। तलवास के ऐतिहासिक अजीतगढ़ किले के मुख्य दरवाजे की दीवार गिरने का खतरा मंडराने लगा है। तलवास के जागरुक युवाओं ने दीवारों के दरकते पत्थरों और आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि वन विभाग द्वारा ट्रैकिंग के लिए बनाए गए कच्चे रास्ते का निर्माण किले के मुख्य दरवाजे से होकर न किया जाकर प्राचीन पत्थर के परकोटे से होकर किया गया है।

युवाओं ने बताया कि ट्रैकिंग हेतु कच्चे रास्ते के निर्माण करते समय लापरवाही पूर्वक जेसीबी के किए गए उपयोग से किले की दीवार की जड़ें न सिर्फ कमजोर हुई हैं अपितु मशीन के कंपन से दीवारों के कमजोर होने से इसके गिरने का खतरा बढ़ गया है। इन्होंने कहा कि ट्रैकिंग रूट में मुख्य दरवाजे का उपयोग नहीं होने से यह ऐतिहासिक दरवाजा भी अनुपयोगी हो गया है।

तलवास के युवा सूर्यकुमार पंचौली, सांवरा बिहारी जोशी, शम्भू बाबरिया, मुरली नागर, चंद्रशेखर तिवाडी, ऐश्वर्य शर्मा, अक्षय शर्मा, शिवम, आनंद शर्मा, देवराज गोचर ने बारिश में पानी के रिसाव व बहाव के कारण होने वाले हादसे की संभावना जताते हुए इस पर चिंता जताई और जिला कलेक्टर सहित वन विभाग के उच्चाधिकारियों से जल्द से जल्द इस विषय पर आवश्यक रूप से ठोस कार्यवाही करने की माँग की है। इन्होंने कहा कि बारिश में पानी के रिसाव व बहाव के कारण होने वाले किसी भी हादसे की सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन सहित वन विभाग के सभी अधिकारियों की होगी।

आरवीओआर के उप क्षेत्र निदेशक संजीव शर्मा ने बताया कि पूर्व में भी ट्रैकिंग रूट के निर्माण के समय संबंधित रेंजर को किले की दिवार की मरम्मत के प्रस्ताव तैयार करवने को कहा गया था। उनके द्वारा प्रस्ताव भिजवाए जाते उसके पहले ही उनका स्थानान्तरण हो गया। ऐसे में पुनः दीवार की मरममत के प्रस्ताव मंगवाए गए हैं। जल्दी ही बारिश के बाद रिटेनिंग वॉल का निर्माण करवा कर किले की दीवारों की मरममत करवाई जाएगी।

मशीन के कंपन से किले की दीवारों के कमजोर होने से इसके गिरने का खतरा बढ़ गया है।

लावारिस बालक को संप्रेषण गृह भिजवाया

चूरू, (कासं)। चाइल्ड हेल्प लाइन की चूरू टीम ने शनिवार को दिल्ली से बीकानेर जाने वाली एक्सप्रेस सवारी गाड़ी में बिना टिकट और लावारिस हालत में मिले नाबालिग बालक को संप्रेषण गृह भिजवाया।

जिला परियोजना अधिकारी पन्नेसिंह ने बताया कि दिल्ली से बीकानेर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन में सहायक उप निरीक्षक राजेश कुमार व सुमंत कुमार को गाड़ी को चेक करने के दौरान साधारण कोच में लगभग 14 वर्षीय बालक गुमसुम हालत में बैठा मिला। रेलवे पुलिस प्रभारी ने बालक को रेलवे चौकी लाकर चाइल्ड हेल्प लाइन टीम को सूचना दी। चाइल्ड हेल्पलाइन की चूरू टीम ने रेलवे पुलिस चौकी पहुंचकर बालक को चाइल्ड हेल्प लाइन को सुपुर्द किया। काउंसलर वर्षा कंवर द्वारा बातचीत करने पर बालक ने बताया कि उसका नाम लोकेश डांगी है। वह उदयपुर जिले के आंजना गांव का रहने वाला है। उसके पिता का नाम प्रकाशचंद डांगी व माता का नाम केशर बाई है। बालक ने बताया कि वह दो तीन दिन से स्कूल नहीं जा रहा था। घर से स्कूल बैग और साइकिल लेकर निकल जाता था। यह सूचना स्कूल प्रिंसिपल ने घर वालों को दी तो इस बात का पता चलने पर वह भय के कारण घर से निकल गया।

शिक्षा विभाग की नई व्यवस्था, अब राजस्थान के हर स्कूल की प्रोफाइल बनेगी

बीकानेर, (निसं)। प्रत्येक सरकारी स्कूल की शाला दर्पण पोर्टल पर प्रोफाइल तैयार की जाएगी। इस प्रोफाइल पर स्कूल संबंधित सभी प्रकार के डाटा ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक बीकानेर आशीष मोदी ने सभी सीडीइओ, डीइओ, सीबीईओ व संस्था प्रधानों को एक परिपत्र जारी कर निर्देशित किया है। परिपत्र में शाला दर्पण पोर्टल के डाटा के समुचित उपयोग करने के बाद विद्यालय प्रोफाइल के प्रत्येक भाग में लास्ट अपडेट डाटा आवश्यक रूप से अंकित करने को कहा गया है।

शिक्षा विभाग के अनुसार बेसिक प्रोफाइल के अन्तर्गत विद्यालय का नाम, भौगोलिक जानकारी, माध्यम, बोर्ड मान्यता क्रमांक, लोकसभा, विधानसभा, भौगोलिक सूचना, तृतीय भाषा, संचालित संकाय एवं विषय इत्यादि की सूचना अपलोड करनी होगी। सह शैक्षणिक गतिविधियों के तहत संस्था प्रधान, शाला दर्पण प्रभारी का विवरण सहित विद्यालय में संचालित एनसीसी, गाइड, स्काउट, बुलबुल, मीना मंच, यूथ एवं इको क्लब, बाल संसद के संचालन आदि की जानकारी दर्ज करनी होगी। क्रमोन्नति संबंधित जानकारी में क्रमोन्नति का वर्ष, क्रमोन्नति क्रमांक एवं क्रमोन्नति का माध्यम आदि की जानकारी अपलोड की जाएगी। विद्यालय के पास या अन्य विद्यालयों का विवरण और उसकी दूरी आदि का विवरण भी दर्ज करना होगा।

शिक्षा विभाग श्रीगंगानगर सीडीइओ पन्नालाल कड़ेला ने कहा शिक्षा विभाग अब हर सरकारी स्कूल की शाला दर्पण पोर्टल पर एक प्रोफाइल तैयार करवा रहा है। इसमें हर स्कूल का डाटा मिलेगा। विभाग की गाइड लाइन के अनुसार इस पर कार्य चल रहा है। निकटतम अन्य नागरिक सेवा संस्थानों आदि की सूचना भी दर्ज करनी होगी।

राशिफल रविवार 4 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र दिन 1:26 तक, सिद्धि योग दिन 10:38 तक, नाग करण सायं 4:43 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और रविपुष्य योग सूर्योदय से दिन 1:26 तक है। आज देव पितृकार्य अमावस्या, हरियाली अमावस्या, चितलगी अमावस्या है। आज सरान माधुरी जयन्ती है और नक्त व्रत आरम्भ होंगे। आज फ्रेंडशिप डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:36 से 9:15 तक, लाभ-अमृत 9:15 से 12:33 तक, शुभ 2:14 से 3:51 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:57, सूर्यास्त 7:09

मेष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से संपर्क हो सकता है और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

सिंह
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

विद्यार्थियों की समस्याओं और उनके निराकरण पर मंथन हुआ

कोटा में शिक्षा के महोत्सव कार्यक्रम को नितिन विजय ने संबोधित किया।

कोटा, (निसं)। मोशन एजुकेशन के संस्थापक ओर सीईओ नितिन विजय ने कहा कि शिक्षा ही बदलाव का जरिया है। यदि जिंदगी को अपग्रेड करना है तो पढ़ते रहो और आगे बढ़ते रहो। वे शनिवार को शिक्षा का महा-उत्सव के दौरान संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मोशन के शिक्षकों ने विद्यार्थियों की समस्याओं ओर उनके निराकरण पर मंथन किया।

नितिन विजय ने कहा कि ज्ञान होना और उस जानकारी को बच्चों को समझा पाना, दो अलग-अलग बातें हैं। इसलिए जरूरी नहीं कि ज्यादा ज्ञानी अच्छा भी शिक्षक होगा। इसलिए टीचर्स को सरल, स्पष्ट और सरस होना पड़ेगा। बच्चों से कनेक्ट होकर रिश्ता बनाना पड़ेगा। मोटीवेटर, बड़ा भाई या दोस्त बनना पड़ेगा। शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है, इसके अनुरूप हमें भी बदलना है और हम बदल भी रहे हैं। इसीलिए आज मोशन एजुकेशन मिनिमम प्राइज प्वाइंट पर क्वालिटी और कस्टमाइज एजुकेशन के लिए जाना जाता है। उन्होंने फेकल्टीज को सलाह दी कि इसके लिए हमको विद्यार्थी बने रहकर लगातार सीखते रहना होगा। अपने व्यक्तित्व को विराट बनाने के लिए पुस्तकों, ऑडियो बुक्स और यू-ट्यूब, जहां से भी सीखने को मिले, सीखते रहो। उन्होंने कहा कि यह विश्वास और निरंतर उत्कृष्टता की खोज का उत्सव है। शिक्षा का महा-उत्सव 15 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान मोशन के विभिन्न ऑनलाइन कोर्सेज और टेस्ट सीरीज आदि पर 80 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

शिक्षा का महा-उत्सव के तहत शनिवार को ऑन लाइन बनाम ऑफ़ लाइन पढ़ाई, लाइव क्लास बनाम रिकॉर्डेड लेक्चर, अर्ली स्टार्ट बनाम ड्राप लेकर तैयारी, डाउट काउंटर बनाम वीडियो सोल्यूशन, मॉड्यूल बनाम बुक्स से पढ़ाई, इंजीनियर बनाम डॉक्टर का करियर सहित टेस्ट और एक्जाम की तैयारी से जुड़े दस विषयों पर संस्थान के शिक्षाविदों के बीच खुली डिबेट हुई।

इसमें ज्वाइंट डायरेक्टर रामरतन द्विवेदी, अमित वर्मा, डायरेक्टर डॉ. स्वाति विजय, डिप्टी डायरेक्टर निखिल श्रीवास्तव, डॉ. आशीष माहेश्वरी, आशीष बाजपेई, जितेंद्र चांदवानी, ललित विजय सहित अन्य सीनियर सीनियर फैकल्टी ने भाग लिया। विजेताओं को मोशन एजुकेशन के अध्यक्ष सुरेंद्र विजय और डायरेक्टर सुशीला विजय ने पुरस्कार दिए। शिक्षा का महा-उत्सव में हुए मंथन को रविवार शाम 6.30 बजे से मोशन एजुकेशन और एनवी सर के सोशल मीडिया हैंडल्स पर देखा जा सकेगा।

पारिवारिक परंपरा को निभाते हुए नेत्रदान करवाया

कोटा, (निसं)। बालिता रोड 54 वर्षीय निवासी मुकेश जैन का निधन हृदय गति रुक जाने से न्यू मेडिकल कॉलेज कोटा में हो गया। परिवार में नेत्रदान की परंपरा रही थी। पूर्व में मुकेश जैन के पिता सागरमल जैन, माता कांता जैन का भी नेत्रदान सम्पन्न हुआ था। इसी नेत्रदान की परंपरा को निभाते हुए जैन सोशल ग्रुप चंबल सिटी के सचिव मनोज जैन ने मुकेश जैन की पत्नी शर्मिला जैन से नेत्रदान की सहमति प्राप्त की। सहमति मिलते ही मनोज जैन ने तुरंत सूचना मेडिकल कॉलेज के नेत्रदान सलाहकार भूपेंद्र सिंह हाड़ा को दी। सूचना पर नेत्र विभाग के डॉ कमलेश कुमार मीणा, नेत्रदान सलाहकार भूपेंद्र सिंह हाड़ा, नेत्रदान टेक्नीशियन हेमंत यादव ने उनके स्व निवास पहुंचकर नेत्र संकलित किये।

पार्श्वगायक किशोर कुमार का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जायेगा

कोटा, (निसं)। कोटा में किशोर कुमार के अनगिनत चाहने वाले उनके प्रसंशक हैं, जो उनके जन्मदिवस को हर बार यादगार बनाते हैं। इस बार भी कोटा में बॉलीवुड की फिल्मों में अपनी आवाज का जादू चलाने वाले किशोर कुमार के गीतों से शाम रंगीन होगी। रविवार को उनका 96वां जन्मदिवस कोटा में धूमधाम के साथ उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा।

मुख्य संयोजक व किशोर कुमार के प्रसंशक पूर्व मेला समिति अध्यक्ष सुनील जैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागरिक सहकारी बैंक के चेयरमैन राजेश बिरला होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष व मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी, नेता प्रतिपक्ष कोटा उत्तर लव शर्मा, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन, डॉ. एमएल अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। सुनील जैन ने बताया कि किशोर कुमार के जन्मदिवस पर हर बार कुछ नया करने का प्रयास किया जाता है। इस बार मुम्बई के जाने माने रॉक स्टार, के. फॉर किशोर फेम चिंतन बाकीवाला कोटा आ रहे हैं जो अपने मधुर गीतों से शाम को और भी हंसीन बना देंगे।

उन्होंने कहा कि बाकीवाला की आवाज किशोर कुमार की याद को ताजा कर देती है। सैकड़ों लोगों में से बाकीवाला को चुना गया था जिनकी आवाज हुबहु किशोर की तरह है। चिंतन बाकीवाला किशोर कुमार के रोमांटिक, सदा बहार गीत, उनके हिट गीत, दर्द भरे गीत गाएंगे। संयोजक जगदीश अग्रवाल चूनेवाला, अमित बंसल ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के पास स्थित यूआईटी ऑडिटोरियम बालाजी नगर में सायं 7.30 बजे यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रवेश निशुल्क रहेगा। संगीत प्रेमी इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद ले सकते हैं। इस कार्यक्रम में कोटा के स्थानीय कलाकार भी अपनी प्रस्तुति से किशोर कुमार को याद करेंगे।

कोटा कलाकार सोसायटी के अध्यक्ष हरीश महावर ने बताया कि इस अवसर पर किशोर कुमार की याद में उनके हंसीन लम्हों को भी गुनगुनाया जाएगा। मुख्य संयोजक सुनील जैन ने बताया कि कोटा के स्थानीय कलाकार अमित बंसल, सुनील जैन, ऋतु जोशी, कृष्णा विजयवर्गीय, मौसमी अधिकारी, प्रभजोत, अभिषेक गोयल, केएल ग्वालानी सहित अन्य कलाकार भी किशोर कुमार के गीतों से शाम को चार चांद लगाएंगे।

होलसेल बाजारों में चोरों का आतंक, दुकान के ताले तोड़ने की कोशिश

कोटा, (निसं)।पूरे हाड़ौती संभाग का प्रतिनिधित्व करने वाले पुराने होलसेल बाजारों में काफी लंबे समय से चोरों, डकैतो, नशेड़ियों, जेबकटो, अतिक्रमणकारियों, वाहन चोरों का आतंक फैला हुआ है। आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही है। जिसकी जानकारी संभाग अध्यक्ष पंकज बागड़ी लगातार प्रशासन को दे रहे हैं।

अपराधियों को किसी प्रकार का भय नहीं है। व्यापारी इससे काफी आक्रोशित है एवं घर जाते समय तो सुरक्षित घर पहुंचने की चिंता एवं जाने के बाद रात भर उन्हें चिंता सताती है कि सुबह दुकान सुरक्षित मिलेगी या नहीं। इसी क्रम में शनिवार को पुरानी सब्जी मंडी नागपाल हार्डवेयर के सामने जेएमडी कलेक्शन जिसके मालिक राजेश मोदी सवेरे जब अपने रेडीमेड कपड़ों की दुकान पर दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने पाया कि उनका शटर दो जगह से टूटा हुआ है एवं ताले को चोट पहुंची हुई है। इसके बाद उन्होंने इस घटना की जानकारी आसपास के व्यापारियों को दी। सभी व्यापारियों ने मिलकर होलसेल व्यापार महासंघ संभाग अध्यक्ष पंकज बागड़ी एवं पुरानी सब्जीमंडी व्यापार संघ अध्यक्ष पवन दुआ से संपर्क किया। सूचना मिलने पर पंकज बागड़ी एवं पवन दुआ, हेमराज शर्मा अपनी कार्यकारिणी के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं उसकी जानकारी डिप्टी सीईओ थर्ड एवं केथूनीपौल थाना अधिकारी को घटना की सूचना दी। सूचना के बाद व्यापारी ने इसकी रिपोर्ट कैथूनीपौल थाने में दर्ज करवाई जिस पर अधिकारियों द्वारा कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। संभाग अध्यक्ष पंकज बागड़ी ने बताया कि इस तरह की घटनाएं लगभग आए दिन हो रही है एवं व्यापारी भयभीत एवं आक्रोशीत है। प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। घटनाएं होती है, व्यापारी को नुकसान होता है कुछ घटनाओं में चोर पकड़े गए परंतु व्यापारी के नुकसान की भरपाई नहीं हो पाई। पुलिस प्रशासन को चाहिए की चोरी का माल खरीदने वाले व्यापारी से पीड़ित व्यापारी को नुकसान की भरपाई दिलवाई जाए एवं चोरी का माल खरीदने वाले व्यापारी को उचित दंड दिया जाए जिससे अपराधों की पुनरावृत्ति पर रोक हो ऐसी व्यवस्था होना अति आवश्यक है। इस अवसर पर होलसेल शास्त्री मार्केट व्यापार संघ उपाध्यक्ष चिमन जैसवानी, सचिव रमेश राय, पुरानी सब्जी मंडी व्यापार संघ अध्यक्ष पवन दुआ, महामंत्री जगदीश बबलानी, विनय दयानी कोषाध्यक्ष राजेंद्र माखीजा उपाध्यक्ष नरेश सुखवानी सांस्कृतीक मंत्री सुरेश साधवानी आदि पीड़ित व्यापारी के साथ उपस्थित रहे।

संदीप शर्मा राज्य वन्य जीव मण्डल में सदस्य मनोनीत

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा विधायक संदीप शर्मा को राज्य वन्य जीव मण्डल का सदस्य मनोनीत किया गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (वन) द्वारा इस आशय के आदेश जारी किये गये। विधायक शर्मा लम्बे समय से वन्य जीवों की समस्याओं को सदन में उठाते रहे हैं और उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किये हैं, इसलिए उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है। यह बोर्ड वन्यजीवों के संरक्षण के लिए नीति निर्माण के साथ ही पारिस्थितिकी संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करता है साथ ही वनों में निवास करने आदिवासियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ ही वन्य जीव सुरक्षा का सामंजस्य भी स्थापित करता है। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में वन्य जीवों के संरक्षण के साथ ही वन पर्यटन के विकास के लिए प्रयास करेंगे।

दो जनरल कोच बढ़ाये

कोटा, (निसं)। रेल प्रसाशन ने कोटा होकर जाने वाली गाड़ी संख्या 22673/22674 भगत की कोठी-मन्नारगुडी-भगत की कोठी एक्सप्रेस में मन्नारगुड़ी से 9 दिसम्बर से एवं भगत की कोठी से 12 दिसम्बर को से 2 थर्ड एसी के स्थान पर 02 जनरल कोच की बढ़ोत्तरी की जा रही है। अब इस गाड़ी में उक्त तिथी से वातानुकूलित ट्री टियर 7 कोच, वातानुकूलित टू टियर 2 कोच, स्लीपर 7 कोच, सामान्य श्रेणी 4 कोच तथा 2 पावरकार सहित कुल 22 एलएचबी कोच होंगे।

सार-समाचार

इरशाद अली मुस्लिम राष्ट्रीय मंच में प्रदेश सह संयोजक नियुक्त

कोटा, (निसं)। कोटा शहर में साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए वर्षों से कार्य कर रहे है इरशाद अली को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने राजस्थान प्रदेश सह संयोजक नियुक्त किया है। शनिवार को दिल्ली में आयोजित मंच की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में इसकी घोषणा की गई। इस अवसर पर इरशाद अली ने इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय संयोजक अबु बकर नकवी एवं रेशमा हुसैन का आभार व्यक्त कर उन्हें भरोसा दिलाया है कि जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है वे उस पर पूरी तरह खरा उतरेंगे और राष्ट्रीय अखण्डता के लिए साम्प्रदायिक सद्भाव कायम करने का जो काम मंच द्वारा किया जा रहा है उसे आगे बढ़ाया जायेगा। इरशाद अली को शुभकामनायें देते हुए मंच के राष्ट्रीय संयोजक अबु बकर नकवी एवं रेशमा हुसैन ने कहा है कि कुछ लोग पद पाकर गौरवान्वित होते हैं वहीं कुछ लोग अपनी कार्यशैली से पद को गौरवान्वित कर देते हैं, आपको दूसरी श्रेणी में आना है और इस पद की गरिमा बढ़ानी है। ज्ञात हो कि इरशाद अली वर्तमान में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संभाग संयोजक हैं तथा सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रिय रहते हैं। हिंदू मुस्लिम सद्भाव के लिए उनके द्वारा राम मंदिर के लिए मुस्लिम बस्तियों में दीया वितरण, भजन समारोह का आयोजन, हिंदू धार्मिक स्थलों का संरक्षण जैसे अनेक अनेक कार्य किये गये हैं।

पौष्टिक आहार के पैकेट वितरित

बून्दी (निसं)। विश्व स्तनपान सप्ताह के तीसरे दिन शनिवार को इनरव्हील क्लब द्वारा मदर मिल्क बैंक में नव माताओं को पौष्टिक आहार के पैकेट वितरित किए गए। साथ ही मिल्क बैंक में कार्यरत नर्सिंग कार्मिकों को भी क्लब की ओर से स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान किया गया। क्लब अध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा दीक्षित ने उपस्थित माताओं को दूध की उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मां का पहला दूध बच्चों के लिए अमृत के समान होता है इसे बेकार नहीं जाने दे। सभी माताएं अपने बच्चों को अपना पहला दूध जरूर पिलाएं जिससे बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और बच्चे का सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर क्लब की सभी सदस्यों ने मदर मिल्क बैंक का अवलोकन भी किया। इस दौरान सचिव गायत्री गुप्ता, प्रोजेक्ट डायरेक्टर रोहिणी हाडा, पवित्रा शर्मा सहित किरण शर्मा, सरबजीत कौर, मंजू जिंदल, पुष्पा चौधरी, श्यामलता शर्मा, अरुणा वैष्णव अंतिमा शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद रही। अंत में मदर मिल्क बैंक प्रभारी ममता अजमेरा ने आभार जताया।

शिविर में 56 यूनिट ब्लड डोनेट किया

कोटा, (निसं)। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रसिद्ध रेज़ोनेंस संस्थान के कोटा कैंपस में 3 अगस्त को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का आयोजन रेजोनेंस के एचआर और संसथान की स्टूडेंट केयर विंग रेज़ोकेयर के अंतर्गत एवं कोटा ब्लड बैंक सोसाइटी के सहयोग से किया गया। शिविर के अंदर संस्थान के फैकेल्टी मेंबर्स, मैनेजमेंट के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया एवं रक्तदान करके समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व के निर्वहन हेतु एक प्रयास किया। उपरोक्त सभी के सहयोग से इस शिविर में 56 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इस रक्तदान शिविर के अवसर पर संस्थान के वाईस प्रेजिडेंट कीर्ति सिंह सोनगरा ने कहा कि रेजोनेंस सदैव समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने में अग्रणी रहा है एवं आगे भी एचआर और रेज़ोकेयर के बैनर तले ऐसे कई प्रकार के सकारात्मक आयोजन करता रहेगा। आयोजन के समापन पर उपस्थित स्वयंसेवकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार केबीएस हाड़ा का निधन

कोटा, (निसं)। वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण बलदेव सिंह हाड़ा का शुक्रवार शाम जोधपुर में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को अपरान्ह कोटा के छावनी स्थित श्मशान पर किया गया। हाड़ा की पार्थिव देह को उनके पुत्र देवव्रत सिंह ने मुखाग्नि दी। उल्लेखनीय है कि स्व. हाड़ा ने कोटा के पत्रकार जगत में चार दशकों तक अपनी सेवाएँ दी। वह राजस्थान पत्रिका, जननायक और समाचार एजेंसी यूएनआई में कार्यरत रहे। हाड़ा के अंतिम संस्कार में ग्रेटर कोटा प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुनील माथुर, महासचिव अनिल भारद्वाज, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष प्रद्युम्न शर्मा, धीरज गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र राहुल, पुरुषोत्तम पंचोली, केएल जैन, जनार्दन गुप्ता, सुबोध जैन, ब्रिजेंद्र सिंह झाला, जितेंद्र शर्मा, जेपी सिंह, योगेश सेन आदि ने उपस्थित होकर अंतिम विदाई दी। डॉ सुधीर गुप्ता, नरेश हाड़ा, बनवारी यदुवंशी, प्रियंक जैन आदि भी इस दौरान उपस्थित रहे।

'स्तनपान शिशु और मां के लिए अनमोल'

छबड़ा (निसं)। आंगनबाडी केंद्र बड़ोदिया पर संस्कार सेवा संस्थान बारां तथा आईपी ग्लोबल के संयुक्त तत्वावधान में विश्व स्तनपान दिवस मनाया गया। पोषण चैंपियन मोहम्मद इरफान ने मां का दूध नवजात शिशु के लिए सबसे सर्वोत्तम बताया। वही कहा कि स्तनपान शिशु को सभी आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है जो उनके विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। शिशु के पाचन तंत्र के लिए स्तन का दूध आसानी से पचने योग्य होता है। कविता चौधरी के अनुसार इस सप्ताह को मनाने का मकसद स्तनपान के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर आसिफ मोहम्मद ने स्तनपान के बारे में महिलाओ को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान आशा सहयोगिनी सलोचना मीणा, सहायिका गीता सेन सहित महिलाएं मौजूद रही।

कार्यशाला आयोजित

बून्दी (निसं)। समग्र शिक्षा बूंदी एवं ग्राम राज विकास प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय क्वालिटी एजुकेशन प्रोग्राम आधारित शैक्षिक कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर सत्यनारायण वर्मा एवं सहायक मास्टर ट्रेनर चतुर्भुज अछेरिया द्वारा भाषा शिक्षण की विधियों, भाषा शिक्षण के सिद्धांत, नवाचारों युक्त शिक्षण गतिविधियों एवं गणित की बुनियादी दक्षता पर विस्तार से चर्चा परिचर्चा करते हुए टीचिंग सहायक सामग्री तैयार करायी गयी।

गुटखा खाने से टोका तो सुरक्षाकर्मी के चाकू मारे

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल परिसर के सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक (एसएसबी) में तीन सुरक्षा कर्मियों को कुछ लड़कों को गुटखा खाने से रोकना महंगा पड़ गया। बदमाश लड़कों ने सुरक्षाकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया। इससे एक सुरक्षा कर्मी की हालत गंभीर है। जबकि दो अन्य चोटिल हुए हैं।

मामला शनिवार सुबह का है। घटना के बाद महावीर नगर थाना व मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल परिसर स्थित पुलिस चौकी का जाप्ता मौके पर पहुंचा। घायलों को नए अस्पताल की इमरजेंसी में उपचार के लिए ले जाया गया। दूसरी तरफ मेडिकल कॉलेज प्रशासन भी मौके पर पहुंच गया। सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक (एसएसबी) के सिक्योरिटी इंचार्ज रेख सिंह का कहना है कि शनिवार सुबह 6.30 से 6.45 के बीच घटना है। एसएसबी के गेट पर रामकरण नामक सिक्योरिटी गार्ड ड्यूटी कर रहा था। इस दौरान चार लड़के बाहर बैठकर गुटखा खा रहे थे उसने इन्हें गुटखा खाकर अंदर जाने से रोका था। इससे नाराज होकर चारों लड़कों ने गार्ड रामकरण पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। उसकी चीखने की आवाज सुनकर दूसरे सिक्योरिटी गार्ड शिव सिंह और सुरेंद्र भी मौके पर पहुंचे। बदमाश लड़कों ने उन पर भी हमला कर दिया। इसके बाद चारों वहां से भाग गए।

सिक्योरिटी इंचार्ज रेख सिंह ने बताया कि इलाज के लिए इन्हें नए अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर गए। वहां रामकरण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अभी ये पता नहीं चला है कि ये लड़के किसी मरीज के साथ आए थे या ऐसे ही बार बैठे हुए थे। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की अधीक्षक डॉ आरपी मीणा ने सुरक्षा कर्मियों के उपचार की तुरंत व्यवस्था करवाई। उनका कहना है कि एक गार्ड के छाती में चाकू लगे है। उसकी हालत गंभीर है। दूसरी तरफ सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक के अधीक्षक डॉ. नीलेश जैन भी मौके पर पहुंच गए।

भाजपा कार्यसमिति की बैठक हुई

छबड़ा (निसं)। कस्बे के भाजपा कार्यालय पर सेमली मण्डल की कार्यसमिति की बैठक षनिवार को जिला प्रभारी राधेश्याम सिरोहिया, सहप्रभारी मुकेश मिश्रा के सानिध्य व वरिष्ठ नेता हिम्मतसिंह सिंघवी एवं मण्डल अध्यक्ष अशोक गौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पार्टी कार्यकर्ता आपस में मिलकर कार्य करें और सरकार द्वारा चला जा रही जन कल्याण कारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने में मदद करें। बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूती प्रदान करें। हर बूथ पर बूथ के कार्यकर्ताओं की बैठकें आयोजित हों। वर्तमान में केंद्र एवं राज्य में भाजपा की सरकारें है, ऐसे में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

श्री श्याम मित्र मंडल संस्था के श्री श्याम झूला महोत्सव का आयोजन

- 'भक्तों के झूले में श्री श्याम बैठे हैं'
- 'कोई सार नहीं है संसार में सब कुछ है सावरें के प्यार में'

कोटा, (निसं)। श्री श्याम मित्र मंडल संस्था के श्री श्याम झूला महोत्सव का आयोजन नयापुरा स्थित स्पोर्ट्स कांपलेक्स में किया गया, जहाँ पर श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का का अत्यंत मनोरम दरबार सजाया गया। पूरा पांडाल फूलों से सजाया गया एवं बाबा को विशेष रूप से झूले पर विराजमान किया गया। श्रृंगार दिल्ली एवं कोलकाता से मंगाएँ विशेष फूलों से किया गया।

अध्यक्ष सुरेन्द्र गोयल ने बताया झूला महोत्सव में अपने भजनों से भक्तों को भक्ति में सराबोर करने के लिए प्रख्यात भजन गायिका जयपुर से रजनी राजस्थानी एवं भजन गायक देई से राजेन्द्र अग्रवाल को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने अपने सावन व झूला महोत्सव के विशेष भजनों से सभी प्रेमियों को आनंदित कर दिया। महासचिव राजेश चौधरी ने बताया कि सर्वप्रथम भजन अमृत वर्षा कि गई, श्री मित्र मंडल संस्था के ही सेवा भावी गायकों द्वारा जिसमें अमित शर्मा, राजेन्द्र पारिक, चंद्रमोहन गर्ग, दिलीप गोयल, भंवर सिंह, वंदना शर्मा, सुश्री रिद्धि भरावा, निहारिका सोनी एवं आकाश मलकानी ने अपने अपने भजनों से श्री श्याम प्रभु के चरणों में अपनी भजन अर्जी लगाई। कोषाध्यक्ष महेन्द्र मंसाका ने बताया की स्थानीय भजन गायकों के पश्चात देई से आमंत्रित राजेन्द्र अग्रवाल ने अपने मीठे-मीठे भजनों से बाबा को रिझाया एवं भक्तों को झूमाया।

उन्होंने अपना प्रसिद्ध भजन कोई सार नही है संसार में सब कुछ है सावरें के प्यार में, कब आयेगा मेरा सांवरियों एवं श्री श्याम प्रभु को अपने भजन के माध्यम से झूला झूलाने के लिए विशेष डलवाया झूला हमने लखदातार के लिए गाया जिस पर सभी पांडाल में मौजूद भक्तजन झूमने लगे। मंडल संयोजक कमल अग्रवाल ने बताया की अंत में श्री श्याम प्रभु को अपने भजनों से रिझाने आयीं जयपुर से आई रजनी राजस्थानी ने चिरपरिचित अंदाज में अपने भजनों की श्रंखला को प्रारंभ किया जिसमें सर्वप्रथम झूला उत्सव से संबंधित भक्तों के झूले में श्री श्याम बैठे है गाया तत्पश्चात सावन का महिना रिमझिम बरसे पानी, खाटू से चलकर आया देखो शीश का दानीश, मेरा बाबा दौड़ा आयेगा एवं अन्य कई प्रसिद्ध भजन गाये एवं कुछ भजन श्याम प्रेमियों की डिंमाड पर भी गाये। रजनी राजस्थानी जब गा रही थी तो पूरा पांडाल भक्तों से खचाखच भरा हुआ था एवं सभी आंनदित हो भजन रस सरिता में गोते लगा रहे थे।

पश्चिम मध्य रेल

मुख्य कारखाना प्रबंधक,
माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, कोटा
निविदा सं:M-324-2-6-Stripping-06
दिनांक: 01.08.2024

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मु.का.प्र., माल डिब्बा मरम्मत कारखाना कोटा निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा आमंत्रित करते है। टेण्डर सं. M-324-2-6-Stripping-06, कार्य का विवरण:"माल डिब्बा मरम्मत कारखाना कोटा प.म.रे. के परिसर में 24 माह की अवधि हेतु माइल्ड स्टील और स्टेनलेस स्टील वैगनों में कटिंग एवं स्ट्रिपिंग का कार्य।", अनुमानित लागत(रू.में): 4,25,37,534.72/-, निविदा प्रपत्र राशि(रू. में): निल, बयाना राशि(रू.में): 3,62,700.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 माह, निविदा बंद व खुलने का समय व तारीख: बंद 11.30 बजे दिनांक: 31.08.2024 एवं खोला जाएगा 12:00 बजे दिनांक: 31.08.2024। ई-निविदा वेबसाइट www.ireps. gov.in पर अपलोड कर दी गई है तथा विवरण मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय कोटा के प्रगति अनुभाग के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। ऑफर सिर्फ ई निविदा के माध्यम से इसी वेबसाइट पर स्वीकार किये जायेगें। इस निविदा के लिये मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे। यदि ऐसा कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी.-II, पमरे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दिल्ली में रहकर भी दिल कोटा-बून्दी में ही रहता है : बिरला

- 'हम सभी मिलकर संसदीय क्षेत्र में विकास को नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे'

कोटा, (निसं)। कोटा-बून्दी की जनता मेरे लिए मेरा परिवार है। एक छोटे से कार्यकर्ता को आपने जो आशीर्वाद दिया उसका ऋण कभी नहीं उतारा जा सकता। है। आपके आशीर्वाद से ही एक बार फिर बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

मेरे जीवन का प्रत्येक क्षण मेरे इसी परिवार की सेवा में समर्पित है। संवैधानिक जिम्मेदारियों के कारण मैं दिल्ली में जरूर रहता हूं लेकिन मेरा दिल हमेशा कोटा-बून्दी में ही रहता है। देवतुल्य जनता ने मुझ पर जिस आशा और आकांक्षाओं के साथ भरोसा जताया है, मेरा दायित्व है कि मैं उस पर खरा उतर सकूं। हम सभी मिलकर संसदीय क्षेत्र में विकास को नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे और प्रत्येक जन समान्य के जीवन को बदलने का काम करेंगे। कोटा ग्रेन एंड सीड्स मर्चेंट एसोसिएशन की ओर से भामाशाह मंडी प्रांगण में आयोजित अभिनन्दन समारोह को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह बात अपने संबोधन में कही।

देश की सबसे बड़ी मंडियों में शुमार सेठ भामाशाह मंडी का प्रांगण शनिवार को अपनत्व और उल्लास के रंग में रंगा नजर आया। लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था के अध्यक्ष और कोटा-बून्दी की माटी के अपने बेटे औऱ भाई के स्वागत के लिए शहर भर की 300 से अधिक संस्थाओं और संगठनों ने पलक पावड़े बिछा दिए। मंडी प्रांगण के मुख्य द्वार से कार्यक्रम स्थल तक 2 किमी की दूरी के बीच एक घंटे तक बिरला का पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत हुआ। विशेष बग्गी में सवार स्पीकर बिरला ने पूरे मार्ग में सभी का अभिवादन स्वीकार किया। स्वागतकर्ताओं ने पूरे रूट में 300 से अधिक से अधिक स्वागत द्वार बनाए थे। ढोल-ढमाके और बैंड के साथ स्वागत रैली आगे बढती रही। कई स्थानों पर आतिशबाजी भी की जाती रही।

बैठक हुई

बून्दी (निसं)। अखिल भारतीय आदिवासी महिला विकास परिषद बूंदी की बैठक प्रदेश उपाध्यक्ष पार्वती मीणा की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने पर चर्चा की गई। इस दौरान आयोजन पर चर्चा करते हुए प्रकृति की रक्षा हेतु पौधरोपण करने आदि कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/1669 विज्ञप्ति दिनांक:-19.7.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम देवली अरब योजना उज्जवल विहार खसरा नं. 41 में स्थित भूखंड संख्या ए-31/1 के नाम हस्तांतरण करने हेतु न्यास कार्यालय में गिरिराज शर्मा पुत्र श्री मगन लाल शर्मा निवासी तिलक स्कूल रोड कृष्णा नगर कोटा रोड बारां जिला बारां राज. द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 632 दिनांक 12.01.2016 को मोबिना बानो पुत्र श्री अब्दुल नासिर के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टेधारी द्वारा उक्त भूखंड का बेचान जर्ये पंजीकृत मुख्तार आम श्रीमती सन्तरा देवी अग्रवाल पत्नी श्री प्रहलाद राय अग्रवाल द्वारा जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 29.05.2024 को श्री गिरिराज शर्मा पुत्र श्री मगन लाल शर्मा को कर दिया गया है।

अत: श्री गिरिराज शर्मा पुत्र श्री मगन लाल शर्मा के नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

'सड़कों पर हर पोल पर रोशनी बिखरेगी'

नगर पालिका अध्यक्ष मधु कंवर ने बप्पा रावल चौराहा से रावतभाटा के मुख्य बाजारों का निरीक्षण किया।

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा नगर पालिका अध्यक्ष मधु कंवर हाडा ने शनिवार को चारभुजा बप्पा रावल चौराया से रावतभाटा के मुख्य बाजारों का निरीक्षण किया और जहां भी सड़कों के खंभों पर रोड लाइट खराब थी उन्हें बदलने के निर्देश दिए।

नगर पालिका अध्यक्ष मधु कंवर हाडा ने बताया कि बरसात के समय में मेन रोड पर अंधेरा होने से दुर्घटना होने की संभावना रहती है। सड़कों पर जगह जगह जानवर बैठे रहते हैं उससे राहगीरों को रात के अंधेरे में निकलने में समस्या रहती है। नगर पालिका अध्यक्ष ने नगर पालिका बिजली विभाग के कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर बप्पा रावल चौराहे से एनटीसी चौराहा, बालाराम चौराहा, सिनेमा चौराहा, बुद्ध बिहार, नीचे बाजार से लगाकर सभी बजारों का निरीक्षण किया जहां भी जो लाइट खराब है उसे तुरन्त प्रभाव से ठीक कराया जाए जिससे बरसात के समय आम जन को समस्या नही हो। पूरा शहर रोशनी से जगमगाता रहे इसके निर्देश दिए गए। आमजन से भी अपील की को पोल पर लाइट बंद दिखे तो तुरन्त प्रभाव से स्थानीय पार्षद या लाइट सविदाकर्मी सन्नी गर्ग के मो नम्बर 97992 40514 पर सम्पर्क करे या हेल्प ला न नम्बर 9649101999 पर बंद लाइट के पोल नम्बर वॉट्सएप करे या कॉल कर सुचना दे। निरिक्षण के समय भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेंद्र सिंह हाडा, पार्षद प्रतिनिधि भंवर सिंह, रामबिलास लोधा, कमलेश, अमित सहित कई जनप्रतिनिधी मौजूद रहे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2024/7786 दिनांक: 02.08.24

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सत्यवती जादौन पत्नी स्व. श्री बलराज सिंह जादौन निवासी भूखंड संख्या 254 सुभाष नगर कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर सूरजपोल गुमानपुरा कोटा स्थित भूखंड क्षेत्रफल 13500 वर्गफुट में से 13367 वर्गफुट भाग एवं शेष 133 वर्गफुट भाग की छत का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। सूरजपोल गुमानपुरा कोटा स्थित भूखंड क्षेत्रफल 13500 वर्गफुट का आवंटन सिटी इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट डिपार्टमेन्ट कोटा (राजस्थान) द्वारा श्री बलवन्त सिंह पुत्र श्री सम्पूर्ण सिंह को किया गया। श्री बलवन्त सिंह ने उक्त भूखंड जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 28.11.1942 से श्री दूनीचंद पुत्र श्री भोला राम को विक्रय कर दिया। श्री दूनीचंद का देहावसान हो जाने के पश्चात श्री दूनीचंद की पत्नी श्रीमती सुभद्रा देवी ने जर्ये रजिस्टर्ड पत्र दिनांक 28.01.1953 से उक्त भूखंड की वसीयत श्री रमेश चन्द भारद्वाज पुत्र श्री दुनीचन्द भारद्वाज के नाम कर दी। श्रीमती सुभद्रा देवी का देहावसान दिनांक 21.12.1974 को हो जाने के पश्चात श्री रमेश चन्द भारद्वाज ने उक्त भूखंड में से एक भाग क्षेत्रफल 9'4"x14'3"=133 वर्गफुट भाग पर स्थित गोदाम बिना छत के अधिकार के जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 06.05.2002 से श्री मोती राम पुत्र श्री गंगा राम को विक्रय कर दिया। कार्यालय नगर निगम कोटा द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक ननिको/मुख्यालय जोन/भ.नि.अनु./2016/16941-43 दिनांक 04.03.2016 से सूरजपोल गुमानपुरा कोटा स्थित उक्त भूखंड क्षेत्रफल 13500 वर्गफुट में से 13367 वर्गफुट भाग एवं शेष 133 वर्गफुट भाग की छत का स्वामित्व नियमानुसार नगरीय कर में वृद्धि कर श्री रमेश चन्द भारद्वाज पुत्र श्री दुनीचन्द भारद्वाज के नाम हस्तांतरण किया गया। श्री रमेश चन्द भारद्वाज ने जर्ये रजिस्टर्ड मुख्तार नामा आम से श्री अनमोल भारद्वाज पुत्र श्री रमेश चन्द को उक्त भाग का मुख्तार आम नियुक्त कर दिया। श्री अनमोल भारद्वाज ने जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 24.10.2017 से उक्त भाग श्री बलराज सिंह जादौन पुत्र श्री लाल सिंह जादौन को विक्रय कर दिया। श्री बलराज सिंह जादौन का देहावसान दिनांक 23.04.2021 को हो जाने के उपरांत श्री बलराज सिंह जादौन के विधिक वारिसान श्री रचित सिंह जादौन पुत्र स्व. श्री बलराज सिंह जादौन एवं श्री दिव्यांशु सिंह जादौन पुत्र स्व. श्री बलराज सिंह जादौन ने जर्ये रजिस्टर्ड रिलीज डीड 08.11.2023 से उक्त भाग में से स्वयं का हक श्रीमती सत्यवती जादौन पत्नी स्व. श्री बलराज सिंह जादौन के पक्ष में त्याग दिया है। आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के आवेदित भाग का स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड के आवेदित भाग का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

गाय को बचाने के चक्कर में एसयूवी कार पलटी, चार लोगों की मौत

पांच लोग घायल, तीन को किशनगंज अस्पताल व दो को बारां जिला अस्पताल में भर्ती कराया

कोटा, (निसं)। बारां जिले के भंवरगढ़ से किशनगंज के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच जने घायल हो गए। मृतक और घायल एक एसयूवी बोलेरो में सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि इसमें गाड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

बताया जा रहा है कि नेशनल हाईवे-27 पर भंवरगढ़ से किशनगंज के बीच देर रात को ये भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। इसमें मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर रोहिताश कुमार सिंह तोमर और एसपी राजकुमार चौधरी ने भी जिला अस्पताल पहुंचकर हालात का जायजा लिया। मृतकों के शवों को मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया। घायलों को त्वरित उपचार के निर्देश दिए गए।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि एसयूवी में सवार होकर भंवरगढ़ से बारां की तरफ ये लोग

- **हादसा इतना भीषण था कि इसमें एसयूवी गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई**

आ रहे थे। भंवरगढ़ ढाबे के नजदीक हाईवे पर ही करीब 10.30 के आसपास इनकी एसयूवी के सामने अचानक से गोवंश आ गया। इसे बचाने का प्रयास चालक ने किया, लेकिन इसके चलते एसयूवी अनियंत्रित हो गई। इसके बाद पलटते हुए सड़क किनारे चली गई। सूचना मिलने पर नेशनल हाईवे की पेट्रोलिंग टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और इन्हें बारां जिला अस्पताल भेज दिया गया।

मृतकों में शाहबाद इलाके के रामपुर उपरेटी गांव निवासी लाखन सहरिया, फूलचंद सहरिया व हरिचंद मेहता और मध्य प्रदेश के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र निवासी राजू सहरिया शामिल हैं। जबकि दुर्घटना में पांच लोग भी बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। जिनमें से तीन का उपचार किशनगंज अस्पताल में करवाया जा रहा है जबकि दो को बारां जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। जानकारी के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले ही हाईवे पर बारां के नजदीक ही गोवंश सामने आ जाने के चलते दो बसों की भिड़ंत हो गई थी। इसमें भी एक बस के पलट जाने के चलते दो लोगों की मौत हुई थी व कुछ घायल हुए थे।

सूदखोरों से परेशान होकर अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

मृतक के बेटे ने दो लोगों पर ज्यादा ब्याज मांग कर परेशान करने का आरोप लगाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की पटेल नगर कॉलोनी में रहने वाले एक अधेड़ ने सूदखोरों से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मृतक के पुत्र बालसिंह भाटी ने बताया कि पिता देवी सिंह (62) ने भैरूलाल और बबलू नामक दो व्यक्तियों से ब्याज पर पैसा उधार लिया हुआ था, जो ब्याज चुकाने के बावजूद घर पर आकर आए दिन परेशान करते थे। करीब एक माह से चल रहे ब्याज माफियाओं के आतंक से परेशान होकर देवी सिंह ने अपने ही घर के सामने स्थित पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि बुजुर्ग के बेटे की रिपोर्ट पर सूदखोरों के खिलाफ खुदकुशी के लिए मजबूर करने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। मृतक के बेटे बाल सिंह ने बताया कि उसके पिता देवीसिंह को दो लोग बबलू सांसी और भैरू गुर्जर ज्यादा ब्याज मांग कर परेशान कर रहे थे और धमकियां दी जा रही थी। इन्हीं से परेशान

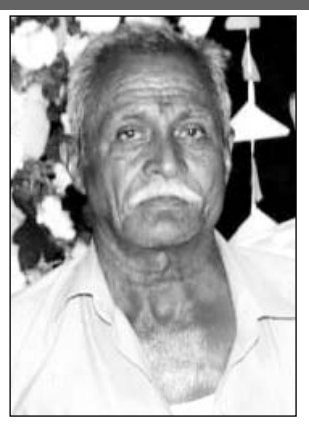

मृतक देवी सिंह।

होकर उसके पिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

प्रताप नगर थाना प्रभारी गजेंद्र नरूका ने बताया कि बाल सिंह की रिपोर्ट पर बबलू सांसी व भैरू गुर्जर के खिलाफ देवीसिंह को खुदकुशी के लिए मजबूर करने के का मामला दर्ज कर लिया है। बेटे बाल ने बताया कि उसके छोटे भाई की शादी के लिए पिता देवी सिंह ने आरोपित बबलू सांसी से एक लाख और भैरू गुर्जर से 50 हजार रुपये ब्याज पर उधार लिये थे। देवी सिंह ही इस राशि की किश्तें व ब्याज अदा कर रहे थे। बाल सिंह का कहना कि दोनों आरोपित देवी सिंह को ज्यादा ब्याज राशि मांग कर परेशान कर रहे थे। घटना के वक्त सुबह जब उसके पिता का शव फंदे से झूल रहा था, तब भी उनकी जेब में पड़े मोबाइल पर सूदखोर का फोन आ रहा था।

इस दौरान पुलिस भी मौजूद थी। परिजनों ने कॉल रिसीव किया। यह कॉल भैरूलाल गुर्जर का था और वह पैसे की ही मांग कर रहा था। वहीं सूदखोरी के आरोपित बबलु सांसी पर मृतक के बेटे बाल सिंह ने एक और आरोप लगाया कि उसके पिता की बाइक थी, जिसे भी आरोपित छीन ले गया था। यह बाइक आज तक उसने नहीं लौटाई। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए सभी आरोपी की जांच शुरू कर दी है।

कार-बोलेरो की भिड़ंत में एक की मौत, सात घायल

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गांव लसेड़ी के नजदीक शनिवार दोपहर को एक कार और बोलेरो जीप की हुई जबरदस्त भिड़ंत में

- **कार में सवार लोग अमृतसर पंजाब से श्याम बाबा के दर्शनों के लिए खाटूश्यामजी आ रहे थे**

घायल लोगों को एंबूलेंस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया।

कार चालक की मौत हो गई तथा सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घायलों में गंभीर एक महिला सहित दो लोगों को हिसार रैफर किया गया है।

सूचना मिलते ही एस.आई. सुरेंद्र सिंह मय पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे तथा सभी घायलों को दो एंबुलेंस से श्रीनाथ जी अस्पताल में भर्ती करवाया। कार में सवार लोग अमृतसर पंजाब से खाटूश्याम बाबा के दर्शन के लिए जा रहे थे, जबकि बोलेरो में सवार लोग राजगढ़ तहसील के गांव सूरतपुरा से गोठया बडी बैंक में केसीसी के लिए गांव जा रहे थे। जैसे ही हाईवे पर बोलेरो जीप पहुंची। इस दौरान सामने से कार आ गई और दोनों में भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में कार चालक रघु पुत्र राकेश अरोडा निवासी अमृतसर को चिकित्सकों ने गभीर हालत देखते हुए हिसार रेफर कर दिया था, लेकिन हिसार पहुंचने से पहले रास्ते में ही चालक ने दम तोड़ दिया।

एस.आई. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कार में सवार लोग अमृतसर पंजाब से खाटूश्याम बाबा के दर्शन के लिए जा रहे थे तथा कार को रघु अरोड़ा चला रहा था। कार में एक वर्षीय बालिका वाणी तथा कार चालक का छह वर्षीय पुत्र अगम अरोड़ा, नीतीश पुत्र जगदीश अरोड़ा, मीनाक्षी पत्नी नीतीश कुमार तथा कार चालक रघु की पत्नी कोमल गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बोलेरो जीप में तहसील गांव सूरतपुरा निवासी संजय पुत्र बजरंग नाई, कुलदीप पुत्र राजवीर जाट, मंजू पत्नी जगदीश जाट, मनीषा पत्नी कुलदीप जाट जीप में सवार होकर बैंक संबंधी काम के लिए गोठया बड़ी जा रहे थे। उन्होंने बताया कि सभी को गंभीर चोटें लगी है तथा मंजू पत्नी जगदीश व बोलेरो चालक संजय पुत्र बजरंग नाई को गंभीर चोट लगने के कारण हिसार रेफर किया गया है। देर शाम तक मामला दर्ज नहीं हुआ है।

ट्रक में घुसी एसयूवी कार, दो युवकों की मौत

पार्टी कर लौट रहे थे युवक, दो जने गंभीर रूप से घायल

कोटा, (निसं)। शहर के बाहर से गुजर रहे नेशनल हाईवे-27 के बाइपास पर बीती रात भीषण दुर्घटना हो गई। जानकारी के अनुसार पार्टी कर लौट रहे युवकों की एसयूवी कार एक ट्रक में घुस गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल है। हादसे में एसयूवी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। दुर्घटना के बाद यहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद हाइवे पेट्रोलिंग की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों व मृतकों को अस्पताल ले गई। शनिवार को दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

अनंतपुरा थाने के सब इंस्पेक्टर लोकेश मीणा ने बताया कि सूचना मिलने पर सबसे पहले वे मौके पर पहुंचे। घायलों को हाईवे पेट्रोलिंग एंबुलेंस के जरिए पहले ही अस्पताल पहुंचा दिया था। चूंकि यह इलाका रामपुर थाने का था, ऐसे में रामपुर पुलिस को सूचना दी गई। रामपुर थाने

- **हादसे में एसयूवी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई**

के सब इंस्पेक्टर भीम सिंह ने बताया कि झालावाड़ जिले के खानपुर निवासी धीरज सिंह और विज्ञान नगर निवासी अरबाज की दुर्घटना में मौत हुई है। फैजल, जयराज और दीप सिंह घायल हैं।

यह सभी लोग बूंदी जिले के बल्लोप स्थित एक रेस्टोरेंट से खाना खाकर हैंगिंग ब्रिज होते हुए बारां रोड की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए इसके चलते ही दुर्घटना हुई है। इसके बाद ही एसयूवी अनियंत्रित होती हुई ट्रक में घुस गई। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिये हैं।

तीन लाख की रिश्वत लेते अधिकारी गिरफ्तार

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र प्रतापगढ़ के संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक को गिरफ्तार किया

जयपुर/प्रतापगढ़, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्रतापगढ़ टीम ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र जिला प्रतापगढ़ के संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक राजीव गर्ग को परिवादी से तीन लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की प्रतापगढ़ टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि सातवें वेतनमान का स्थिरीकरण, पेंशन प्रकरण का भुगतान एवं एरियर का भुगतान करने की एवज में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र जिला प्रतापगढ़ का संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक राजीव गर्ग तीन लाख 50 हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग कर रहा है।

एसीबी की प्रतापगढ़ टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए आरोपित राजीव गर्ग को तीन लाख रूपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपित द्वारा शिकायत से पूर्व भी परिवादी से 50 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे। एसीबी को कार्रवाई के दौरान आरोपित के जयपुर स्थित मकान एवं एक फ्लेट की तलाशी के लिये पहुंची तो दोनों बन्द मिले जिन्हें सील किया गया है। न्यायालय से आरोपित का रिमांड लिया जाकर उसकी उपस्थिति में ही उक्त ठिकानों की तलाशी ली जायेगी।

जालोर में दो दिन से बारिश का दौर जारी, नदी-नालों में पानी की आवक

बाडमेर जिले के रामसर में सर्वाधिक तीन इंच बरसात हुई, राहत मिली

जालोर, (कासं)। जिलेभर में गत दो दिन से लगातार रूक-रूक कर कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश से नदी-नालों में पानी की आवक देखी गई।

- **जालोर शहर के कई निचले इलाकों में बारिश के चलते पानी नजर आने लगा**

जालोर में बारिश के बाद कलेक्ट्रेट गेट के आगे पानी भर गया।

जालोर में शुक्रवार व शनिवार को रूक-रूक कर बारिश का दौर जारी रहने से चारों ओर पानी ही पानी नजर आने लगा है। वहीं जालोर शहर के कलैक्ट्रेट गेट, रोडवेज बस स्टेण्ड गेट के आगे निकासी नहीं होने से पानी भर जाने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के कई निचले इलाकों में लगातार बारिश के चलते पानी नजर आने लगा है। लगातार बारिश का दौर जारी रहने से तापमान में गिरावट देखी गई। जिला कलेक्टर ने भी बारिश के समय नदी-नालों में वाहन नहीं उतारने व पानी के पास नहीं जाने की सलाह दी है। जिले के कई नालों व बांधों में पानी की आवक नजर आई। वहीं मानसून की अच्छी बारिश के चलते किसानों के चेहरों पर खुशी देखी गई।

बाडमेर संवाददाता के अनुसार :- प्रचंड गर्मी से धधक रहे बाडमेर पर मौसम विभाग के भारी बारिश के अलर्ट के बीच शनिवार को अलसुबह ही बारिश का दौर शुरू हो गया जो दिनभर कभी तेज तो कभी धीमे होते हुए चलता रहा। मौसम विभाग के यैलो अलर्ट के बाद जिला कलेक्टर ने शनिवार को जिले की सभी स्कूलों और आंगनबाड़ियों का अवकाश घोषित कर दिया। जिले में अच्छी बारिश होने से किसानों के चेहरे पर खुशी छा गई है। उनका मानना है कि ये बारिश फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगी। पिछले 24 घण्टों में बाडमेर जिले के रामसर में सर्वाधिक करीब तीन इंच और सबसे कम धोरीमन्ना में 2 एमएम बारिश हुई है। बाडमेर में 38, बाडमेर ग्रामीण में 36, चौहटन में 32, शिव में 10, धोरीमन्ना में दो, धनाऊ में 16 एमएम , रामसर में 80 एमएम, गडरारोड 4.5 एमएम और नोखडा में 18 मिलीमीटर बारिश हुई है। शनिवार सुबह बारिश शुरू होने के बाद जिला कलेक्टर निशान्त जैन ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शहर के जल भराव वाले इलाकों का जायजा लेकर पानी की निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

झाड़ोल में पौने दो इंच, उदयपुर शहर में रिमझिम बरसात हुई

जिले में केचमेंट सहित कई जगहों पर अच्छी बारिश, झीलों में पानी की आवक शुरू होने की आस बंधी

राजसमंद में मोही कस्बे के बनास नदी एनीकट पर चादर चलने से बहता पानी।

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में शनिवार को दिनभर रिमझिम बारिश होती रही। जिले में केचमेंट सहित कई जगहों पर अच्छी बारिश के समाचार मिले हैं। शाम पांच बजे तक बीते 12 घंटों में झाड़ोल में सर्वाधिक 40 मिमी (पौने दो इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई।

लेकसिटी में आज हो रही बारिश ने झीलों के भरने की आस बंधा दी है। शहर में हालांकि रिमझिम का दौर चला लेकिन केचमेंट के कई हिस्सों में अच्छी बरसात हुई है। पीछोला को भरने वाली सीसारमा नदी और फतहसागर को भरने वाली मदार नहर अभी नहीं चली है लेकिन लेकसिटी में मौसम विभाग के येलो अलर्ट के बीच रविवार को कई हिस्सों में 200 मिमी तक बारिश की संभावना जताई गई है। इधर, सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शाम पांच बजे तक बीते 12 घंटों में सर्वाधिक बारिश झाड़ोल में 40 मिमी, उदयपुर शहर में 6 मिमी, स्वरूपसागर 5 मिमी, उदयसागर 11 मिमी, मदार 23 मिमी, अलसीगढ़ 18 मिमी, वल्लभनगर 11 व ओगणा में 21 मिमी बरसात हुई है।

मोही के बनास नदी एनीकट पर चादर चली

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती मोही कस्बे के बनास नदी स्थित एनीकट पर शनिवार को चादर चल रही है। गांव में शुक्रवार को दिनभर हुई बारिश के चलते नदी-नालों में पानी बहने लगा। बनास नदी स्थित एनिकट पर चादर चल रही है। बनास नदी में पानी की आवक को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

बाइक सहित नदी की रपट में बहे दो युवक

पाली, (नि.सं.)। पाली के निकट खेरवा बनियावास गांव की नदी पिछले दो दिन से बह रही है। शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे दो युवक एक फीट चल रही रपट पर ग्रामीण के मना करने पर भी चले गए। जहां बाइक अनियंत्रित हो गई और बाइक के साथ दोनों पानी में बह गए। गनीमत रही कि नदी में करीब 3 फीट पानी था, जिससे दोनों को ग्रामीणों ने बचा लिया। बानियावास सरपंच प्रतिनिधि सरवन राम ने बताया कि दोनों युवक शराब पिए हुए थे। लोगों के मना करते हुए भी नदी की रपट में बाइक उतार दी थी।

ढाई सौ साल पुराने मंदिर की दीवार बारिश से धंसी

राधा-कृष्ण मंदिर की दीवार धंसी, घरों में दरारें आई

चूरू, (कासं)। शहर के सब्जी मंडी पार्क के पास स्थित 250 वर्ष पुराना राधा-कृष्ण भगवान का दिव्य मंदिर का आंगन व चारों तरफ की दीवार गुरूवार को आई बारिश से धंस गई।

जानकारी के अनुसार मंदिर के अंडरग्राउंड में बारिश का पानी भरने से वह धंस गया, जिससे मंदिर को काफी नुकसान हुआ है। यह मंदिर पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो गया है। अब यह मंदिर गिरने के कगार पर है और गनिमत यह रही कि इसमें कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। मंदिर धंसने से आसपास के घरों में भी दरारें पड़ गई। मंदिर के पुजारी संजय राज सारस्वत ने बताया कि कई वर्षों पूर्व यह मूर्ति मंदिर

बारिश के कारण दीवार धंस जाने से गिरने के कगार पर पहुंचा मंदिर।

के अंडरग्राउंड में स्थापित थी। उस समय मंदिर की पूजा जगदीश प्रसाद पुजारी करते थे। 100 वर्ष पूर्व मूर्ति स्थापना ऊपर की गई थी।

सायला में दिनभर चला बारिश का दौर

सायला, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में शनिवार को इन्द्रदेव मेहरबान रहे तथा दिनभर बारिश का दौर जारी रहा। यह बारिश कभी हल्की तो कभी तेज होती रही, जिससे लम्बे समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरों से एकबारगी चिंता के बादल छट गए।

बारिश के कारण पुराना बस स्टेण्ड, पंचायत समिति मोड़, पीडब्ल्यूडी के आगे, पोस्ट ऑफिस रोड आदि स्थानों पर सड़क पर पानी जमा हो गया, जिससे राहगीरों एवं वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं खेतों में अच्छी बारिश से फसलों को भी संजीवनी मिली है। इधर बारिश के कारण मौसम ठंडा हो गया। अच्छी बारिश होने से किसानों के चेहरे पर खुशी छा गई है। उनका मानना है कि ये बारिश फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगी।

बालोतरा में तेज बारिश से मुख्य बाजार में तीन फीट पानी भरा

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा में शनिवार अल सुबह बारिश का दौर शुरू हुआ। बारिश से शहर के मुख्य बाजार में तीन से चार फीट तक पानी भर गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामाना करना पड़ा। वहीं कई दुकानों में पानी घुस गया। इधर, मौसम विभाग के अलर्ट के बाद प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी भी घोषित कर दी है। बालोतरा शहर के शास्त्री चौक, घंटाघर मार्केट, गौर का चौक, नयापुरा, नेहरू कॉलोनी सहित आसपास के इलाकों में 20 मिनट की बारिश में जल भराव हो गया, जिससे बाजार की दुकानों के अंदर पानी चला गया, जिससे दुकानदारों व आने-जाने वाले लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। इधर नेहरू कॉलोनी भगत सिंह सभा स्थल के पास एक बुजुर्ग व्यक्ति सीवरेज के गड्ढे में गिरकर घायल हो गया। लंबे समय से सीवरेज के चेम्बर पर ढक्कन नहीं लगाया गया है।

न्यायालय उपजिला कलेक्टर महोदय, गंगापुर सिटी
हरिदास बनाम तेजसिंह वगैरहा
दावा विभाजन घोषणा इन्ज्राज दुरुस्ती एवं स्थायी निषेधाज्ञा एवं प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा संख्या 9/2024
मु.नं. 10/2024 विवाधक सम्मन
नोटिस बनाम
तेजसिंह पुत्र स्व. किशोरीलाल जाति जाटव, निवासी मिर्जापुर हाल निवासी गली नम्बर 7, अक्षत विला बिहार सोगरिया रोड कोटा। सम्पो देवी पत्नी मोहनसिंह पुत्री स्व. किशोरीलाल हालनिवासी प्रताप नगर सैक्टर नम्बर 5 तहसील सांगानेर जयपुर, ललिता पत्नी गंगासिंह पुत्री स्व. किशोरीलाल निवासी महलपुर चूरा पोस्ट वंशी पहाडपुर तहसील रुपवास जिला भरतपुर कमला पत्नी हरिचरण पुत्री स्व. किशोरीलाल जाटव निवासी महलपुर चूरा वंशी पहाडपुर तहसील रुपवास जिला भरतपुर, सुरेश पुत्र स्व. नारायण निवासी अम्बेडकर धर्मशाला के पास, गंगापुर सिटी, नरेश पुत्र स्व. नारायण निवासी अम्बेडकर धर्मशाला के पास, गंगापुर सिटी, दिया पत्नी स्व. राजू पुत्र पुत्र स्व. नारायण, हेमु पुत्र स्व. राजू पुत्र स्व. नारायण, कांति पुत्री स्व. नारायण, अक्षय कुमार पुत्र स्व. अशोक, ज्योती पुत्री स्व. अशोक, शोभना पुत्री स्व. अशोक, सोना पुत्री स्व. अशोक, नागेन्द्र पुत्र स्व. ओमप्रकाश निवासीयान अम्बेडकर धर्मशाला के सामने, मिर्जापुर गंगापुर सिटी जिला गंगापुर सिटी, भूरेलाल पुत्र चिरंजीलाल हाल निवासी राठोर बेकरी के पीछे, गली नम्बर 6, पूनम कालोनी, कोटा, मोहनसिंह पुत्र स्व. बुद्धराम, योगेन्द्र सिंह पुत्र बुद्धराम, निवासी गली नम्बर 8 पूनम कालोनी कोटा, मोहनदेवी पुत्री स्व. बुद्धराम निवासी आर.के. पुरम डी. मार्ट के पास, कुसुमलता पुत्री स्व. बुद्धराम निवासी गली नम्बर 8 पूनम कालोनी, कोटा, रतनबाई पत्नी स्व. भीमसिंह, महेन्द्र पुत्र स्व. भीमसिंह, प्रवीण पुत्र भीमसिंह, योगेश पुत्र भीमसिंह, सिद्धार्थ पुत्र स्व. केदार, केसु पुत्र स्व. केदार, कविता पुत्री स्व. केदार, भारती पुत्री स्व. केदार, पूनी पत्नी स्व. सम्पत, तेजसिंह पुत्र स्व. सम्पत निवासी अम्बेडकर धर्मशाला के पास, मिर्जापुर गंगापुर सिटी, गोरधन पुत्र हजारी निवासी नेहरु कालोनी गंगापुर सिटी, धन्नालाल पुत्र कोरीलाल जाति बैरवा निवासी वार्ड नम्बर 18, गंगापुर सिटी, प्रेमबाई पुत्री स्व. चिरंजीलाल पत्नी सोनपाल, जाति जाटव निवासी कन्जौली का पुरा पोस्ट काचरोली तहसील हिण्डोन सिटी, जिला करौली, सावित्री देवी पुत्री स्व. चिरंजीलाल पत्नी रामस्वरुप जाटव निवासी कन्जौली का पुरा, तहसील हिण्डोन सिटी जिला करौली प्रेमलता पुत्री स्व. चिरंजीलाल पत्नी बालेश्वर निवासी थाई के पास जाटव वस्ती हिण्डौन सिटी जिला करौली, शांति पुत्री स्व. चिरंजीलाल पत्नी शांतिस्वरुप, जाति जाटव निवासी थाई के पास जाटव वस्ती हिण्डोन सिटी जिला करौली ज्ञानसिंह पुत्र स्व. नथिया, शेरसिंह पुत्र रतनलाल, किसना पुत्र स्व. रतनलाल, दीपचन्द पुत्र स्व. रतनलाल, सुरेश पुत्र स्व. किशोर, कलावती पत्नी स्व. किशोर, जाति जाटव हाल निवासी अम्बेडकर धर्मशाला के पास, मिर्जापुर गंगापुर सिटी तहसील व जिला गंगापुर सिटी लैण् होल्डर जरिये तहसीलदार गंगापुर सिटी, राजस्थान सरकार जरिये जिला कलेक्टर गंगापुर सिटी सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वादी हरिदास पुत्र सोनी द्वारा न्यायालय में दावा व प्रार्थना पत्र टी.आई. मं. पंजीबद्ध किया है आप इस न्यायालय में तारीक पेशी 07.08.2024 को दिन में 10:30 बजे दावे एवं प्रार्थना पत्र का उत्तर देने के लिए आप न्यायालय में स्वयं या अपने उत्तरदायी या अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित/हाजिर होकर अपना पक्ष रख सकते है।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगे तो वाद एवं टी.आई. प्रार्थना पत्र की सुनवाई एवं उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से आज दिनांक 02.8.24 को जारी किया गया।
मोहर अदालत
आदेशानुसार
रीडर
उप जिला कलेक्टर गंगापुर सिटी (स.मा.)

'हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद स्वामी अवधेशाचार्य और उनके परिवारजनों को मुख्य द्वार से प्रवेश पर पुलिस ने रोका'

गलताजी ठिकाने के स्वामी अवधेशाचार्य ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर राजस्थान हाईकोर्ट के द्वारा 2 अगस्त को जारी आदेश की पालना करवाने की मांग की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गलता पीठ ठिकाना की संपत्ति व महंत की नियुक्ति पर चल रहे विवाद में एक नया मोड आया है। स्वामी अवधेशाचार्य ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित को शिकायत भेजी है कि, राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद भी पुलिस अधिकारियों ने 2 अगस्त की रात को उन्हें घर के मुख्य द्वार पर ही 3 घंटे रोक लिया। हाईकोर्ट के आदेश की प्रतिलिपि दिखाने के बावजूद भी गलताजी थानाधिकारी और ए.सी.पी. रामगंज ने उनकी बात नहीं सुनी। जब कई बार समझाने पर भी पुलिस अधिकारी नहीं माने तो थक-हारकर स्वामी अवधेशाचार्य व उनके पुत्र राघवेन्द्र को धर्मशाला जाना पड़ा।

स्वामी अवधेशाचार्य ने बताया कि, राजस्थान हाईकोर्ट ने 2 अगस्त आदेश देते हुए कहा था कि "स्वामी अवधेशाचार्य, मामले की अपील के फैसले तक महंत के पद से हटाए जा रहे हैं, वे महंत के पद पर दावेदारी नहीं करें, परंतु वे मंदिर परिसर में बने निवास पर रह सकते हैं और पूजा-अर्चना भी जारी रख सकते हैं।"

स्वामी अवधेशाचार्य की ओर से जयपुर कलेक्टर को लिखे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि, उनके घर के मुख्य द्वार, जो मंदिर परिसर की तरफ खुलते हैं, उसे सील करके बंद कर दिया गया है। इस कारण उन्हें अपने आवास तक आने-जाने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा है। उन्हें अपने घर के पीछे बने गायों के बाड़े के रास्ते से घर में आना पड़ रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद पुलिस ने शुक्रवार देर रात गलताजी मंदिर परिसर स्थित आवास पर जाने से स्वामी अवधेशाचार्य और उनके पुत्र स्वामी राघवेंद्र को रोक लिया।

- **शिकायत में अवधेशाचार्य की ओर से कहा गया है कि, "उनके घर के मुख्य द्वार, जो मंदिर परिसर की तरफ खुलते हैं, उसे सील करके बंद कर दिया गया है। इस कारण उन्हें अपने आवास तक आने-जाने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा है। उन्हें अपने घर के पीछे बने गायों के बाड़े के रास्ते से घर में आना पड़ रहा है।"**
- **शिकायत में कहा गया है कि, "राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से 2 अगस्त को स्वामी अवधेशाचार्य को मंदिर परिसर में बने अपने निवास पर रहने और आने-जाने के लिए छूट दी है।" उन्होंने इस आदेश की प्रतिलिपि भी पुलिस अफसरों को दिखाई, इसके बावजूद उन्होंने शुक्रवार रात को करीब 3 घंटे तक उन्हें मुख्य द्वार पर रोककर रखा, जो कि हाईकोर्ट के आदेश की सरासर अवहेलना है।**

अवधेशाचार्य ने अपनी शिकायत में कहा कि, "2 अगस्त को रात करीब पौने 9 बजे वह अपने पुत्र के साथ निवास की तरफ जा रहे थे, तो उन्होंने देखा कि मंदिर परिसर की तरफ खुलने वाले उनके घर के मुख्य द्वार को सील कर दिया गया है। इसके अलावा उन्हें और उनके पुत्र को घर के दरवाजे पर तैनात पुलिस अफसरों ने 3 घंटे तक रोककर रखा। मंदिर परिसर में मौजूद ए.सी.पी. रामगंज व गलता थानाधिकारी का कहना था कि, "प्रशासन द्वारा उन्हें आदेश दिए गए हैं कि, इस द्वार से किसी की एंट्री नहीं होने दी जाए। दरवाजे पर सील प्रशासन के आदेशों पर ही लगाई गई है, जिसे खोलने के लिए उन्हें कोई आदेश नहीं मिला है।"

स्वामी अवधेशाचार्य के मुख्य निवास पर प्रशासन द्वारा लगाई गई पेपर सील की फोटो उनके पुत्र स्वामी राघवेंद्र द्वारा साझा की गई।

स्वामी अवधेशाचार्य ने शिकायत में लिखा है कि, पुलिस के दोनों वरिष्ठ अफसरों ने उन्हें घर के द्वार पर रोकते हुए कहा कि आपके पास कोई अधिकार नहीं है सील खोलने का। एस.एच.ओ. ने कहा कि मेरी अतिरिक्त कलेक्टर (एडीएम) से बात हो गयी है, वे यहां पहुंच रहे हैं। रात को करीब 2 घंटे तक स्वामी अवधेशाचार्य व उनके पुत्र राघवेन्द्र, जिला प्रशासन के मौके पर पहुंचने का इंतजार करते रहे, लेकिन कोई नहीं आया। पुलिस द्वारा टोकाटाकी व घर में प्रवेश से रोकने के प्रयास का वीडियो भी स्वामी अवधेशाचार्य की ओर से रिकॉर्ड किया गया है। स्वामी अवधेशाचार्य ने पुलिस अधिकारियों को कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए रोकने से मना भी किया, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं सुना। थानाधिकारी लिखमाराम ने यहां तक कह दिया कि, चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन हम आपको सील खोलकर अंदर जाने नहीं दे सकते।"

स्वामी अवधेशाचार्य ने जिला कलेक्टर को इस पूरे प्रकरण की शिकायत करते हुए लिखा कि, जिला प्रशासन की ओर से ऐसा स्पष्ट आदेश पारित किया जाए, जिससे कि मंदिर परिसर में तैनात सरकारी अधिकारी व पुलिस, राजस्थान हाईकोर्ट के आदेशानुसार उनके घर के मुख्य द्वार पर लगाई गई पेपर सील को हटाए।

आर्यिका निरंजनमती माताजी का यमसल्लेखना पूर्वक समाधि मरण

बिलवा स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका नंगमती माताजी के सानिध्य में हुई समाधि।

जयपुर। टोंक रोड के बिलवा स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सुधर्म नंग अहिंसा ट्रस्ट के परिसर में गणिनी आर्यिका रत्न सुपार्श्वमती माताजी एवं गणिनी आर्यिका रत्न गौरवमती शिष्या आर्यिका निरंजनमती माताजी का यम सल्लेखना पूर्वक सम्यक समाधिमरण गणिनी आर्यिका नंगमती माताजी के सानिध्य में हो गया। जिसके पश्चात जैन परंपराओं के अनुसार ब्रह्मचारी जिनेश भैया के निर्देशन में निरंजनमती माताजी की अंतिम डोल यात्रा निकाली गई और मंत्रोच्चारण के साथ माताजी के शरीर को पंचतत्व में विलीन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और पूज्य माताजी को नम आंखों के साथ विदाई दी।

अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने जानकारी देते हुए बताया कि आर्यिका निरंजनमती माताजी को सर्व प्रथम छुल्लिका दीक्षा 15 फरवरी 2015 को गणिनी आर्यिका रत्न गौरवमती माताजी द्वारा मानसरोवर स्थित वरुण पथ जैन मंदिर पर प्रदान की गई थी, उस समय माताजी को श्रेयांशमती नाम प्रदान किया गया था, क्योंकि उस दिन तीर्थंकर श्रेयांसनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक पर्व था। इसके पश्चात वर्ष 2021 में गणिनी आर्यिका गौरवमती माताजी का देवलोक हो जाने के बाद छुल्लिका श्रेयांशमती माताजी गणिनी आर्यिका नंगमती माताजी के संघ में सम्मिलित हो गई थी, नंगमती माताजी द्वारा 31 जुलाई 2024 को ही आर्यिका दीक्षा प्रदान की गई थी, तब माताजी को निरंजनमती नाम प्रदान किया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने शनिवार को दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी के आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। उन्होंने उनसे विभिन्न विषयों पर संवाद किया। राज्यपाल बागडे की जोशी से यह शिष्टाचार भेंट थी।

अधिकारियों के विरुद्ध लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं अभियोजन स्वीकृति के विचाराधीन विभिन्न प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री ने 7 प्रकरणों में सेवारत अधिकारियों को सीसीए नियम 16 एवं 17 के अन्तर्गत दण्डित करने तथा 4 सेवानिवृत्त अधिकारियों पर आरोप के समानुपातिक पेंशन रोकने का निर्णय किया। साथ ही, सेवानिवृत्त अधिकारी के विरूद्ध संचालित एक अन्य प्रकरण में प्रमाणित आरोप का अनुमोदन तथा 2 प्रकरणों में आरोप अप्रमाणित पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को दोषमुक्त किया।

शर्मा ने राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत भ्रष्टाचार के प्रकरणों में न्यायालय से दोषसिद्धि के 2 प्रकरणों में दोषी चिकित्सकों को राजकीय सेवा से पदच्युत किए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया तथा भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के अन्तर्गत प्रस्तुत 3 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति भी प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने सीसीए नियम 34 में प्रस्तुत 3 पुनरावलोकन याचिकाएं संतोषजनक तथ्यों के अभाव में खारिज तथा अनिवार्य सेवानिवृति के 1 प्रकरण में प्रस्तुत अपील अंतर्गत नियम 53(4) को अस्वीकार किया। साथ ही, धारा 17-ए के 2 प्रकरणों में प्रथम दृष्टया कार्यवाही योग्य नहीं होने से परिवाद पंजीबद्ध कर विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने की अनुमति प्रदान नहीं की।

पत्थर से युवक का सिर फोड़ा

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में बाइक सवार दो बदमाशों ने पत्थर से हमलाकर पैदल जा रहे मजदूर का सिर फोड़ दिया और फिर मारपीट कर उससे मोबाइल व नकदी छीनकर ले गए। पुलिस के अनुसार मूलतरू यूपी हाल रामचंद्रपुरा निवासी नाजीमुल ने मामला दर्ज करवाया कि वह पिरामिड कम्पनी में काम करता है। एक अगस्त की दोपहर वह कम्पनी से खाना खाने पैदल ही अपने रुम पर जा रहा था। दुर्लभ कॉलेज के पास पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और बदमाशों से पत्थर से उसका सिर फोड़ दिया। इसके बाद वह सडक पर गिर गया। बदमाशों ने उसके साथ लात-घूसे से मारपीट की और उससे मोबाइल व जेब में रखे 5200 रुपए निकाल कर ले गए। राहगिरों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उससे छुट्टी दे दी गई। इसके बाद पीडित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे राज्यपालों के सम्मेलन में शामिल हुए

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने शुक्रवार और शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन में भाग लिया।

बागडे राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस सम्मेलन में एक भारत श्रेष्ठ भारत, 'एक वृक्ष मां के नाम' और प्राकृतिक खेती अभियान, राज्यपालों का जनता से सतत संपर्क, राज्यपालों की भूमिका और विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में राज्यपालों की भूमिका जैसे विषयों के विभिन्न सत्रों में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आदि ने संबोधित किया।

पहले 10 ब्लॉक कांग्रेस को भंग किया विरोध पर दो को फिर बहाल किया

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस ने फीडबैक के आधार पर संगठन को पुनर्गठन कर मजबूत करने के लिए अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर 100 ब्लॉक कांग्रेस एवं मंडल कांग्रेस कमेटियों को भंग किया, लेकिन इस काम में गफलत हुई तो दौसा के दो ब्लॉक को भंग करने का आदेश निरस्त भी कर दिया।

प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशों पर सभी जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठक प्रदेश

- **प्रदेश कांग्रेस के आदेशों में हुई गफलत**

पदाधिकारी प्रभारियों द्वारा ली गई थी तथा निष्क्रिय तथा सक्रिय पदाधिकारियों का फीडबैक प्रदेश कांग्रेस को कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों, विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव लड़े प्रत्याशियों तथा प्रभारी पदाधिकारियों से प्राप्त हुआ था। इस फीडबैक के आधार पर संगठनात्मक पुर्नगठन के लिए प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के निर्देशानुसार सिरोही जिले की रेवदर एवं आबूरोड़, करौली जिले की हिण्डौन शहर व हिण्डौन देहात, टोंक जिले की टोडारायसिंह, देवली, अलीगढ़-उनियारा, दौसा जिले के दौसा एवं लवाण तथा हनुमानगढ़ जिले ब्लॉक भादरा शहर के ब्लॉक अध्यक्ष व ब्लॉक कार्यकारिणी एवं मण्डल अध्यक्ष तथा मण्डल कार्यकारणी की नियुक्तियों को तुरन्त प्रभाव से भंग किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला पदाधिकारी प्रभारियों, जिलाध्यक्षों तथा जिले के प्रमुख कांग्रेस नेताओं से 15 दिवस में प्रस्ताव लेकर इन ब्लॉक एवं मण्डल कांग्रेस कमेटियों का पुनः गठन किया जाएगा। 10 ब्लॉक और मंडल भंग करने के आदेश के तुरंत बाद भूल सुधार करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी दौसा के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दौसा तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लवाण के ब्लॉक अध्यक्ष व ब्लॉक कार्यकारिणी एवं मण्डल अध्यक्ष तथा मण्डल कार्यकारिणियों की नियुक्तियों को भंग किए जाने के आदेशों पर तुरन्त प्रभाव से रोक लगायी जाकर यथावत रखा गया है।

पूर्व पत्नी से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर, (का.सं.)। महानगर द्वितीय की महिला उत्पीडन प्रकरण मामलों की विशेष अदालत ने पूर्व पत्नी के घर में घुसकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त पूर्व पति को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी आशुतोष कुमावत ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के साथ इस प्रकृति के अपराध बढ़ रहे हैं। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक ने बताया की घटना को लेकर पीडिता ने 14 अक्टूबर, 2021 को आमेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह अपने पुत्र और पुत्री के साथ रहती है। उसका अपने शौहर से 9 अप्रैल, 2021 को तलाक हो चुका है। इसके बावजूद वह आए दिन उसे व बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर बलात्कार करता है।

चार बैट्रियां चोरी

जयपुर। विद्याधरनगर स्थित परिवहन कार्यालय द्वितीय के नाले के पास वाली दीवार फांदकर चोर अंदर घुसे और ई रिक्शा की चार बैट्रियां खोलकर ले गए। घटना के सम्बंध में जिला परिवहन अधिकारी ने विद्याधर नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार जिला परिवहन अधिकारी संजय शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि जिला परिवहन कार्यालय द्वितीय की नाले के पास वाली दीवार फांदकर चोर अंदर घुसे। एक सीज ई रिक्शा की चार बैट्रियां खोलकर ले गए।

पशुपालकों के सशक्तिकरण के लिए राज्य बजट में दी गई ढेरों सौगातें : भजनलाल शर्मा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 में की गई घोषणाओं से विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाएं एवं उम्मीदें इस बजट से पूरी होंगी। उन्होंने कहा कि किसान, पशुपालक, युवा, महिला सहित सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिरोही एवं बाली सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से राज्य बजट में की गई घोषणाओं के लिए धन्यवाद देने आए देवासी समाज के प्रतिनिधिमण्डल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र के सभी वादों को हमारी सरकार पूरा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और राज्य की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों का अहम योगदान है। इसी को ध्यान में रखते हुए बजट में पशुपालकों के सशक्तिकरण के लिए ढेरों सौगातें दी गई हैं। पशुपालन संवर्द्धन, संरक्षण एवं विकास हेतु 250 करोड़ रुपये से मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं के नस्ल विकास एवं नर गौवंश की समस्या के समाधान के लिए अनुदान राशि 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत की जाएगी। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पशु चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए 125 पशु चिकित्सकों तथा 525 पशुधन सहायकों के नये पदों के सृजन, ग्राम पंचायतों में इस वर्ष 500 नवीन पशु चिकित्सा उपकेन्द्र खोले जाने सहित विभिन्न घोषणाएं राज्य बजट में की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न पशु चिकित्सा संस्थानों में चरणबद्ध रूप से आधारभूत सुविधाओं के विकास, भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्य व उपकरण आदि के लिए 200 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना प्रारम्भ की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऊँटपालकों को दी जाने वाली सहायता राशि को 10 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिवर्ष किया जाएगा एवं पंजीकृत गौशालाओं को देय अनुदान में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी।

शर्मा ने कहा कि दुग्ध उत्पादकों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए भी बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से सरदारशहर-चूरू, रानीवाड़ा-सांचौर, झालावाड़, भरतपुर, नागौर तथा बीकानेर में मिल्क प्रोसेसिंग प्लांटस का सुदृढ़ीकरण, 95 करोड़ रुपये की लागत से पाली में 30 मीट्रिक टन क्षमता का अत्याधुनिक मिल्क पाउडर प्लांट तथा 25 करोड़ रुपये से कोटा में केटल फीड प्लांट स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2 हजार नये डेयरी बूथ खोले जाएंगे। इस वर्ष शहरी क्षेत्रों में एक हजार सरस मित्र बनाएंगे, 2 वर्षों में 1 हजार 500 नई दुग्ध सहकारी समितियां तथा किसानों को दूध का उचित मूल्य दिलाने हेतु 2 हजार दुग्ध संकलन केन्द्र खोले जायेंगे। इस दौरान पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, समाराम एवं गोपीचंद मीणा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में देवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

बजट सौगातों के लिए देवासी समाज के प्रतिनिधियों ने आभार जताते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अभिनंदन किया। इस दौरान पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, समाराम एवं गोपीचंद मीणा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में देवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

- **'राज्य की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों का अहम योगदान'**
- **'250 करोड़ रुपये से किया जाएगा मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन'**

रोबोटिक फिजियोथैरेपी से मरीज फिर सामान्य हुआ

जयपुर। दो साल पहले 63 वर्षीय संजीव शर्मा (परिवर्तित नाम) को ब्रेन स्ट्रोक हुआ था, जिसके बाद उनके शरीर का दाहिना हिस्सा काम करना बंद कर दिया था। इस घातक घटना ने उनकी जिंदगी को बिस्तर तक सीमित कर दिया। उन्हें सामान्य कार्यों के लिए अपने परिवारजनों पर निर्भर रहना पड़ा। ऐसे में रोबोटिक फिजियोथैरेपी उनके लिए वरदान साबित हुई और उनका जीवन पुनः सामान्य हो सका।

संजीव शर्मा का इलाज जयपुर के सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. आशीष अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। डॉ. आशीष अग्रवाल ने बताया कि संजीव शर्मा के शरीर के दाहिने तरफ़ में काफ़ी कमजोरी आ गई थी। सामान्य फ़िज़ियोथेरेपी से ज़्यादा सुधार नहीं आ रहा था। रोबोटिक फ़िज़ियोथेरेपी से पैर की कमजोर मांसपेशियों को सुधारने के लिए लोअर लिंब एंड गैट रोबोट का उपयोग किया गया। यह रोबोट उन्हें खड़ा होने और चलने में सहायता प्रदान करता है, जिससे उनकी गतिशीलता में सुधार हुआ और मरीज़ अब बिना किसी सहारे के चल पा रहा है। स्ट्रोक के बाद, संजीव शर्मा की बोलने की क्षमता भी प्रभावित हुई थी। जिसके लिए मरीज़ के ब्रोकाज एरिया को ब्रेन में नए न्यूरल कनेक्शन बनाने के लिए थ्री टेस्ला ब्रेन स्टिम्यूलेशन की सहायता से स्टिम्यूलेट किया गया, जिससे मरीज़ की बोलने के क्षमता में सुधार हुआ। कंधे एवं हाथ की मांसपेशियों में जीरो पावर होने के कारण वह हाथ नहीं उठा पा रहे थे, उन्हें सक्रिय करने के लिए लूना ईएमजी नेक्स्ट जेनरेशन रोबोट का उपयोग किया गया। डॉ. आशीष ने बताया कि इस तकनीक से मरीज़ जीरो पावर होने पर भी ब्रेन से कमांड देकर एक्टिव एक्सरसाइज करता है जिससे मरीज का दिमाग पहले से बेहतर ढंग से हाथ और पैर को नियंत्रित करने में सक्षम हो सका।

- **2 साल पहले ब्रेन स्ट्रोक से मरीज के शरीर में दाहिने हिस्से ने काम करना बंद कर दिया था।**

कृषि उपज मंडी व्यवसाई का लहसुन से भरे लापता हुए ट्रक के मामले में पांच गिरफ्तार

छबड़ा (निसं)। छबड़ा कृषि उपज मंडी से डेढ़ माह पूर्व मंडी व्यवसायी का 14 लाख रूपए का लहसुन भरकर लापता हुए ट्रक चालक के मामले में पुलिस ने ट्रांसपोर्ट व्यवसायी ट्रक मालिक व ड्राईवर सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। इन सभी आरोपियो को शनिवार को न्यायालय मे पेश कर चार दिन का रिमांड प्राप्त किया है। पुलिस शीघ्र ही इन आरोपियो से 14 लाख रूपए के लहसुन की राशि बरामद करेगी।

डीएसपी जेपी अटल ने बताया कि कृषि उपज मंडी की फर्म दीपक कुमार आयुष कुमार के संचालक ओमप्रकाश साहू ने 14 जून को स्थानीय श्याम ट्रांसपोर्ट के संचालक कुलदीप आसावत के माध्यम से पुना भेजने के लिए 123 क्विंटल लहसुन ट्रक नम्बर आरजे 11 जीसी 3478 मे लोड करवाया था। परंतु, ट्रक चालक गंतव्य स्थान पर नही पहुंचा और रास्ते में कहीं 14 लाख का लहसुन बैच दिया। मंडी व्यापारियो के आक्रोश को देखते हुए डीएसपी अटल ने सीआई राजेश खटाणा के नेतृत्व में टीम गठित की। पुलिस टीम ने छबड़ा के सभी मार्गों के सीसीटीवी फुटेज एवं मुंडियर, कोलारस, रूठियाई, ब्यावरा तक टॉल नाको पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पुलिस को छबडा से भरी गई गाड़ी

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्त में लिया।

के हुलिए जैसा ट्रक कोलारस टॉल पर दिखाई दिया। परंतु, इस ट्रक पर नम्बर प्लेट आरजे 11 जीसी 1943 लगी थी।

पुलिस ने इस टोल से ड्राईवर की फुटेज, फास्टेग की डिटेल आदि रिकार्ड प्राप्त किए। तो इस गाड़ी का मालिक शिवपुरी के नरवर थाना क्षेत्र के मगरोनी निवासी शिवनारायण झा निकला। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि उसकी गाड़ी 8 फरवरी 2024 को जल गई थी। उसकी गाडी पूर्व में सिरसोद निवासी सूर्याप्रकाश धाकड के पास चलती थी। इस पर पुलिस ने ड्राईवर गणेशीलाल पाल को ट्रेस कर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह पहले सूर्याप्रकाश धाकड के कहने पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर छबड़ा से माल भरकर लाया था। परंतु, दूसरी बार 14 जून को वह नही गया था। इस पर पुलिस ने सूर्याप्रकाश धाकड से कडाई से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके पास तीन गाडियां हैं।

एक गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया हैं, परंतु क्लेम नही मिला। उसने इन गाडियों की किश्ते चुकाने के लिए अपने साथियो के साथ मिलकर प्लान बनाया। उसने पहले उसके पास चलने वाले ट्रक नम्बर आरजे 11 जीसी 3478 के जल जाने का फायदा उठाते हुए उसके नम्बर व चैसिस नम्बर का इस्तेमाल कर छबड़ा से लहसुन भर लिया और रूठियाई के पास नम्बर प्लेट तोड़कर फैंक दी। वही, मोबाईल व सिम कार्ड भी तोड़कर नदी

■ बेहद शातिराना तरीके से वारदात को अंजाम दिया

में फैंक दिए और लहसुन अन्य व्यापारी को बैच डाला। पुलिस ने इस मामले में शिवपुरी क्षेत्र के पिछोर निवासी ड्राईवर गणेशीलाल उर्फ अनिलपाल, नीरज पाल, जयदीप धाकड निवासी सिरसोद, अतरसिंह धाकड निवासी रायपुर थाना बैराड़ जिला शिवपुरी को गिरफ्तार कर लिया हैं। सीआई राजेश खटाना के अनुसार आरोपियो ने बेहद शातिराना तरीके से घटना को अंजाम दिया था। वही कही कोई निशानी नही छोडी थी परंतु पुलिस ने तकनीकी तरीके से जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसपी राजकुमार चौधरी द्वारा इस लूट की घटना को देखते हुए सभी अज्ञात आरोपियों पर दस दस हजार रूपए की ईनामी राशि घोषित कर रखी थी।

पुलिस टीम में यह रहे शामिल:- इस घटना का पर्दाफाश करने में सीआई खटाना के साथ अनुसंधान अधिकारी संपतराज वैष्णव, हैड कांस्टेबल सत्येंद्रसिंह, रणवीरसिंह, हीरसिंह, शक्तिसिंह, युवराजसिंह एवं गोविंदसिंह कांस्टेबल की अहम भूमिका रही हैं।

गायत्री शक्तिपीठ पर स्कूली विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया

स्कूली विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया।

छबड़ा (निसं)। सफलता सीनियर सैकण्डरी स्कूल द्वारा गायत्री शक्तिपीठ परिसर पर गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी मानसिंह धनोरिया, गंगाधर मौर्य व ब्लॉक संदर्भ व्यक्ति शंकरलाल नागर के सानिध्य में पौधरोपण किया। यहां छात्र-छात्राओं ने मंदिर परिसर में लगभग विभिन्न प्रजाति के 50 पौधे रोपे।

इस अवसर पर स्कूल के डारेक्टर मुकेश कुमार मौर्य, अध्यापक मुरारीलाल सुमन, मुकेश कुमार शर्मा, सोनम रावल, ग्राम सेवक प्रीतम मेहता, नवल प्रजापत, परिवारजक रामसिंह मीणा आदि उपस्थित रहे। ट्रस्टी धनोरिया ने कहा कि अन्य विद्यालयों को भी इससे अनुकरण कर सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण कर प्रकृति में योगदान करना चाहिए।

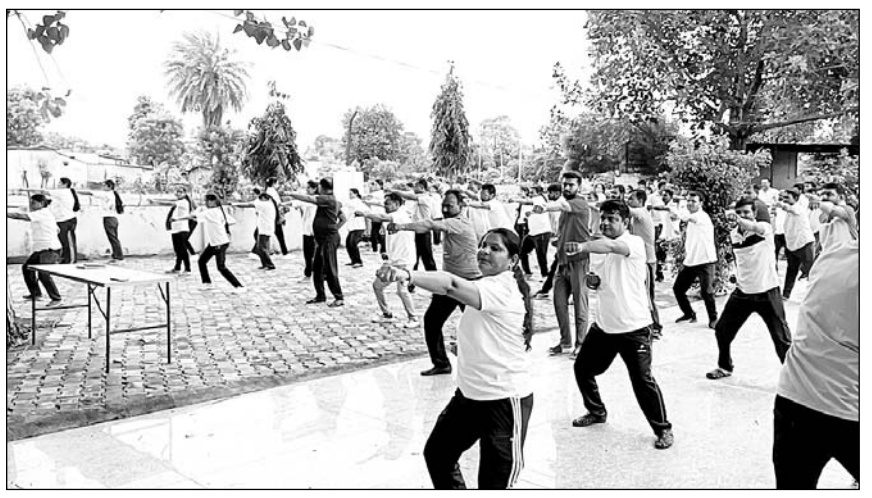

छबड़ा में सी.बी.ई.ओ. के मार्गदर्शन में नीमथुर बालाजी परिसर में एक अगस्त से सात अगस्त तक ब्लॉक स्तरीय आत्मरक्षा तकनीकों पर आधारित सात दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। हनुमानप्रसाद शर्मा, एसआरजी श्वेता गालव के अनुसार केआरपी रेखा यादव, रजनी शर्मा, श्वेता गालव ने योगा एवं प्राणायाम से शुरुआत कर मध्यान्तर पूर्व तक कराटे में हैण्ड मूमेंट की जानकारी, कराटे में हैण्ड मूमेंट का अभ्यास मध्यांतर बाद जेंडर समानता एवं महिला सशक्तिकरण पर संभागियों को विस्तार से जानकारी दी। संदर्भ व्यक्ति शंकरलाल नागर ने कहा कि युग बदल रहा है और सुरक्षा का भय सबके साथ है। कई बालिकाएं सुरक्षा के भय की वजह से अध्ययन छोड़ देती है, यह प्रशिक्षण बालिकाओं को सम्बलन प्रदान करेगा।

शंभू ओमकारा अविनाशी गंगाधर कैलाशी का अखंड कीर्तन 6 को

बून्दी (निसं)। श्री वीरभद्र रामलीला कीर्तन मंडल के कार्यक्रम संयोजक पुरुषोत्तम पारीक व कीर्तन मंडल के महामंत्री सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले 125 वर्षों से अधिक समय से निरंतर तिलक चौक स्थित श्री भवानीशंकर महादेव के शंभू ओमकारा अविनाशी गंगाधर कैलाशी का अखंड कीर्तन होता आ रहा है। इसी के तहत 6 अगस्त को रात्रि 9 बजे पंडित सीताराम शर्मा द्वारा समाजसेवी विनोद न्याती के हाथो भवानी शंकर महादेव को पंचामृत से स्नान करवाकर उनका श्रृंगार किया जायेगा। वहीं वैदिक मंत्रोचार के साथ आयोजन से जुड़े पुरुषोत्तम पारीक, सुरेंद्र सिंह, कार्यकारणी सदस्य विनोद सिंह सहित कीर्तन मंडल के सदस्यों द्वारा सामूहिक आरती उतारी जायेगी। इसके बाद श्री गणेश जी के साथ सभी आराध्य भगवान के पांच भजन गाकर शंभू ओमकारा अविनाशी गंगाधर कैलाशी का अखंड कीर्तन आरंभ किया जायेगा। साथ ही प्रसाद वितरित किया जाएगा।

फायरिंग के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

रामगंजमंडी (निसं)। सुकेत पुलिस ने फायरिंग के मामले में फरार एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उक्त जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण करन शर्मा ने बताया कि जिला कोटा ग्रामीण के थाना सुकेत में चार जुलाई 2024 को हुई फायरिंग के मामले में फरार आरोपी वसीम बेग पुत्र राशिद बेग जाति मुसलमान (38) निवासी नयापुरा मौहल्ला सुकेत जिला कोटा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

फरियादि यासीर खान निवासी सुकेत ने चार जुलाई 2024 को थाना सुकेत पर उपस्थित होकर रिपोर्ट पेश की कि चार जुलाई 2024 को रात्रि में लगभग एक बजे मैं अपने मजदूर को कोटा रोड फैक्टरी से उसके घर जुल्मी रोड पर उसको छोडने के लिए जा रहा था जैसे ही मैं रामगंजमंडी रोड सोनाली स्कूल के सामने पंहुचा तो विनोद योगी व तौकिर उर्फ सीमेंट दोनों मेरी बाईक के आगे अपनी मोटरसाइकिल लगा दी और मुझे जान से मारने की नियत से विनोद योगी ने पिस्टल निकाल कर मेरे उपर फायर किया। जिससे मेरे दांए पैर में घुटने के नीचे पींडली में गोली लगी।जिससे मैं नीचे गिर गया।उसके

सुकेत पुलिस ने फायरिंग के मामले में फरार एक और आरोपी को गिरफ्त में लिया।

बाद दोनों वहां से भाग गये।इत्यादि पर थाना हाजा पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया

मामले को गम्भीरता से लेते हुऐ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला कोटा ग्रामीण रवीन्द्र सिंह के सुपरविजन वृताधिकारी वृत रामगंजमंडी नरेन्द्र कुमार पारीक के निर्देशन में थानाधिकारी थाना सुकेत रघुवीर सिंह उनि के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया तथा फायरिंग के आरोपियों को शीघ्र अति शीघ्र गिरफ्तार करने हेतू दिशा-निर्देश दिये गये।

गठित विशेष टीम द्वारा फायरिंग के मामलें में फरार आरोपी को उनके मिलने वालों रिस्तेदारों आदि हर जगह मिलने वाली संभावित जगहों पर लगातार दबिश दी गयी। उसकी गतिविधियों पर निगरानी हेतू मुखबीर मामूर किये गये तथा तकनिकी अनुसंधान व पूर्व अनुभव से फरार आरोपी के सबंध में जानकारी जुटाई गई। टीम द्वारा अपने मुखबीर तंत्र तथा कार्यकुशलता से फरार आरोपी को डकनिया रेल्वे स्टेशन कोटा से डिटेन किया गया तथा थाना सुकेत लाकर प्रकरण में पूछताछ कर गिरफ्तार किया गया।

बिरला आज दौरे पर

बूंदी (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला आज कोटा-बूंदी के केशोरायपाटन क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। बिरला बूंदी के दौरे पर नागरिक अभिनंदन समारोह में शिरकत करेंगे। समारोह कार्यक्रमानुसार बिरला आज सुबह 7.30 बजे गिरधरपुरा, सीन्ता, मेहराना, तीरथ, भवानीपुरा गामछ, गुडला मोड, गुडला, पटोलिया, 9.30 बजे पुराना तहसील रोड होते हुए केशवरायजी मंदिर दर्शन मुलाकात करेंगे।

सार-समाचार

'स्वास्थ्य दल आपके द्वार' अभियान का पहला चरण कल से

रामगंजमंडी (निसं)। मानसून के दौरान व बाद में मच्छर जनित डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों के नियंत्रण व रोकथाम को लेकर जिले में अभियान स्वास्थ्य दल आपके द्वार का प्रथम चरण 5 से 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न विभागों की सहभागिता से मच्छररोधी गतिविधियां की जाएंगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने अभियान में अंतर विभागीय समन्वय कर सभी संबंधित विभागों से आवंटित कार्य करवाने के निर्देश सभी जिला कलेक्टर को जारी किए हैं।अभियान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की सर्वे टीमों द्वारा घर-घर जाकर सोर्स रिडक्शन, एंटीलारवल, एंटीएडल्ट व आईईसी गतिविधियां करवाने, बुखार के रोगियों की रक्त पट्टिका बनाने, गतिविधियों की रिपोर्टिंग मरुधर एप के माध्यम से करवाने आदि अन्य कार्य सम्पादित किए जाएंगे।नगर निगम को नालियों की सफाई, गंदे पानी के स्त्रोंतों में एमएलओ डलवाने, फॉगिंग करवाने, गड्ढे भरवाने, लार्वा मिलने पर नोटीस व चालान की कर्रवाई करवाने सहित अन्य कार्य आवंटित किए गए हैं।अभियान में अन्य विभागों नागरिक सुरक्षा, चिकित्सा शिक्षा, ईएसआई हॉस्पिटल, रेलवे हॉस्पिटल, आयुर्वेद विभाग, पंचायती राज विभाग, समाज कल्याण विभाग, शहरी विकास एवं हाउसिंग बोर्ड व आवासन मंडल, नर्सेज कॉउंसिल, शिक्षा विभाग को भी विभिन्न कार्य आवंटित किए गए हैं।

विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिया

बून्दी (निसं)। राजकीय महाविद्यालय के भूगोल विभाग में शुक्रवार को विविध विषयों पर सेमिनार प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का आयोजन भूगोल विभाग अध्यक्ष राहुल सक्सेना की अध्यक्षता में किया गया। विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनीता यादव रही। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के शोधार्थियों ने विविध विषयों का चयन करते हुए उन विषयों पर प्रस्तुतिकरण दिया। शोधार्थियों द्वारा नगरीकरण की समस्याएं, स्मार्ट सिटी तथा नगर नियोजन, मृदा संरक्षण, जल संरक्षण की विधियां, अपशिष्ट का निपटान आदि विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। विभागाध्यक्ष राहुल सक्सेना ने विद्यार्थियों को अपने शोध के प्रति निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए उसमें सुधार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रस्तुतिकरण शोधार्थियों की क्षमता को बढ़ाते हैं। संचालन डॉ. भारतेंदु गौतम ने किया तथा डॉ. जुबेर खान ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में संकाय सदस्य डॉ. पीसी उपाध्याय, डॉ. पूजा सक्सेना, डॉ. रोहिणी माहेश्वरी, डॉ. वंदना आकोदिया, डॉ. दिलीप राठौड़, दिनेश कुमार शर्मा मौजूद रहे।

निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

छबड़ा (निसं)। कस्बे के धरनावदा रोड पर स्थित मुसाफिरखाना की भूमि को लेकर नगर पालिका द्वारा नोटिस दिए जाने की कार्रवाई से पूर्व विधायक करणसिंह राठौड क्षुब्ध हैं। उन्होंने भाजपा पर समुदाय विशेष को परेषान का आरोप लगाया हैं और कडी निंदा करते हुए छबड़ा में सभी के साथ समान रूप से निश्पक्ष कार्रवाई की मांग की। राठौड ने कहा कि मुसाफिर खाना को एक व्यक्ति की संस्था नहीं है। यह सारे मुस्लिम समुदाय के लिए बनाई गई संस्था है। जिसमें मेरे कार्यकाल में 10 लाख रुपए विधायक कोष से दिए गए थे, जिसका निर्माण कार्य उक्त भूमि पर सार्वजनिक उपयोग के लिए किया गया था। राठौड ने जिला कलेक्टर को पत्र प्रेषित कर नगरपालिका द्वारा समुदाय विशेष को परेशान करने के उद्देष्य से की जा रही कार्रवाई में गलत बताया हैं। वही, मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन देकर नियमानुसार राषि जमा करवाकर पट्टा दिलाने एवं नगर पालिका द्वारा मुस्लिम छात्रावास के विरूद्ध कार्रवाई नही किए जाने की मांग की।

महादेव की पालकी कल निकलेगी

छीपाबड़ौद (निसं)। सावण मास में तीसरे सोमवार पांच अगस्त 2024 सोमवार को कांवड़ यात्रा व नीलकंठ महादेव की पालकी निकाली जाएगी त्रिलोक सोनी ने बताया कि कावडयात्रा एवं पालकी चौथ माता मंदिर पसार मोहल्ले से दोपहर 12 बजे रवाना होगी जिसका मार्ग चौथ माता से तेजमल जी जोशी की गली.बलायराम जी.देव दूध डेयरी, राज मंदिर, पुरानी तहसील, सब्जी मंडी, कोटा वाले सर्राफ के पीछे से मंगूचाचा के मकान से नीलकंठ महादेव मंदिर पर पहुंचेगी जहां कावडीयो दारा जलाभिषेक किया जाएगा और रात्रि 8:30 बजे महाआरती का आयोजन भी किया जायेगा।

गोपरनाथ महादेव से छठवीं कावड़ यात्रा रावतभाटा आई

रावतभाटा, (निसं)। उपखण्ड में सावन महीने की छठवीं कावड़ यात्रा षुक्रवार को गोपरनाथ महादेव कोटा से रावतभाटा आई। नगर के पांच मन्दिरों में जल अभिषेक किया गया, जिसमें बडौलिया मंदिर, महापालेश्वर मंदिर, गुरु गणपति ज्ञान मंदिर, अनोखे राज हनुमान मंदिर, मानव मंदिर में जल अभिषेक किया गया। मानव मंदिर महासभा की और से मानव मंदिर में बड़ी संख्या में कावड यात्रियों का पुष्प वर्षा से जोरदार स्वागत किया गया, व आरती पंडित चंद्र प्रकाश के द्वारा की गई व अभिषेक प्रकाश गर्ग के द्वारा करवाया गया। बीजेपी के कार्यकर्ता वह आमजन के द्वारा स्वागत किया गया, अभिषेक के बाद में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कावड यात्रियों में संचालक करता में शुभम बैरागी, बिट्टू, शैलेंद्र गौड, आकाश सोनी, सुमित, पीयूष, दीपू यादव, खुशाल, दीपक, यशवंत, मोहित, भारती, सुनीता, कंचन भाई, कमला बाई आदि लोगों का स्वागत करने वालों में महासभा के उपाध्यक्ष सुरेंद्र कडवासरा, कोषाध्यक्ष प्रहलाद माली आदि मौजूद रहे।

विशेष शिविर आयोजित

रावतभाटा, (निसं)। निर्वाचन विभाग की और से 17 से 18 वर्ष के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए शहर के सभी मतदान केंद्रों में विशेष शिविर लगाए गए हैं। परमाणु बिजलीघर की आवासीय कॉलोनी में स्थित परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 में बूथ संख्या 282 से बीएलओ नवल वर्मा, 283 से विशंभर मीणा, 284 से हश्वर्धन मौजूद रहे। इस दौरान शिविर में मौजूद पार्षद मनीष गिरी ने बीएलओ के साथ प्रधानाचार्य से भेट की एवं उन्हे शिविर की जानकारी दी साथ विद्यालय में मौजूद अध्यापकों एवं 12 वी कक्षा में अध्यन कर रहे छात्र-छात्राओं को वोटर हेल्पलाइन एप स्मार्ट फोन में डाउनलोड करके मतदाता पहचान पत्र के लिए रजिस्टर करने की पूर्ण जानकारी दी।

सवा करोड़ से अधिक की कीमत का 850 किलो अवैध डोडा-चूरा जब्त

रावतभाटा, (निसं)। जिले के रावतभाटा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बडी कार्यवाही करते हुए एक एम्बुलेंस में भरा सवा करोड से अधिक कीमत का 850 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया हैं।

बारिश व घना जंगल होने की वजह से आरोपी पुलिस के हाथ नही लगा। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड व परिवहन की रोकथाम करने के समस्त पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इसी क्रम में रावतभाटा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भगवत सिंह हिंगड एवं रावतभाटा पुलिस उपाधीक्षक प्रभुलाल कुमावत के सुपरविजन में रावतभाटा थानाधिकारी रायसल सिंह षेखावत मय पुलिस जाब्ते में हैड कानि. विक्रम सिंह, कानि. ओमप्रकाश, रमेश व पुष्पेन्द्र सिंह द्वारा शुक्रवार को हॉस्पीटल रावतभाटा के पास लोकल स्पेशल एक्ट की कार्यवाही की जा रही थी। इसी दौरान एक एम्बुलेंस तेज गति से निकली, जिसका संदिग्ध प्रतीत होने पर पीछा

पुलिस ने अवैध अवैध डोडा-चूरा जब्त किया।

किया तो सरहद जावरा कला से आगे जंगल में एम्बुलेंस को एम्बुलेंस चालक रोड के किनारे छोड कर फरार हो गया। एम्बुलेंस को चैक किया तो एम्बुलेंस में प्लास्टिक के 40 कट्टो में कुल 851.270 किलोग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा मिला। एम्बुलेंस व अवैध डोडाचूरा को जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ थाना रावतभाटा पर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। मामले में अज्ञात आरोपी पुलिस द्वारा पिछा करने पर अवैध डोडा चूरा से भरी उक्त एम्बुलेंस को रोड के किनारे पर छोडकर बारिश होने से व घना जंगल होने से भाग गया, जिसकी काफी तलाश की गई मगर जंगल में छिपकर भागने में सफल रहा, जिसकी तलाश जारी है।

'बेटियों को संस्कार और परम्परा की गूढ़ता का महत्व समझाएं'

बून्दी (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब बूंदी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रुक्मिणी मंगल कथा के द्वितीय दिवस शनिवार को कथा व्यास गौवत्स पं विष्णु श्री कृष्ण तनय महाराज ने बताया कि कन्या का जन्म ईश्वरीय कृपा के साथ साथ परम महासौभाग्य से होता है आजकल के समय में जहां हमारी मानसिकता बच्चों को स्वतंत्रता के नाम पर खुले आम तौर पर अभद्रता का प्रदर्शन करने की छूट देने की जो बनी है यह हमारे आने वाले भविष्य की कंटकता बनेगी। इन्होंने कहा कि प्राय: बच्चों को छूट दीजिए लेकिन संस्कारों और परम्पराओं में कोई कमी मत रखिए। आजकल बच्चे मनमर्जी शिक्षा विवाह अपनी विचारधारा के अनुसार करने लगे जो कि बहुत नुकसानदायक है। इन्होंने कहा कि रुक्मिणी जी ने अपने पिता की आज्ञा को शिरोधार्य करते हुए जब भाई ओर परिवार के कुछ लोग विपरीत हो गए तो धैर्यता का परिचय देते हुए श्रीकृष्ण की शरणागति ग्रहण की यह बात समझने वाली है कि इस जगत में अगर कोई हमारा है या हमारा सच्चा साथी और साथ निभा सकता है तो वह मात्र और मात्र श्रीकृष्ण ही हैं उनके अलावा और किसी पर भी भरोसा प्रकट न कीजिए। कथा के दौरान चंदेरी के राजा शिशुपाल की बारात का सुंदर वर्णन किया गया। अध्यक्ष भगवान बाहेती , राजेश बहेड़िया,रेणु बाहेती , गरिमा बहेड़िया ने आरती की। कथा श्रवण करने आये विधायक हरिमोहन शर्मा का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। कथावाचक विष्णुश्री कृष्णतनय के गाये भजन मोहन से दिल क्यो लगाया है ये में जानू या वो जाने मिलता भी है वो मिलता भी नही ये कैसा जादू चलाया है ये में जानू या वो जाने पर राहुल लखोटिया, डॉ बद्रीविशाल

■ तीन दिवसीय रुक्मणी मंगल कथा का समापन आज

मुंदडा, पल्लव नुवाल, आशीष जाजू, बालकृष्ण जाजू, गोपाल गुप्ता, विनोद तोतला, अंकित नुवाल, शुभम जागेटिया, रंजना जाजू, भावना कासट,किरण लखोटिया, अंशु तोतला आदि ने भजनों पर नृत्य किये। रविवार को कथा का समापन प्रसादी वितरण के साथ होगा।

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब बूंदी द्वारा रुक्मिणी मंगल कथा आयोजित की गई।

चौथा स्थान हासिल करना निश्चित रूप से बहुत अच्छा नहीं लगता लेकिन अगली बार निश्चित तौर पर परिणाम मेरे अनुकूल होगा। अब मेरे पास दो पदक हैं और अगली बार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ढेर सारी प्रेरणा है। **- मनु भाकर**

भारतीय निशानेबाज, पेरिस ओलंपिक में अपने प्रदर्शन को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कुमार संगकारा

श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के हेड कोच बनेंगे या नहीं? इसे लेकर जमकर अटकलें लग रही हैं। संगकारा ने अब अटकलों पर खुद चुप्पी तोड़ी है। संगकारा का कहना है कि इंग्लैंड का कोच बनना किसे के लिए भी रोमांचक होगा लेकिन उन्हें अभी तक औपचारिक तौर पर अप्रोच नहीं किया गया है। बता दें कि मैथ्यू मॉट ने हाल ही में व्हाइट-बॉल हेड कोच के पद से इस्तीफा दे दिया। मॉट का चार साल का अनुबंध था लेकिन दो साल में ही उनकी राहें अलग हो गईं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत की ओर से डब्लूटीए टूर्नामेंट जीतने वाली पहली खिलाड़ी सानिया मिर्जा है। सानिया ने फरवरी, 2005 में हैदराबाद टूर्नामेंट जीतते हुए यह उफलब्धि हासिल की।

शूटिंग : अनंत जीत सिंह नरूका पुरुषों की स्कीट फाइनल से चूके

पेरिस, 3 अगस्त। भारतीय निशानेबाज अनंत जीत सिंह नरूका शनिवार को पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों के स्कीट क्वालिफिकेशन राउंड में 24वें स्थान पर रहे। चेटेउरौक्स में, नरूका ने पांच राउंड में कुल 116 का स्कोर बनाया, लेकिन उनका यह प्रदर्शन उन्हें ओलंपिक डेब्यू पर फाइनल में ले जाने के लिए काफी नहीं रहा। केवल शीर्ष छह निशानेबाज आज बाद में पुरुषों के स्कीट फाइनल में हिस्सा लेंगे। भारत ने ओलंपिक में निशानेबाजी में सात पदक जीते हैं। हालांकि, भारतीय निशानेबाज अभी तक ग्रीष्मकालीन खेलों की स्कीट स्पर्धा में पदक नहीं जीत पाए हैं।

नौकायन : विष्णु सरवनन 23वें स्थान पर खिसके

पेरिस, 3 अगस्त। भारत के विष्णु सरवनन शनिवार को पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की डिंगी इवेंट में रेस 5 में 21वें और रेस 6 में 13वें स्थान पर रहे। सभी नावें शुरुआती सीरीज में 10 रेस में हिस्सा लेंगी। सीरीज के बाद शीर्ष 10 नेट स्कोर वाली नौकाएं मेडल रेस में शामिल होंगी। रेस 6 के बाद, एशियन गेम्स के कांस्य पदक विजेता सरवनन 83 नेट स्कोर (कुल 117 अंक) के साथ 23वें स्थान पर हैं। वह कल अपने प्रदर्शन से एक स्थान नीचे खिसक गए हैं। रेस 7 और रेस 8 कल यानी चार अगस्त को आयोजित की जाएंगी।

दिल्ली में शुरू होगी सब जूनियर पुरुष और महिला अकादमी चैम्पियनशिप

नई दिल्ली, 3 अगस्त। दूसरी हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला अकादमी चैंपियनशिप 2024 जोन ए और बी रविवार से नई दिल्ली में पुरुष वर्ग के मैचों के साथ शुरू होगी। इसके बाद पांच अगस्त से महिला वर्ग के मैच शुरू होंगे। पुरुष और महिला दोनों फ़ाइनल 11 अगस्त को होंगे। पुरुष वर्ग के मैच मेजर ध्यानचंद हॉकी ग्राउंड, घुम्मनहेड़ा, दिल्ली में होंगे, वहीं महिला वर्ग के मैच झिलमिल हॉकी सेंटर, नई दिल्ली में खेले जाएंगे। अकादमी चैम्पियनशिप के पुरुष वर्ग में भाग लेने वाली टीमें पूल ए में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी, चीमा हॉकी अकादमी और रितु रानी हॉकी अकादमी हैं। पूल बी में घुम्मनहेड़ा राइजर अकादमी, जय भारत हॉकी अकादमी और आर के रॉय हॉकी अकादमी शामिल हैं। पूल सी राजा करण हॉकी अकादमी, नामधारी स्पोर्ट्स अकादमी और तिरुमावलवन हॉकी अकादमी से बना है।

जय शाह ने दिखाई नई नेशनल क्रिकेट एकेडमी की पहली झलक, जल्द उद्घाटन

नई दिल्ली, 3 अगस्त। बेंगलुरु में जल्द ही एक नई नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) का उद्घाटन होने वाला है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने नए एनसीए की पहली झलक दिखाई है। उन्होंने चार तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें एनसीए का नजारा देखा जा सकता है। बीसीसीआई सचिव ने साथ ही बताया कि यहां क्या-क्या सुविधाएं होंगी? उन्होंने कहा कि नए एनसीए में तीन विश्व स्तरीय खेल मैदान के साथ 45 प्रैक्टिस पिच होंगी। यहां ओलंपिक साइज का स्विमिंग पूल भी होगा। जय शाह ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि बीसीसीआई की नई नेशनल क्रिकेट एकेडमी लगभग पूरी हो गई है और जल्द ही बेंगलुरुमें खुलेगी। नए एनसीए में तीन वर्ल्ड क्लास खेल मैदान, 45 प्रैक्टिस पिच, इनडोर क्रिकेट पिच, ओलंपिक साइज स्विमिंग पूल और अत्याधुनिक ट्रेनिंग, रिकवरी और खेल विज्ञान सुविधाएं होंगी। इस पहल से हमारे देश के वर्तमान और भविष्य के क्रिकेटरों को सर्वोत्तम संभव माहौल में अपना कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। बीसीसीआई सचिव की पोस्ट पर क्रिकेट फैंस के जमकर रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने कहा, युवाओं के लिए बेहतर अभ्यास करने का यह सबसे अच्छा अवसर होगा। दूसरे ने कमेंट किया, सभी युवा खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर। रिकवरी प्रोसेस और भी आसान होगा। तीसरे ने कहा, अच्छी सुविधाओं से ही खिलाड़ियों को अच्छी प्रैक्टिस मिलेगी। अन्य ने लिखा, देश में क्रिकेट की बेहतरी के लिए इसी तरह से पैसे का निवेश किया जाना चाहिए।

मान ने सिंह को अगले मुकाबलों के लिए दी शुभकामनायें

चंड़ीगढ़, 3 अगस्त। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को फोन करके पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल मैच के लिये शुभकामनायें दीं। मान ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान अफसोस जताया कि वह पेरिस जाकर भारतीय हॉकी टीम का हौसला बढ़ाना चाहते थे, लेकिन दुर्भाग्यवश केंद्र सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को अच्छी तरह पता होने के बावजूद, राजनीतिक कारणों से मंजूरी देने से इनकार कर दिया गया। श्री मान ने कहा कि वह मैच के दौरान भारतीय हॉकी टीम के साथ रहना चाहते थे, लेकिन अब उन्हें टीवी स्क्रीन पर मैच का सीधा प्रसारण देखना पड़ेगा। उन्होंने कहा, भले ही मुझे अनुमति देने से इनकार किया गया है, लेकिन पूरा देश और खास तौर पर पंजाब इस मैच के दौरान हॉकी के नायकों के साथ होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक में देश के लिये स्वर्ण पदक जीतकर सफलता की नयी कहानी लिखेगी। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। पदक लेकर घर लौटने वाली हॉकी टीम का भव्य स्वागत किया जायेगा। मान ने खेल के कुछ तकनीकी पहलुओं को सांझा करते हुये हरमनप्रीत को सलाह दी कि वे टीम के सेंटर में स्थित उन जगहों पर ध्यान दें, जहां से हाल ही के मैचों में ऑस्ट्रेलिया की टीम द्वारा अधिक पास दिये गये थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि भारत ने 52 साल के लंबे अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम को हराया।

बैडमिंटन में भारत को स्वर्ण की उम्मीद

लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 3 अगस्त। पिछले दो ओलंपिक खेलों में चीनी दबदबा वाले समझे जाने वाले बैडमिंटन में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। बैडमिंटन दो खिलाड़ियों या युगल टीमों द्वारा कोर्ट पर खेला जाने वाला एक रैकेट और शटल के साथ खेला जाने वाला गेम बैडमिंटन कहलाता है।

इस खेल का नाम इंग्लिश काउंटी ग्लोस्टरशायर में ड्यूक ऑफ़ ब्यूफोर्ट के घर बैडमिंटन हाउस से लिया गया है। वर्तमान में बैडमिंटन मैच बेस्ट ऑफ 3 गेम के लिए खेले जाते हैं, जिसके अनुसार पहले जो भी खिलाड़ी 2 सेट अपने नाम कर लेता है वह विजेता घोषित कर दिया जाता है। बैडमिंटन का प्रत्येक राउंड 21-21 पॉइंट का होता है। इस खेल में इस्तेमाल होने वाले कोर्ट की लंबाई 13.4 मीटर होती है। तो वहीं, सिंगल्स के लिए कोर्ट की चौड़ाई 5.8 मीटर और डबल्स के लिए 6.01 मीटर होती है। खेल में प्रयुक्त नेट की निर्धारित ऊंचाई 1.2 ही मीटर रखी जाती है। मैदान के चारों ओर प्रयुक्त डबल लाइन और सिंगल लाइन भी बनी होती है, जिसे सिंगल्स और डबल्स स्पर्धाओं में अलग-अलग तरह से उपयोग में लाया जाता है।

बैडमिंटन का ओलंपिक में डेब्यू 1992 में हुआ था। तो वहीं, मिश्रित युगल स्पर्धा की शुरुआत 1996 के अटलांटा ओलंपिक गेम्स में हुई थी। 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत को लक्ष्य सेन से स्वर्ण पदक की पूरी-पूरी उम्मीद है। जो सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुके हैं। तो वहीं, पिछले दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु इस बार क्वार्टरफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो चुकी हैं।

12 साल बाद धोनी से मिले टी-20 वर्ल्ड कप 2007 फाइनल के हीरो जोगिंदर शर्मा

नई दिल्ली, 3 अगस्त। 2007 टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के हीरो जोगिंदर शर्मा की हाल ही में मुलाकात पूर्व कप्तान एमएस धोनी से हुई। जोगिंदर पूरे 12 साल बाद माही से मिले और वह इस दौरान काफी खुश नजर आएं। जोगिंदर शर्मा ने इस मुलाकात की कुछ झलकियां अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। धोनी से हुई मुलाकात की झलकियां शेयर कीं और कहा कि वह 12 साल बाद धोनी से मिलकर वाकई बहुत खुश हैं। जोगिंदर ने ऐ यार सुन यारी तेरी नाम का एक पुराना हिंदी गाना इस्तेमाल किया और पोस्ट को कैप्शन दिया, "बहुत लंबे समय के बाद धोनी से मिलकर अच्छा लगा। लगभग 12 साल बाद आपसे मिलने का मजा आज अलग था।" जोगिंदर शर्मा ने भारत को 2007 टी20 वर्ल्ड कप का चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। धोनी ने फाइनल का आखिरी ओवर जोगिंदर शर्मा को देकर एक जुआ खेला था और जोगिंदर उनकी उम्मीदों पर खरे उतरे थे। माही का जोगिंदर को आखिरी ओवर देना एक निर्णायक फैसला साबित हुआ, मिस्बाह उल हक का विकेट लेकर जोगिंदर शर्मा ने भारत को पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीताया था।

भारत की तीरंदाजी में पदक का 52 साल का इंतजार और लंबा हुआ

पेरिस, 3 अगस्त। ओलंपिक में तीरंदाजी पदक के लिए भारत का 52 साल पुराना इंतजार शनिवार को यहां चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी के बाहर होने के साथ और भी लंबा हो गया। भारतीय मिश्रित टीम के चौथे स्थान पर रहने के एक दिन बाद शनिवार को 30 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की ओलंपिक रजत पदक विजेता मिशेल क्रोपेन को 6-4 (27-24, 27-27, 27-29, 27-27) से हराकर अच्छी शुरुआत की लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में 19 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी नाम सुहयोन से 6-4 (26-28, 28-25, 28-29, 29-27, 29-27) से हार गयीं। अपने चौथे ओलंपिक में भाग ले रही अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य के साथ संघर्ष किया, दूसरे सेट में अंक बांटे और तीसरे सेट में सात का स्कोर करने के बाद भी अपनी बढ़त 5-1 कर ली।

ब्रिटेन से भिड़ेगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली, 3 अगस्त। भारतीय हॉकी टीम का पेरिस ओलंपिक 2024 में अभी तक का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा है। ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और आयरलैंड को हराने वाली भारतीय टीम की अगली भिड़ंत तय हो गई है। दरअसल, भारत का अगला मुकाबला ग्रेट ब्रिटेन से है। ब्रिटेन अपने ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर है, जबकि भारत ग्रुप बी में दूसरे पर काबिज है। वहीं बता दें कि, टोक्यो ओलंपिक में भारत ने क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को ही हराया था।

भारतीय हॉकी ने अपने पिछले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया था। भारत ने ओलंपिक्स में कंगारू टीम को 52 साल बाद हराया है। लेकिन भारत को ऑस्ट्रेलिया से पहले बेल्जियम के हाथों हार झेलनी पड़ी। वहीं अर्जेंटीना से भारत ने ड्रॉ खेला था। वहीं ब्रिटेन की बात करें तो उसे अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में जर्मनी के खिलाफ 1-2 से हार झेलनी पड़ी। भारत और ब्रिटेन के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला 4 अगस्त रविवार को खेला जाएगा। वहीं ये मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे से शुरू होगा।

सात्विक-चिराग के कोच मैथियास बो ने किया संन्यास का ऐलान

पेरिस, 3 अगस्त। भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के कोच मैथियास बो ने पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों के बाद अपने संन्यास की घोषणा की है। बो ने सोशल मीडिया पर कहा, मेरे लिए मेरे कोचिंग के दिन समाप्त होते हैं, मैं कम से कम अभी के लिए भारत या कहीं और कोचिंग जारी नहीं रखूंगा। मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत अधिक समय बिताया है और कोच बनना भी काफी तनावपूर्ण है। बो के सानिध्य में भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में खिताब जीते जबकि विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता। उन्होंने अपनी पोस्ट में सात्विक-चिराग की प्रशंसा की। उन्होंने अपने पेरिस 2024 अभियान के बाद कहा, मुझे पता है कि आप लोग निराश हैं, मुझे पता है कि आप भारत के लिए पदक वापस लाना चाहते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होना था। बो ने आगे कहा, लेकिन आपके पास गर्व करने के लिए सबकुछ है, आपने इस ओलंपिक कैंप में कितनी मेहनत की है। आपने पिछले वर्षों में बहुत कुछ जीता है और आप भविष्य में भी बहुत कुछ जीतने जा रहे हैं।

हर हॉकी अकादमी, आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी रिपब्लिकन स्पोर्ट्स क्लब और अश्विनी स्पोर्ट्स अकादमी को पूल-डी में रखा गया

नई दिल्ली, 3 अगस्त। महिला वर्ग में दो पूल हैं। पूल ए में हर हॉकी अकादमी, खालसा हॉकी अकादमी (अमृतसर), अनंतपुर स्पोर्ट्स अकादमी और रितु रानी हॉकी अकादमी शामिल हैं। पूल बी में जय भारत हॉकी अकादमी, सिटीजन हॉकी इलेवन, राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी और आर के रॉय हॉकी अकादमी शामिल हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, खिलाड़ियों के पूर्ण विकास को सुनिश्चित करने के लिए हमें युवाओं को उनके करियर के शुरुआती चरण में पर्याप्त मैच अनुभव प्रदान करना चाहिए। सब जूनियर अकादमी चैंपियनशिप युवाओं को वर्षों से की गई कड़ी मेहनत के परिणामों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच देगी।

अनवर ने बिना उचित कारण के मोहन बागान से तोड़ा नाता : एआईएफएफ

कोलकाता, 3 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को कहा कि डिफेंडर अनवर अली (23) द्वारा अपने क्लब मोहन बागान सुपर जायंट के साथ खिलाड़ी ऋण समझौते से संबंधित समाप्ति बिना किसी उचित कारण के की गई। एआईएफएफ की प्लेयर्स स्टेटस कमेटी ने अपने अंतरिम आदेश में अनवर अली द्वारा अपने क्लब मोहन बागान सुपर जायंट के साथ खिलाड़ी ऋण समझौते से संबंधित बर्खास्तगी को बिना किसी उचित कारण के पाया। समिति ने दो अगस्त 2024 को आयोजित अपनी बैठक में विवाद के दोनों पक्षों को सुना और निष्कर्ष निकाला कि खिलाड़ी द्वारा बिना किसी उचित कारण के अनुबंध समाप्त करने के लिए प्रतिवादी क्लब के लिए उपाय केवल क्षितपूर्ति/मुआवजा और संबंधित विनियमों से उत्पन्न होने वाले अन्य संबंधित परिणामों में निहित है। समिति ने दिल्ली एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी को प्रभावित पक्ष पाया और उन्हें अपना लिखित जवाब प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया, साथ ही खिलाड़ी और क्लब को आठ अगस्त, 2024 तक मुआवजे और इस तरह की समाप्ति से उत्पन्न होने वाले किसी भी अन्य परिणाम तक सीमित एक और जवाब प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई है। समिति सभी उत्तरों की प्राप्ति पर मुआवजे के मुद्दे और या बिना किसी उचित कारण के ऋण अनुबंध की समाप्ति से उत्पन्न होने वाले किसी भी अन्य परिणाम पर निर्णय लेने के लिए अगली सुनवाई की तारीख तय करेगी।

मनु भाकर पदकों की हैट्रिक लगाने से चूकी

नई दिल्ली, 3 अगस्त। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक खेलों की 25 मीटर महिला स्पोर्ट्स पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा में शनिवार को यहां चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गयी। बाइस साल मनु ने आठ महिलाओं के फाइनल में 28 का स्कोर किया और इस खेलों में पदकों की हैट्रिक पूरी करने से चूक गईं। वह शूट-ऑफ में हंगरी की कांस्य पदक विजेता वेरोनिका मेजर से हार गईं। इससे पहले उन्होंने गुरुवार को प्रिसिजन में 294 और रेपिड में 296 अंक के साथ कुल 590 अंक जुटाकर क्वालीफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। मनु भाकर ने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम वर्ग में भी कांस्य पदक जीता। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

मीराबाई चानू से इस बार गोल्ड मेडल की आस

नई दिल्ली, 3 अगस्त। टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली स्टार वेटलिफ्टर सेखोम मीराबाई चानू से देश को इस बार गोल्ड मेडल की आस है। 49 किलो भारवर्ग में वजन उठाकर गोल्ड मेडल का जोर लगाने के लिए मीराबाई पूरी जोरों शोरों से तैयारी कर रही हैं। साथ ही दिलचस्प बात ये है कि भारत की तरफ से इस इवेंट में मीराबाई एकलौती एथलीट हैं जो पेरिस में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

वहीं 49 किग्रा की कैटेगरी में क्वॉलीफाई कर चुके बाकी एथलीट्स को देखें तो फिलहाल पूरी दुनिया में सिर्फ एक ही वेटलिफ्टर हैं जिसने मीराबाई से ज्यादा वजन उठाया है। मीराबाई ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में भी गोल्ड अपने नाम किया था। उन्होंने वर्लड चैंपियनशिप में भी सिल्वर मेडल जीता था। हालांकि, वह 2022 एशियाई खेलों में अपना जलवा नहीं दिखा पाई थीं।

भारतीय फैंस इस बार उनके स्नैच, क्लीन और जर्क राउंड में बेहतरीन तालमेल को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मीराबाई ने कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल 201 किलो वजन उठाकर सोने का तमगा अपने नाम किया था, तब उनके मुकाबले में उनके आसपास भी कोई नहीं थी। इन खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम करने वाली उनकी प्रतिद्वंद्वी ने सिर्फ 172 किलो भार ही उठाया था। चानू का टारगेट इस बार अपने दोनों राउंड की वेटलिफ्टिंग में ज्यादा से ज्यादा 115 किलो का वजन उठाने पर होगा।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी थे

आरसीए का एंपायर व स्कोरर (पुरुष व महिला) फ्रेशर सेमीनार शुरू

जयपुर, 3 अगस्त। आरसीए के 3 दिवसीय आरसीए एम्पायर व स्कोरर (पुरुष व महिला) फ्रेशर सेमिनार व परीक्षा का उद्घाटन आज दिनांक 3 अगस्त 2024 को प्रात: 11 बजे होटल विएना, गाँधी पथ वैशाली नगर में हुआ। सेमिनार के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी थे साथ इस इस अवसर पर आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य रतन सिंह शेखावत, धर्मवीर सिंह शेखावत व हरीश चंद्र सिंह, सेमिनार के सह संयोजक सतीश व्यास, पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी पंकज सिंह, राजस्थान के पूर्व रणजी कप्तान रोहित झालानी, विनीत सक्सेना, आरसीए क्यूरेटर तापोश चटर्जी सहित आरसीए ऑफिशियल मौजूद थे। सेमिनार के उद्घाटन आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक श्री जयदीप बिहाणी जी ने कहा की जब से एडहॉक कमेटी का गठन हुआ है उनका व सभी सदस्यों का पूरा प्रयास रहा है की राज्य के युवा खिलाडियों के लिए हर स्तर पर उचित खेल का वातावरण व सहायता उपलब्ध कराई जाये जिससे उन्हें आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र में न केवल खेलने का मौका मिले साथ ही उन्हें उच्च स्तरीय विकेट , मैदान व प्रशिक्षित मैच ऑफिशल्स उपलब्ध हो सके।

मनु आपने कम उम्र में स्थापित की उल्लेखनीय विरासत : बिंद्रा

नई दिल्ली, 3 अगस्त। बीजिंग ओलंपिक 2008 के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने भारतीय महिला शूटर मनु भाकर का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि उन्होने मात्र 22 साल की उम्र में एक उल्लेखनीय विरासत स्थापित कर ली है। मनु ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 मीटर पिस्टल की व्यक्तिगत और मिश्रित स्पर्धा में कांस्य पदक जीत कर देश को गौरवान्वित किया है हालांकि शनिवार को वह 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में हैट्रिक पदक पर निशाना लगाने से चूक गयी और उन्हे चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा। बिंद्रा ने मनु के प्रयास की सराहना करते हुये एक्स पर पोस्ट किया मनु, आपने पूरे देश को अपनी अविश्वसनीय उपलब्धि की सराहना करने के लिए मजबूर कर दिया है। तीसरा ओलंपिक पदक जीतना एक असाधारण उपलब्धि होती, लेकिन आपने पेरिस में जो हासिल किया वह वास्तव में स्मारकीय है। आपकी यात्रा अथक परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है। मात्र 22 साल की उम्र में, आपने पहले ही एक उल्लेखनीय विरासत स्थापित कर ली है, और यह केवल शुरुआत है। मनु भाकर ऐसी चौथी भारतीय निशानेबाज है जो मामूली अंतर से हार कर ओलंपिक में चौथी पायदान पर आयी हैं। इससे पहले मौजूदा ओलंपिक में भारतीय पुरुष शूटर अर्जुन बाबूता 10 मीटर एयर राइफल में चौथे स्थान पर आये थे जबकि 2012 के लंदन ओलंपिक में जॉयदीप कर्माकर को पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन में चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। 2008 के ओलंपिक गोल्ड मैडेलिस्ट अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में पदक जीतने से चूके थे।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा मुख्यालय में शनिवार को कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद थीं।

प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र में चार संयुक्त उपक्रमों की स्थापना को मंजूरी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय लिया गया

- इन उपक्रमों से 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा।
- इन संयुक्त उपक्रमों से प्रदेश में मेट्रो परियोजनाओं को गति मिलेगी।

जयपुर, 3 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को हुई राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में ऊर्जा क्षेत्र में चार संयुक्त उपक्रमों की स्थापना को मंजूरी दी गई। इन उपक्रमों से प्रदेश में 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसके अलावा जॉइंट वैंचर (जे.वी.) कंपनी से प्रदेश में मेट्रो परियोजनाओं का संचालन होगा। वहीं संस्कृत शिक्षा विभाग में पदनाम परिवर्तन, इसी के साथ चिकित्सा शिक्षा विभाग में सुपर स्पैशिएलिटी शिक्षकों की कमी दूर करने से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेट्रो रेल नीति 2017 के अनुसार, केंद्र सरकार और राज्य के बीच संयुक्त उद्यम (जे.वी.) कंपनी के गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। यह संयुक्त उद्यम राजस्थान में वर्तमान में चल रही एवं भविष्य की मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास, परिचालन एवं क्रियान्वयन के लिए होगा। मेट्रो रेल नीति-2017 के अनुसार इस जे.वी. को भारत सरकार से मेट्रो परियोजना लागत में वित्तीय सहयोग (अंशपूंजी एवं ऋण के रूप में) प्राप्त हो सकेगा। साथ ही, राज्य की मेट्रो परियोजनाओं के लिए तकनीकी एवं प्रशासनिक सहयोग प्राप्त हो सकेगा।

मंत्री ने बताया कि प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से गत 10 मार्च को राज्य सरकार और विभिन्न केन्द्रीय पब्लिक सेक्टर यूनिट (पी.एस.यू.) के बीच हुए एम.ओ.यू. की अनुपालना में मंत्रिमंडल की बैठक में भारत सरकार की विभिन्न पी.एस.यू. के साथ जॉइंट वैंचर कंपनियों के गठन के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन परियोजनाओं में राज्य सरकार की कंपनियों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और केन्द्रीय पी.एस.यू. कंपनियों की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रहेगी।

उन्होंने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड और राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (आर.वी.यू.एन.एल.) के बीच दो अलग अलग जॉइंट वैंचर की स्थापना की जाएगी। इसमें एक तापीय परियोजना एवं दूसरी अक्षय ऊर्जा परियोजना होगी। इन जेवी से बिजली की बेस लोड और पीक लोड डिमांड पूरी होगी। साथ ही बिजली उत्पादन में प्रदेश के वित्तीय भार में कमी आएगी। पहली परियोजना के अंतर्गत कालीसिंध तापीय परियोजना झालावाड़ परिसर में 800 मेगावाट की इकाई या किसी अन्य पीटहैड ग्रीनफील्ड कोयला परियोजना की स्थापना की जाएगी। दूसरी जेवी के तहत दो हजार से ढाई हजार मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना, पंप स्टोरेज परियोजना और पवन ऊर्जा परियोजना की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से 17 हजार 200 करोड़ से 24 हजार 400 करोड़ रूपये का प्रदेश में निवेश होगा।

मंत्री ने बताया कि अक्षय ऊर्जा परियोजना की स्थापना के लिए एन.टी.पी.सी. ग्रीन एनर्जी एवं आर.वी.यू.एन.एल. के मध्य जॉइंट वैंचर होगा। यह उपक्रम 25 हजार मेगावाट की सोलर/विंड/हाइब्रिड एनर्जी सहित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना करेगा। इसके माध्यम से प्रदेश में एक लाख करोड़ रूपये का निवेश होगा।

उन्होंने बताया कि विद्युत प्रसारण परियोजनाओं की स्थापना के लिए पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के मध्य जॉइंट वैंचर कंपनी की स्थापना की जाएगी। इससे राजस्थान में बढ़ती विद्युत लोड की मांग की पूर्ति के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली का विकास हो सकेगा। यह जे.वी. (निर्माण, स्वामित्व, संचालन एवं रखरखाव) आधार पर ट्रांसमिशन सिस्टम का संचालन करेगी और अपने द्वारा बनाई गई संपूर्ण ट्रांसमिशन क्षमता राजस्थान डिस्कॉम को उपलब्ध करवाएगी। इस जे.वी. के माध्यम से प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश होगा।

मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के लेखानुदान में प्रसारण निगम में केन्द्र सरकार के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) लाने की घोषणा की गई है। इसकी अनुपालना में राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड इनविट का गठन करेगा तथा इसे सेबी में पंजीकृत किया जाएगा। आर.वी.पी.एन. को इनविट के माध्यम से अपनी परिचालन ट्रांसमिशन परिसंपति के मुद्रीकरण के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव आज अनुमोदित किया गया है।

"बन्ना म्हारो केशरियो हजारी गुल रो फूल...", मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, भाजपा की सरकार ने सत्ता संभालते हुए एस.आई.टी. गठित की और 7 माह में 115 पेपर माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचाया

- नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा, केंद्रीय नेतृत्व ने सहज, सरल और जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ता को प्रदेश की कमान सौंपी।
- इस अवसर पर वसुंधरा राजे ने कहा, राजनीति में पद, मद और कद महत्वपूर्ण है। जनता के प्यार और विश्वास से अर्जित करें स्थाई कद।

जयपुर, 3 अगस्त, (का.सं.)। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पदभार ग्रहण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रर्ताओं के सम्मान और स्वाभिमान के लिए खून पसीना एक कर दूंगा। उन्होंने कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति को देखकर भावविभोर होकर कहा कि जो स्नेह और सम्मान मुझे दिया गया है, उसका मैं ऋणी हूं। जो मार्गदर्शन मुझे मिला है, उसके अनुसार संगठन और सत्ता के मध्य सेतु बनकर शीर्ष नेतृत्व द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरा करूंगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जिस मोहल्ले में रहते हैं, वो वहां सरकार के प्रतिनिधि हैं। आज राज कार्यकर्ताओं का है, सरकार कार्यकर्ताओं की है और सरकार के द्वारा किए गए कार्यों को जनता तक ले जाने की जिम्मेदारी भी कार्यकर्ताओं की है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने राजस्थानी गीत का उदाहरण देते हुए कहा, विवाह में दूल्हे के लिए परिजन महिलाएं गीत गाती हैं कि "बन्ना म्हारो केशरियो हजारी गुल रो फूल..."। वैसे ही देश का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राजस्थान का नेतृत्व करने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हम सबके दूल्हा हैं। राठौड़ ने कहा कि मेरे पूर्ववर्ती नेतृत्वकर्ताओं ने संगठन को मजबूती देने का और आगे बढ़ाने का काम बड़ी शिद्दत से किया है। मैं उनसे प्रेरणा लेकर और उनके मार्गदर्शन में जो विश्वास केन्द्रीय नेतृत्व ने जताया है और जो भरोसा कार्यकर्ताओं ने किया है, उस पर खरा उतरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का अभिनंदन करते हुए कहा कि मदन राठौड़ के नेतृत्व में हम सब भाजपा के विचार की इस यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। हमारे कार्यकर्ताओं ने विचार और संस्कार के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुशासन में जनता परेशान थी, पेपरलीक हो रहे थे। भाजपा की सरकार बनने के साथ ही एस.आई.टी. का गठन कर पेपर माफियाओं की कमर तोड़ने का काम किया गया। आज 115 से ज्यादा पेपर माफिया जेल की सलाखों के पीछे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के नेता कहते हैं कि अभी तो मछलियां पकड़ी गई हैं, मगरमच्छ बाहर हैं, मैंने उनको भी कहा है और आपको विश्वास दिलाता हूं कि जल्द ही मगरमच्छ भी शिंकजे में होंगे।

भाजपा के निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जाति और मजहब के नाम पर देश को बांटने का षडयंत्र कर रही है। उसे रोजे में रोजेदारों के लिए अलग से व्यवस्थाएं करना अच्छा लगता है लेकिन श्रावण के पवित्र माह में कावड़ियों की आस्था का सम्मान करना नागवार गुजरता है।

उन्होंने कहा, केन्द्रीय नेतृत्व ने मदन राठौड़ जैसे सहज, सरल और जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ता को प्रदेश की कमान सौंपी है। इसके लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार, और हम सब मिलकर उनके नेतृत्व में काम करेंगे।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने इस अवसर पर कहा कि राजनीति में उतार-चढाव आते रहते हैं, हर किसी को इस दौर से गुजरना पड़ता है। राजनीति में तीन चीजें महत्वपूर्ण हैं, पद, मद और कद। पद और मद तो आते जाते हैं लेकिन, जो व्यक्ति अपने काम से कद को बना लेता हैं, यही उसकी पूंजी है। जनता के प्यार और विश्वास से अर्जित कद स्थाई है, जिसे कोई छीन नहीं सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल पार्टी नहीं है, एक परिवार है और इस परिवार की सदस्य होकर मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस करती हूं।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि वसुंधरा जी की पूर्ववर्ती सरकार हो या वर्तमान की हमारी भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार, हमारे लिए लोक कल्याण सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, हम सबका पूरा विश्वास है कि अपने अनुभव से संगठन की ऊर्जा का उपयोग करते हुए मदन राठौड़ भाजपा को एक नए मुकाम पर ले जाएंगे।

इस अवसर पर मंच संचालन भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल ने किया और प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने आभार व्यक्त किया। मंच पर राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, सतीश पूनिया व अरुण चतुर्वेदी सहित अनेक वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की।

कार्यक्रम में संत शक्ति का मिला आशीर्वाद

कार्यक्रम में अलग से बने एक मंच पर प्रदेश के प्रख्यात साधू-संत उपस्थित थे। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को संतजनों ने अपना आशीर्वाद दिया। वे मंच पर पहुंचते ही सबसे पहले संत शक्ति के मंच पर पहुंचे और आशीर्वाद लिया।

जयपुर एयरपोर्ट से प्रदेश मुख्यालय तक जोरदार स्वागत

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के राजधानी दिल्ली से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाव-भीना स्वागत किया। इसके बाद युवा मोर्चा के नेतृत्व में बाइक रैली एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक निकालकर नए प्रदेश अध्यक्ष की अगवानी की गई। इस दौरान रास्ते में भाजपा के विभिन्न मोर्चा, प्रकोष्ठों और सामाजिक संगठनों की ओर से पुष्पवर्षा एवं ढोल-नगाड़ों के साथ नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया।

विधि विधान पूर्वक संभाली जिम्मेदारी

भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचने पर वैदिक पूजा अर्चना के बाद नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी से प्रदेश के नए अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, संगठन सह प्रभारी विजया राहटकर, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, पूर्व मंत्री कैलाश चौधरी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित प्रमुखजन उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्गीकृत कर दें तथा यह कारण बता दें कि उन लोगों के पास तो नौकरी हैं। लेकिन यह एक अन्याय होगा क्योंकि स्वीपर का काम करने वाली जातियों के साथ बहुत अधिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक भेदभाव होता आ रहा है। संविधान-निर्माताओं ने, एस.सी./एस.टी. के सजातीय वर्गों के प्रति "ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक भेदभाव के आधार पर, उनको आरक्षण दिया था। इस विचार की दलील है कि आरक्षित कोटा के अन्दर उपश्रेणी बना देने से संविधान की भावना ही पीछे छूट जायेगी। चिराग पासवान ने कहा "एस.सी./एस.टी. कोटा में क्रीमी लेयर निर्धारित करने की अनुमति हरगिज़ नहीं दी जा सकती। एस.सी./एस.टी. कोटा के अन्दर उपश्रेणियाँ बनाने से उस सामाजिक रूप से उपेक्षित तबके के उत्थान का उद्देश्य ही पूरा नहीं होगा, जो छुआछूत का शिकार रहा है।

यह भी सम्भव है कि शीर्ष अदालत का यह निर्णय दलित राजनैतिक के नए ब्रान्ड के उभरने का कारण बन जाये, क्योंकि दलित और आदिवासी वर्गों के विभिन्न श्रेणियों या उप-श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता तथा राजनैतिक दल उभर कर आ सकते हैं।

इसके साथ ही, राष्ट्रीय जातिगत जनगणना की माँग भी सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद जोर पकड़ सकती है क्योंकि राज्य सरकारों को उन जातियों की उप-श्रेणियों के सामाजिक-आर्थिक पैटर्न से सम्बन्धित आँकड़ों की जरूरत पड़ेगी।

पश्चिमी देशों में भारतीय मूल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नीतियों, खासकर आतंक समन्वय को रोकने में इन्टरनेट सेवाओं को निलम्बित करने को लेकर की गई उनकी आलोचना ने भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाया।

भारतीय मूल की होने और भारत के साथ पारिवारिक रिश्ते होने के बावजूद जयपाल ने अमेरिकी कांग्रेस में भारत के खिलाफ एक भ्रामक प्रस्ताव पेश किया, जिसका उद्देश्य प्रकट रूप से अमेरिका की सरकार को प्रभावित करना था, लेकिन विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस मामले में एक सटीक फटकार लगाई, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि ऐसी राजनीतिक शोशेबाजी के बावजूद भारत के पास अपने हितों की रक्षा करने की सामर्थ्य है।

निक्की हैली, प्रीत भरारा, बॉबी जिन्दल और सुएला ब्रेवरमैन जैसे भारतीय मूल के अन्य राजनेता ऐसी ही मनोवृत्तियों का प्रदर्शन करते हैं। अग्रणी रिपब्लिकन एवं संयुक्त राष्ट्रसंघ में अमेरिका की पूर्व राजदूत रह चुकीं हेली ने प्रायः ऐसा स्टैण्ड लिया, जो उनकी पार्टी की नीतियों से तो मेल खाता था किन्तु भारतीय हितों के विपरीत था। इस बात का एक उदाहरण यह है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर हुई चर्चा में उन्होंने भारत और चीन को "दो प्रदूषक" देश बताया था। यह भाषण अमेरिका में तो राजनीतिक दृष्टिकोण से लाभप्रद है किन्तु भारत की विकासात्मक चुनौतियों और ऊर्जा के सतत प्रयासों की अनदेखी करता है।

अमेरिका के दक्षिणी जिले में यू.एस.अटॉर्नी रह चुकी प्रीत भरारा ने भारतीय कूटनीतिक देवयानी खोब्रागडे के कथित वीज़ा घोटाले के लिए हुए अभियोजन में प्रमुख भूमिका निभाई थी। इस मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच एक बड़ी कूटनीतिक जंग भी चली। खोब्रागड़े को अपने कपड़ों की तलाशी न लिए जाने की कूटनीतिक छूट प्राप्त थी, लेकिन इस मामले में भरारा का कहना था कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, और इससे भारतीय नाराज़ हो गए थे। भरारा का रुख प्रायः इन धारणाओं को जन्म देता है कि वह अपनी खुद की नस्ल के लोगों को ही निशाना बनाती हैं।

यू.के. की पूर्व गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमैन को अपने "प्रवासी-रोधी" रुख के लिए जाना जाता था। उन्होंने प्रवासन को आंधी-तूफान की संज्ञा दी थी। विडम्बना यह है कि ब्रेवरमैन के स्वयं के माता-पिता ने 1960 के दशक में यू.के. में भारत के साथ एक व्यापार समझौते की यह कहकर आलोचना की थी कि भारतीय अपनी वीज़ा अवधि खत्म होने के बावजूद यू.के. में जमे रहते हैं।

अमेरिकी इतिहास में पहले भारतीय-अमेरिकी गवर्नर बने बॉबी जिन्दल ने स्वयं को भारतीय वंशक्रम से हटाकर ईसाई धर्म ग्रहण कर अपनी अमेरिकी पहचान स्थापित की। इससे उन्हें रिपब्लिकन राजनीति में आगे बढ़ने में मदद मिली।

लेकिन इन दबावों के बावजूद भारतीय मूल के सभी नेताओं ने अपनी जड़ों को पूर्णतया नहीं त्यागा है, यद्यपि विदेशों में उनके राजनीतिक अभ्युदय की परिणति भारत के लिए वास्तविक लाभों में नहीं होती। उदाहरण के लिए यू.के. के प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक के कार्यकाल में, उनके भारतीय मूल और हिन्दू पहचान के बावजूद भारत-यू.के. व्यापार समझौते में थोड़ी-बहुत प्रगति हुई।

2023 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आरम्भ में एक अग्रणी ग्लोबल इन्वैस्टमैंट माइग्रेशन एडवायज़री फर्म ने खुलासा किया था कि गत तीन वर्षों में 17,000 से ज्यादा करोड़पतियों, जिनमें प्रत्येक की नैटवर्थ एक मिलियन डॉलर से अधिक थी, ने भारत छोड़ दिया है। उच्च नैटवर्थ और कुशल भारतीयों के भारत छोड़ने का कारण अपारदर्शी कर नीतियों और मनमाने का प्रशासन का परिणाम हो सकता है, इसके अलावा गत एक दशक से भारत में भय का माहौल है। उन्होंने कहा कि ये लोग सिंगापुर, यू.ए.ई., यू.के. और अन्य जगहों को पसंद कर रहे हैं। यह एक ऐसी आर्थिक स्थिति जो हमारे राजस्व के आधार को भारी नुकसान पहुंचाएगा।

कांग्रेस ने भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम मतदान आंकड़े जारी करने में चुनाव आयोग को इतना अधिक समय क्यों लगा, जबकि तकनीकी आधुनिक तकनीकी प्रक्रिया हर दो घंटे में आंकड़े अपडेट होते हैं। उन्होंने कहा, पहले चरण के मतदान के लिए फाइनल आंकड़े जारी करने में चुनाव आयोग को ग्यारह दिन लग गए, दूसरे चरण के लिए उसने 6 दिन लिए तथा बाद के चरणों के लिए 4 से 5 दिन।

दीक्षित ने कहा, इससे ना केवल भारतीय चुनाव आयोग, की विश्वसनीयता परा सवाल खड़े हुए हैं, बल्कि समस्त चुनाव प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा हो गया है। दीक्षित चुनाव आयोग के इस स्पष्टीकरण से सहमत नहीं थे कि मतदान के फाइनल आंकड़े देर से जारी करने के पीछे संचार व इन्टरनैट मुख्य कारण थे। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट टैक्नोलॉजी की उपलब्धता के कारण प्रारंभिक तथा अंतिम आंकड़ों में अधिक अंतर नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सन् 2019 में, प्रारंभिक तथा अंतिम मतदान आंकड़ों में करीब एक प्रतिशत का अंतर था और पांच सालों के बाद औसत अंतर बढ़कर 4.7 प्रतिशत हो गया है। दीक्षित ने कहा, अगर चुनाव आयोग संतोषजनक जवाब नहीं दे सका तो कांग्रेस इस मामले में जाँच के लिए उच्चस्तर पर संपर्क करेगी।

21 साल से कम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वित्त सचिव, कर्मचारी चयन बोर्ड और राजकोष निदेशक के साथ राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश संदीप व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 20 जून, 2023 को कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार के पदों पर भर्ती निकाली थी, जिसमें अभ्यर्थी की उम्र न्यूनतम 21 साल रखी गई थी। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के अलावा अन्य अभ्यर्थी के भर्ती की लिखित परीक्षा में कम से कम चालीस फीसदी अंक होने चाहिए थे।

याचिका में कहा गया कि भर्ती विज्ञापन की इन दोनों शर्तो की अवहेलना हुई है। कर्मचारी चयन बोर्ड ने बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों का चयन कर लिया है, जिनके पास भर्ती की लिखित परीक्षा में चालीस फीसदी अंक नहीं हैं। इसके साथ ही कई अभ्यर्थियों को 21 साल की उम्र पूरी नहीं होने के बावजूद चुन लिया गया है, जिसके चलते दूसरे पात्र अभ्यर्थी चयन से वंचित हो गए हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए भर्ती विज्ञापन की इन दोनों शर्त पूरी नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है।

महाराष्ट्र के चुनाव की गहमा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ए.एन.आई. की खबर के अनुसार, शाह ने कहा था कि "महा विकास अघाड़ी गठबंधन औरंगजेब फैन क्लब है। यह औरंगजेब फैन क्लब भारत की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता है। उद्धव ठाकरे इस औरंगजेब फैन क्लब के मुखिया हैं। यह फैन क्लब महाराष्ट्र व भारत की सुरक्षा नहीं कर सकता है। यह तो सिर्फ भाजपा ही है जो सबकी सुरक्षा व रक्षा कर सकती है।"

शाह ने यह भी आरोप लगाया कि "उद्धव ठाकरे ने कसाब के साथ संलप्ति लोगों के साथ बैठकर खाना खाया था और वो पी.एफ.आई. का समर्थन करते हैं और ठाकरे, औरंगाबाद का नाम बदलकर "संभाजी नगर" रखने वालों के खिलाफ हैं।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब शाह ने शिव सेना (यू.बी.टी.) के अध्यक्ष पर सार्वजनिक रुप से हमला बोला है। उन्होंने ठाकरे पर लोकसभा चुनावों के दौरान भी सत्ता के लिए अपनी विचारधारा छोड़ने का आरोप लगाया था।

उद्धव ठाकरे को जून 2022 उस समय मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था, जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिव सेना में बगावत हुई थी। इसके फलस्वरुप, उनकी सरकार गिर गई थी। फरवरी 2023 में भारतीय निर्वाचन आयोग ने शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को असली शिव सेना के रुप में मान्यता प्रदान की थी। 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव इस वर्ष के आखिर में होने की संभावना है।

'मृत कर्मचारियों ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता जितेन्द्र के पिता करौली जिले की स्कूल में प्रबोधक पद पर तैनात थे।

इस दौरान नवंबर, 2014 में उनकी मौत हो गई। इस पर याचिकाकर्ता की मां ने अपनी अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन काफी दिनों तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसके लिए विभाग के उच्चाधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा, लेकिन तय समय पर उसे अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी गई।

वहीं, याचिकाकर्ता के वयस्क होने पर विभागीय अधिकारियों ने याचिकाकर्ता की मां के आवेदन को निरस्त कर याचिकाकर्ता से आवेदन ले लिया। इसके बाद उसे नियुक्ति देने की कार्रवाई भी शुरू कर समस्त औपचारिकताएं पूरी कर लीं, लेकिन उसे नियुक्ति नहीं दी। वहीं, 5 फरवरी 2024 को उसका अनुकंपा नियुक्ति का आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया कि कर्मचारी की मौत के इतने सालों बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती है।

इसी प्रकार दूसरे याचिकाकर्ता राहुल गुप्ता का आवेदन भी देरी के आधार पर खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता के पिता वरिष्ठ लिपिक के पद पर करौली जिले में कार्यरत थे। उनका जून 2018 में असामयिक निधन हो गया था। उनके स्थान पर याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन 24 नवंबर 2023 को इसका आवेदन भी देरी के आधार पर खारिज कर दिया गया। याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

हिमाचल में 47 लापता लोगों का अब तक सुराग नहीं मिला

शिमला, 03 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की तीन घटनाओं में लापता हुए 47 लोगों का अभी भी पता नहीं चला है, इन सभी की तलाश की जा रही है। बुधवार रात को मंडी, शिमला व कुल्लू में बादल फटने की घटनाओं से भारी तबाही हुई है। शिमला के समेज में 33 लोग लापता हैं जिनका अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इसके अलावा कुल्लू में नौ और मंडी में पांच लोग लापता हैं। अभी तक छः लोगों के शव बरामद किए गए हैं। जिनमें पांच मंडी के और एक कुल्लू का है। फिलहाल सेना, एन.डी.आर.एफ. और स्थानीय प्रशासन के 400 लोग तलाशी अभियान में जुटे हुए हैं।

'कोचिंग इन्स्टिट्यूट्स ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस महासचिव सूचना-प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि आंकड़े राज्यसभा को उपलब्ध कराए गए हैं उनसे पता चलता है कि वर्ष 2019 से 2024 के द्वारा कोचिंग संस्थानों से प्राप्त जी.एस.टी. की राशि में तीव्र गति से वृद्धि हुई है और यह राशि 2,241 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,517 करोड़ पहुंच गई है।

कांग्रेस की इस मांग को बढ़ते हुए कोचिंग उद्योग के परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है जिसे टाला नहीं जा सकता है क्योंकि यह आवश्यकता आधारित मांग है, अतः इसके समाधान की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि इन संस्थानों से जी.एस.टी. के संग्रहण में 146 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि हुई है, इसके कुछ हिस्से का उपयोग इसे अच्छे तरीके से लागू करने में लगाया जाना चाहिए परन्तु इसका हिस्सा उभरते हुए इसके बाजार के आकार में होना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि बेशुमार बढ़ते हुए कोचिंग संस्थानों की समस्या से निपटने के लिए भारत में एक समग्र समाधान नीति लाने की जरूरत है। पाठ्यक्रम को भी संशोधित किए जाने की आवश्यकता है और इसे स्कूलों की अन्य गतिविधियों के साथ लाना चाहिए, सभी परीक्षा-आयोजकों को और अधिक संसाधन उपलब्ध कराए जाने की जरूरत है इसके साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए और अधिक निवेश किए जाने की जरूरत है।

झारखंड सरकार महिलाओं को प्रतिवर्ष 12,000 रुपए देगी

रांची, 03 अगस्त। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) सरकार ने महिलाओं के कल्याण के लिए नई योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत राज्य सरकार 21 से 50 साल की महिलाओं को हर साल 12 हजार रुपये देगी। इस योजना को मईया सम्मान योजना नाम दिया गया है। झारखंड में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होंगे। माना जा रहा है कि महिला मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए हेमंत सोरेन सरकार यह योजना लेकर आई है।

झारखंड सरकार ने इस योजना के ऐलान के साथ ही इसे अमल में लाने के लिए जोरशोर से काम शुरू कर दिया है। राज्य का महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग पात्र महिलाओं को इससे जोड़ने के लिए शिविरों का आयोजन कर रहा है। राज्य के सभी जिलों के संबंधित अधिकारियों को इस योजना को सफल बनाने के लिए जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

झारखंड एजेंसी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी ने इस योजना का पोर्टल तैयार किया है। इस पोर्टल के जरिए ही आवेदनों का सत्यापन होगा। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार का दावा है कि पोर्टल पर एक घंटे में ही 36 हजार हिट हुए और एक दिन में करीब 15 लाख हिट हो गए। उन्होंने भरोसा जताया कि मईया योजना राज्य की महिलाओं के उत्थान में कारगर साबित होगी।

वित्तीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद ट्रम्प ने दावा किया कि आज के विपरीत उन्होंने अमेरिकन बंदियों को जल्दी छुड़वाया था और रुस को कोई छूट नहीं दी गई थी। लेकिन जानकार सूत्रों का कहना है कि तब भी रुस के बंदियों की रिहाई का सौदा हुआ था। अमेरिकन मध्यस्थों ने एक फाइनैंशियल अखबार "वॉलस्ट्रीट जर्नल" के पत्रकार की रिहाई सुनिश्चित करवाई थी। वर्तमान सौदे में अमेरिकन नेवी के कर्मियों की रिहाई करवाने की बात भी चल रही है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908